हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 26.12.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 154 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~2 रुपये~~ 2 रुपये

अटल जयंती पर पीएम की सौगात, देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना का किया शिलान्यास

एजेंसी

खजुराहो/भोपाल : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के लिए नदी जल का महत्व सबसे पहले बाबा साहब आंबेडकर ने समझा। भारत में जो नदी घाटी परियोजनाएं बनीं, इसके पीछे उन्हीं का विजन था, लेकिन कांग्रेस ने कभी बाबा साहब को इसका श्रेय नहीं दिया। कांग्रेस की सरकारों ने उनके इस योगदान के लिए किसी को पता नहीं चलने दिया। उन्होंने कहा कि कई राज्यों के बीच नदी जल को लेकर विवाद चल रहा है। जिस समय कांग्रेस की सरकार थी, वो इस विवाद को सुलझा सकती थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। अटलजी की सरकार ने पानी से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास किया, लेकिन उनकी सरकार जाते ही कांग्रेस ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को मप्र के खजुराहो में पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास किया। इसके साथ उन्होंने ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री ने अटल जी की स्मृति में डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरूआत बुंदेलखंडी भाषा से की। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में क्रिसमस की धूम है। मैं देश और दुनिया भर में उपस्थित ईसाई समुदाय को क्रिसमस की ढेर सारी बधाई देता हूं। मोहन यादव के

- प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा लिंक परियोजना का किया शिलान्यास।
- वाजपेयी की स्मृति में डाक टिकट और सिक्का किया जारी।

नेतृत्व में भाजपा सरकार का एक साल पूरा हुआ है। मध्य प्रदेश के लोगों को, भाजपा के कार्यकताओं को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस एक वर्ष में मध्य प्रदेश में विकास को नई गति मिली है। आज भी यहां हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत हुई है। आज ऐतिहासिक केन बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास हुआ है। ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट का भी लोकार्पण हुआ है और ये मध्य प्रदेश का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अटल जी की जयंती है। आज अटल जी के जन्म के सौ साल हो रहे हैं। अटल जी की जयंती का ये पर्व, सुशासन की हमारी प्रेरणा का भी पर्व है। देश में जब-जब भाजपा को जहां-जहां सेवा करने का मौका मिला है, हमने पुराने रिकॉर्ड तोड़कर काम किया है। आजादी के दिवानों ने जो सपने देखे थे, उन्हें साकार करने के लिए हम दिन रात पसीना बहा रहे हैं। अतीत में कांग्रेस सरकारें, घोषणाएं करने में माहिर हुआ करती थीं। घोषणाएं करना, फीता काटना, दीया जलाना, अखबार में तस्वीर छपवा देना... उनका (कांग्रेस) काम वहीं पूरा हो जाता था और उसका फायदा लोगों को नहीं मिल पाता था। उन्होंने कहा कि मप्र में 1100 से अधिक अटल ग्राम सेवा सदन के निर्माण का काम आज से शुरू हो रहा है। इसके लिए पहली किस्त जारी की गई है। अटल ग्राम सेवा सदन गांवों के विकास को नई गति देंगे।

उन्होंने कहा कि सुशासन का मलतब भी यही है कि अपने ही हक के लिए नागरिकों को सरकार के सामने हाथ न फैलाना पड़े, सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। यही तो शत प्रतिशत लाभार्थी को शत प्रतिशत लाभ से जोड़ने की हमारी नीति है। सुशासन भाजपा सरकारों की पहचान है। देश की जनता ने लगातार तीसरी बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई। मप्र में आप सभी लगातार भाजपा को चुन रहे हैं। इसके पीछे सुशासन का भरोसा ही सबसे प्रबल है। दशकों तक मध्य प्रदेश के किसानों, माताओं और बहनों ने बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष किया, क्योंकि कांग्रेस ने कभी जल संकट के स्थाई समाधान के लिए सोचा ही नहीं। जब देश में अटल जी की सरकार बनी, तब उन्होंने पानी से जुड़ी चुनौतियों को हल करने के लिए गंभीरता से काम शुरू किया था, लेकिन 2004 में जैसे ही कांग्रेस की सरकार बनी, कांग्रेस ने अटल जी के सभी प्रयासों को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सात दशक बाद भी देश के अनेक राज्यों के बीच पानी को लेकर कुछ न कुछ विवाद है। जब पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक, कांग्रेस का राज था, तब ये विवाद आसानी से सुलझ सकते थे, लेकिन कांग्रेस की नीयत खराब थी इसलिए उसने कभी भी ठोस प्रयास नहीं किए। बीता दशक भारत के इतिहास में जल-सुरक्षा और जल संरक्षण के अभूतपूर्व दशक के रूप में याद किया जाएगा। केंद्र सरकार भी लगातार प्रयास कर रही है कि देश-विदेश के सभी पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ें, यहां आना-जाना आसान हो। विदेशी पर्यटकों के लिए हमने ई-वीजा जैसी योजनाएं बनायी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज सुखद संयोग है। अटल बिहारी वाजपेयी ने एक सपना देखा, इसे प्रधानमंत्री मोदी जी पूरा कर रहे हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड के 10 जिलों में पेयजल, साढ़े 8 लाख खेतों को सिंचाई और उद्योग-धंधों को पानी मिलेगा। हम एक लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती करने वाले हैं। पांच साल के अंदर हम ढाई लाख से ज्यादा पदों पर भर्ती करेंगे।

रूस जा रहा विमान क्रैश, 67 यात्री थे सवार, 40 से अधिक लोगों की मौत

कहां के कितने यात्री?

- अजरबैजान- 37
- रूस- 16
- कजाखस्तान- 06
- किर्गिस्तान- 03

एजेंसी

कजाखस्तान : कजाखस्तान के एक्टाऊ शहर के पास बुधवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 72 लोग सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में 40 से अधिक लोगों की मौत की आशंका है, जबकि 27 लोग सुरक्षित बच गए हैं। रूसी समाचार एजेंसियों के अनुसार, अजरबैजान एयरलाइंस की फ्लाइट जे2-8243 बाकू से रूस के ग्रोजनी जा रही थी, लेकिन घने कोहरे के कारण विमान को ग्रोजनी के बजाय कजाखस्तान के एक्टाऊ के पास डायवर्ट किया गया था।

कजाख मीडिया ने शुरूआत में विमान में 110 लोग सवार होने की जानकारी दी थी, जिसमें 105 यात्री और पांच क्रू सदस्य थे, लेकिन बाद में अधिकारियों ने इसे संशोधित करते हुए विमान में कुल 72 लोग सवार होने की पुष्टि की - जिनमें 67 यात्री और 5 क्रू सदस्य थे। वीडियो में देखा गया कि विमान ने अचानक ऊंचाई खो दी और तेजी से नीचे गिरते हुए क्रैश हुआ, जिससे जोरदार धमाका हुआ और बाद में आग की लपटें उठने लगीं। दुर्घटनास्थल से धुएं के गुबार उठते हुए देखे गए।

कजाखस्तान के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं ने दुर्घटनास्थल पर लगी आग को बुझा लिया और बचने वाले लोगों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।

अजरबैजान एयरलाइंस ने बयान में कहा कि विमान ने एक्टाऊ शहर से लगभग तीन किलोमीटर दूर इमरजेंसी लैंडिंग की थी। एयरलाइंस ने इंस्टाग्राम पर कहा, अजरबैजान एयरलाइंस द्वारा संचालित एंब्रेयर 190 विमान, फ्लाइट नंबर जे2-8243, बाकू-ग्रोजनी मार्ग पर, एक्टाऊ शहर से लगभग तीन किलोमीटर दूर इमरजेंसी लैंडिंग करने के बाद क्रैश हो गया। इस घटना से संबंधित अतिरिक्त जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। अधिकारियों ने इस हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है और तकनीकी समस्या, पक्षी टकराने या अन्य कारणों पर विचार कर रहे हैं।

ब्राजील में भी विमान हादसा

हाल ही में ब्राजील में भी एक विमान दुर्घटना हुई, जिसमें 10 लोगों की जान गई। विमान घर की चिमनी और एक इमारत से टकराने के बाद एक दुकान से जा टकराया। इस हादसे में जमीन पर मौजूद दर्जनों लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो पाई है।

राजधानी में क्रिसमस की धूम, मसीही समुदाय ने हर्षोल्लास से मनाया खीस्त जन्मोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मसीही समुदाय ने बुधवार को हर्षोउल्लास से खीस्त जन्मोत्सव मनाया। दिनभर चर्च आस्था के केंद्र बने रहे। लोगों ने एक दूसरे से हाथ मिलाये और गले मिलकर क्रिसमस की बधाई दी।। जीईएल चर्च, संत पॉल्स कथिड्रल चर्च, संत मरिया महागिरजाघर चर्च, एनडब्ल्यू जीईएल चर्च समेत अन्य चर्चो में सुबह से ही लोग पहुंचने लगे थे। दोपहर तक परमेश्वर की विशेष विनती की गयी। बाईबल पाठ का उपदेश देने का सिलसिला जारी रहा। आशिष वचन सुनने के लिए विश्वासियों का तांता लगा रहा।

वेदी पर विराजमान थे पुरोहित

विश्वासियों के हाथों में बाईबल पुस्तक थी। इसमें परमेश्वर की स्तुति और आशिष वचन और उपदेश भी लिखे हुए थे। पुरोहित वेदी पर विराजमान थे। यहां से परमेश्वर का पाठ और आराधना का संदेश दिया जा रहा था। महिला पुरूष मंडली आराधना कर रही थी। विनती आराधना खत्म होने के बाद चर्च परिसर में विश्वासियो के लिए चाय, पानी और केक की व्यवस्था की गयी थी। ईसाई समुदाय के घरो। मे विभिन्न प्रकार के पकवान बनाये गये।

जीईएल चर्च में उपदेशक रेव्ह पीसी लकड़ा ने संदेश दिया

जीईएल चर्च में उपदेशक रेव्ह पीसी लकड़ा ने अपने संदेश में कहा, यीशु का जन्म मनुष्य को पाप से मुक्ति दिलाने के लिए धरती पर हुआ। उनका जन्म निर्धन परिवार में हुआ था। जिसे कोई नहीं पूछता था। समाज से वे तिरस्कृत भी किये गये थे। वैसे भी प्रभु का जन्म बेतलहम में हुआ था, जो अन्य देशों से काफी पिछड़ा हुआ था गरीबों के उत्थान के लिए यीशु का जन्म हुआ।

संत पौल्स कैथेड्रल चर्च में ग्लोरिया डहंगा ने संदेश दिया

प्रभु ने मनुष्य के रूप में जन्म लिया, ताकि मनुष्यों को बचाय जा सके, उन्हें पापों से मुक्ति दिलायी जा सके। आज भी मनुष्य दर्द से पीडित है, बीमार है, आवश्यकता से ग्रस्त है, इससे मनुष्य को चंगाई मिल सके, उसको सुरक्षा मिल सके, परमेश्वर को समझ सके, इसलिए यीशु मसीह संसार में आये। महिला सहायक पुरोहित ग्लोरिया डहंगा ने आज यह संदेश दिया।

ग्लोरिया डहंगा ने कहा कि यीशु मसीह ने मनुष्य को बचाने के लिए क्रूस पर अपने जीवन को बलिदान कर दिया। यही बहुमूल्य बलिदान है। यह ईसाई समुदाय के लिए बहुमूल्य है। पुरूलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजाघर चर्च में सुबह आराधना शुरू हुआ। यहां पुरोहित आनंद डेविड खलखो शामिल हुए। लोगो को परमेश्वर के वचन सुनाये।

एक नजर

सीएम हेमन्त सोरेन ने शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को शहीद निर्मल महतो की जयंती पर रांची के जेल मोड़ स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनको नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती पर निर्मल महतो जैसे महापुरुष का जन्म हुआ। इनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम राज्य की जनता के बीच रहते हैं। झारखंडी अस्मिता, मूलवासी आदिवासियों की भावना के साथ इस अग्रणी नेताओं ने राज्य की जनता को एकत्रित कर रखा और हमलोग भी उनके विचारों के साथ राज्य की जनता के साथ तत्परता के साथ खड़े रहे। हेमन्त सोरेन ने कहा कि जब तक झारखंड रहेगा तब तक शहीद निर्मल महतो का नाम अमर रहेगा। जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि निर्मल महतो का व्यक्तित्व दूरदर्शी था। झारखंड अलग राज्य आंदोलन की लड़ाई को उन्होंने धार दी। उनकी जयंती हो या पुण्यतिथि हम सभी लोग उन्हें नमन करते हैं और उनकी सोच को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

एक नजर

महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव में देखा गया अजगर सांप

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव में देखा गया लगभग 5 मीटर लंबा अजगर सांप। इस दौरान देखने वालों की भीड़ लग गई। देखते ही देखते अजगर सांप जंगल के चट्टानों में अदृश्य हो गया। भारी शरीर होने के कारण इसकी चाल काफी धीमी होती है। अजगर सांप छोटे-छोटे जानवरों को बहुत आसानी से अपना शिकार बना लेता है, इस कारण जानवर चरा रहे लोगों में भय व्याप्त है। अगल-बगल के गांव में अजगर सांप दिखने की चर्चा बन गई है। अजगर सांप अब लगभग विलुप्त प्राय होते जा रहे हैं। यह जंगलों में इक्का-दुक्का ही देखने को ही मिलते हैं। इसलिए अगर यह खेतों या गांव की तरफ दिखे तो वन विभाग को इसकी तुरंत जानकारी दें या सावधानीपूर्वक इसे जंगल में छोड़ने का काम करें।

कल तरंग ग्रुप द्वारा होगा पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हजारीबाग : कला,संस्कृति एवं कलाकारों की प्रतिभा को लगातार प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें बेहतरीन मंच प्रदान वाली स्थानीय संस्था तरंग ग्रुप हजारीबाग द्वारा वीर बाल दिवस के अवसर पर दिनांक 27 दिसम्बर 2024 को स्थानीय प्रधान कैफेटेरिया स्तिथ सभागार में जिला स्तरीय पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 10 बजे से किया जा रहा है। पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया जा रहा है जिसमें जूनियर वर्ग में 5 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे एवं सीनियर वर्ग में 12 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के छात्र छात्राएं भाग ले सकती हैं प्रतियोगिता में प्रवेश बिल्कुल निःशुल्क है। इस प्रतियोगिता के बारे में संस्था के निर्देशक अमित कुमार गुप्ता ने बताया किस सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए बाबा जोरावर एवं बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को आज के युवा वर्ग के लोग जाने के आखिर हम इन्हें क्यूं पूजते है ये केवल सिख समाज नहीं बल्कि पूरे सनातन समाज के लिए पूजनीय है एवं इनकी वीरगत हर युवा को पता होना चाहिए। पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का विषय भी स्वीर बाल बाबा जोरावर, बाबा फतेह एवं उनके परिवार की शहादत रखा गया है। प्रतियोगिता में प्रवेश बिल्कुल निःशुल्क है। सभी विजेताओं को स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागी सुबह 10 बजे आयोजन स्थल प्रधान कैफेटेरिया, नजदीक आनंदा चौक, हजारीबाग में आकर सीधा अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है या फोन नंबर 7992361860 पे कॉल एवं व्हाट्सएप कर अधिक जानकारी ले सकते है।

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आगाज

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2024 के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के इस सीजन के अंतिम और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कुल 20 वां टूर्नामेंट का भव्य आगाज 25 दिसंबर यानी बुधवार को थाम खेल मैदान, चंदवारा में हुआ। यहां के टूनार्मेंट में कुल 20 टीमों ने भाग लिया है जिसमें 16 टीम पुरुष वर्ग से और 04 टीमें महिला वर्ग से हैं। टूर्नामेंट का पहला मैच महिला वर्ग की थाम टीम बनाम आरागारो टीम के बीच खेला गया जिसमें थाम टीम ने पहला विजयी प्राप्त किया। इस टूर्नामेंट का दूसरा मैच ढाब बनाम भोंडो बालिका टीम के बीच खेला जा रहा है। टूर्नामेंट का विधिवत आगाज बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल में किक मारकर किया।

अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नई दिशा दी और उनके सुशासन के सिद्धांत आज भी प्रेरणादायक हैं : रमेश ठाकुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुशासन और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम धनबाद रोड स्थित भगवती मंदिर के पास भाजपा कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी ने की, जबकि संचालन विजय यादव द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी स्मृतियों को नमन किया। भाजपा कार्यकताओं ने

अटल जी के व्यक्तित्व, उनके नेतृत्व क्षमता और कवि हृदय की चर्चा की। उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों जैसे परमाणु परीक्षण, सड़क निर्माण परियोजनाओं और भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की गई। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने अटल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को नई दिशा दी और उनके सुशासन के सिद्धांत आज भी प्रेरणादायक हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन और विचार हर भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, उनका समर्पण और दूरदृष्टि हमें हमेशा मार्गदर्शन देते रहेंगे। भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने देश को सुशासन और विकास का जो मार्ग दिखाया, वह हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणादायक है। उनके सिद्धांतों पर चलना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुखिया संघ अध्यक्ष सह भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का नेतृत्व और उनकी दूरदृष्टि देश को नई ऊंचाइयों पर ले गई। उनका जीवन हमें हमेशा समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सीख देता रहेगा। भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज साव ने कहा कि अटल जी ने भारतीय राजनीति को नई परिभाषा दी। उनके आदर्श और उनकी नीतियां हमेशा हमारे लिए मार्गदर्शक रहेंगी। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मंडल अध्यक्ष भगवान केसरी, मुखिया संघ अध्यक्ष सह भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, जीप सदस्या प्रीति कुमारी, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, केदार यादव, ओबीसी मंडल अध्यक्ष मनोज साव, मुखिया शमशेर आलम, सहदेव यादव, युगल यादव, बिनोद यादव, बासुदेव यादव, अजित रविदास, गोविंद ठाकुर सहित अन्य भाजपाई मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव में ईसा मसीह का मनाया गया जन्मदिन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कई चर्च में दया करुणा और प्रेम के भगवान प्रभु यीशु का अनुयायियों 2024 वां जन्मदिन मनाया। बड़कागांव जेएमएस चर्च, बरतुआ, कुंदरु, जोभीया के चर्च में धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। बड़कागांव जेएमएस चर्च में पास्टर नकुल महतो के नेतृत्व व युगेश्वर प्रजापति की अध्यक्षता में धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान प्रमुख फुलवा देवी, पास्टर नकुल महतो, पंसस कृष्णा राम, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुईया, जीप प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, पूर्व पंसस राजीव रंजन, भीखन महतो, शिक्षक सुकेश कुमार, योगेंद्र महतो उपस्थित अन्य प्रबुद्ध जनो ने संयुक्त रूप से 5 फिट लंबा केक काटा। इस दौरान एक उपस्थित 4 वर्षीय बच्चा ने भी अपने जन्मदिन पर केक काटकर जन्मदिन को यादगार बनाया। एक दूसरे को केक खिलाकर लोगों ने प्रभु यीशु की जन्मदिन पर बधाई दी। मौके पर रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, अतिथियों के लिए स्वागत गीत गायी गई। इसके अलावा सामाजिक कुरीतियां, शराब उन्मूलन, सामाजिक व्यवहारिकता के अलावा शिक्षा झारखंड की संस्कृति पर विशेष नाट्य मंचन किया गया। मौके पर पास्टर नकुल महतो ने प्रभु यीशु से तमाम लोगों की सुख व समृद्धि की कामना की। कहा की प्रभु यीशु दया करुणा और प्रेम के प्रतीक हैं। हमें मिलजुल कर रहने, एक दूसरे के सम्मान, सहयोग करने की संदेश देते हैं। मौके पर उपस्थित लोगों में बादल कुमार, सुकेश कुमार,योगेंद्र महतो, पास्टर नकुल महतो, अध्यक्ष योगेश्वर प्रजापति, सचिव महेंद्र महतो, कोषाध्यक्ष शिवकुमार महतो, बादल महतो, घोलटू महतो सीताफल महतो, सीटू कोयरी, विक्रम कुमार, ईश्वर दयाल महतो, राहुल कुमार, लोकेश कुमार, इंद्रनाथ महतो, पवन कुमार, यशवंत कुमार के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थें।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाई गई

बड़कागांव : बड़कागांव के विभिन्न बूथों पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया गया। बड़कागांव पश्चिमी के भाजपा मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी ने बड़का गांव पूर्वी के बरवाडीह ग्राम में एवं महुगांई कला ग्राम में बूथों के कार्यकर्ताओं के साथ जन्म दिवस मनाया एवं उनके जीवनकाल की उपलब्धियों पर चर्चा किया गया। कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेई के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर सामूहिक रूप से जन्मदिवस मनाया तथा लोगों के बीच में मिठाई एवं चॉकलेट वितरण किया। आदित्य साहू सोनी ने कहा कि देश की विकास में अटल बिहारी वाजपेई की योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष के साथ महामंत्री नरसिंह प्रसाद, किशोर राणा, कैलाश राणा, राजकिशोर साव, तिला नाथ साव, काली नाथ गुप्ता, कृष्णा साव कजरू साव सम्मिलित थे।

डेंटल कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के पेरियोडोंटोलॉजी और इम्प्लांटोलॉजी विभाग में राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाया गया। आधुनिक दंत चिकित्सा के जनक डॉ. रफीउद्दीन अहमद की जयंती मनाई गई। विशेष सम्मान दिया गया एवं उनकी जीवनी को स्मरण किया गया। इस दौरान बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग के सहयोग से एक आकर्षक संयुक्त सेमिनार का आयोजन किया गया। सत्र में शारीरिक अंतर सहित बाल चिकित्सा मौखिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि का पता लगाया गया। प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ, माता-पिता की भूमिकाएँ और निवारक देखभाल रणनीतियाँ, बच्चों के लिए स्वस्थ मुस्कान बनाए रखने के तरीकों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, प्राचार्य के श्रीकृष्ण, उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव संकाय सदस्यों की सम्मानित उपस्थिति से सम्मानित इस कार्यक्रम ने अकादमिक सहयोग और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के महत्व को दर्शाया। इस तरह के उल्लेखनीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए एचओडी डॉ. मनोज के सिंह, डॉ. स्वाति सिंह, डॉ. रोजी, डॉ. सीमा, डॉ. अर्नव और पीजी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस क्रम में उत्सव एक जीवंत विभागीय कार्यक्रम और एक वैज्ञानिक प्रस्तुति के साथ संपन्न हुआ। जिसमें मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में दंत पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

श्री श्याम समर्पण महोत्सव में दी गई यह सेवा भक्ति और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है : चंद्र प्रकाश

हजारीबाग : श्री श्याम समर्पण महोत्सव के अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग ने श्याम भक्तों के प्रति अपनी भक्ति और सेवा का परिचय देते हुए चाय और बिस्कुट की सेवा प्रदान की। इस आयोजन में संस्था के संरक्षक, पदाधिकारियों और सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ हिस्सा लिया। सेवा का यह आयोजन शाम 5:00 बजे से प्रारंभ होकर देर रात 11:00 बजे तक निरंतर चला, जिसमें 1500 से भी अधिक भक्तों ने लाभ लिया। आयोजन मंडली श्री श्याम टाबरिया ने इस भव्य और सफल आयोजन के लिए संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष रितेश खंडेलवाल ने अपनी जिम्मेदारियों का उत्कृष्ट निर्वहन किया। उन्होंने सेवा प्रबंधन और भक्ति भाव से भरे आयोजन को बेहतर रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस लगनशीलता की सभी संरक्षक, पदाधिकारी और सदस्यों ने सराहना की। सेवा स्थल पर कई गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं और राजनीतिक दलों से जुड़े प्रमुख लोग उपस्थित रहे। सभी ने बाबा के दर्शन किए, चाय की सेवा का आनंद लिया और संस्था के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि यह पूरी तरह से भक्ति और समर्पण की भावना से संचालित था। इस अवसर पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन और अन्य सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि ऐसे आयोजन समाज और धर्म के प्रति निष्ठा को मजबूत करते हैं।

श्रमिकों ने त्रिवेणी सैनिक को चक्का जाम करने की दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विस्थापित प्रभावित कामगार श्रमिक संघ के द्वारा एनटीपीसी की एमडीओ कंपनी त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को चक्का जाम करने की की दी चेतावनी। आपको बता दें कि सोनबरसा ग्राउंड में मजदूरों की बैठक हुई मजदूर अपने 7 सूत्री मांगों के साथ धरने पर बैठे थे। और पिछले कई सालों से इन मांगों को लेकर कंपनी के अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं परंतु कंपनी उनकी एक भी नहीं सुन रही है। अंततः बाध्य होकर श्रमिकों ने कंपनी को उग्र आंदोलन और चक्कर जाम करने की चेतावनी दी है, मजदूरों के इस धरने में त्रिवेणी सैनिक के अधिकारी वातार्लाप के लिए पहुंच गए थे वातार्लाप हो रही थी मजदूरों ने कहा सफल वातार्लाप होने पर आंदोलन नहीं किया जाएगा यदि हमारी मांगों को नहीं माना गया तो निश्चित आंदोलन होगा। 7 सूत्री मांगों में था। एचपीसी के तहत मानदेय देने की बात कही गई। श्रमिकों को

अवकाश देने की बात सेवन निर्मित श्रमिकों के घर से एक नौकरी देने की बात काम पर आने जाने के लिए बस की सुविधा, पे स्लिप की मांग बोनस भता की मांग एवं बिना कारण कंपनी के द्वारा नौकरी से निकालने की धमकी देना बंद करें मांगो में शामिल था। अपनी मांगों का एक आवेदन मजदूरों ने अनुमंडल पदाधिकारी के नाम लिखा था, और तमाम जनप्रतिनिधि कंपनी के पदाधिकारी के नाम प्रतिलिपि भी दी गई थी। मजदूर श्रमिक संघ कि आज की इस बैठक में पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, श्रमिक संघ के अध्यक्ष किशोर कुमार सिंह, मजदूर सिकंदर महतो, बालमुकुंद महतो सुनील कुमार सेमत सैकड़ो श्रमिक मौजूद थे।

पुलिस ने अवैध शराब निर्माण को लेकर की छापेमारी, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण पुलिस की बड़ी कामयाबी मिली है जहां पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब निर्माण को लेकर महुआबाद में छापेमारी की है। चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने कहा कि पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अरविंद कुमार सिंह द्वारा गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम-महुआबाद स्थित बिक्की कुमार पासवान के घर में अवैध रुप से भारी मात्रा में नकली शराब बनाने वाला खाली बोतल, ढक्कन, रैपर, स्टीकर एवं प्लास्टिक का जार रखा हुआ है। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत विमल बरही के नेतृत्व में एक टीम गठित कर थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश चौपारण के द्वारा सशस्त्र बल के साथ त्वरीत कार्रवाई हेतु ग्राम महुआबाद स्थित बिक्की पासवान के घर के

पास पहुँचा तथा बिक्की कुमार पासवान के घर को घेराबंदी कर विधिवत तलाशी लिया। तलाशी के क्रम में घर के अन्दर से कुल-2590 पीस खाली शराब का बोतल। रॉयल स्टेग कम्पनी का ढक्कन 500 पीस। रॉयल स्टेग कम्पनी का नकली रैपर- 2000 पीस रॉयल स्टेग कम्पनी का नकली स्टीकर (झारखण्ड राज्य का नकली लोगो)- 2000 पीस। एक कमरा में छुपाकर रखा भारी मात्रा में नकली खाली शराब का बोतल, ढक्कन, रैपर, स्टीकर एवं प्लास्टिक का जार बरामद किया गया तथा बिक्की कुमार पासवान पिता बाबुलाल पासवान सा०- महुआबाद थाना- चौपारण जिला- हजारीबाग को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में चौपारण थाना कांड सं0-418/24 अंकित कर गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजी जा रही है एवं इस कांड में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध अनुसंधान की जा रही है।

विश्वकर्मा समाज के गौरव थे ज्ञानी जैल सिंह : विकास राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज, जिला कमेटी, हजारीबाग द्वारा भारत के सातवें राष्ट्रपति स्व. ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हजारीबाग में निवास करनेवाले प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी, जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी, प्रखण्ड अध्यक्ष, प्रखण्ड सचिव, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वइ ज्ञानी जैल सिंह के चित्र पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया श्रद्धांजलि सभा के इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वकर्मा विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वकर्मा समाज के हजारीबाग जिला अध्यक्ष यदु राणा ने किया तथा मंच संचालन विश्वकर्मा समाज के जिला महासचिव बृजलाल राणा ने किया। विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति स्व ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा समाज के गौरव थे। जीवन में संघर्ष करके विधायक से भारत के राष्ट्रपति तक का सफर प्राप्त किया। मेट्रिक पास करने के बाद विशेष रूप से धार्मिक ग्रंथो का अध्ययन किया उसके बाद ही उनको ज्ञानी की उपाधि दी गई। झारखण्ड के सभी जिला मुख्यालयों में आज के दिन भारत के सातवें राष्ट्रपति स्व ज्ञानी जैल सिंह के पुण्य तिथि पर विश्वकर्मा समाज द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विश्वकर्मा समाज के प्रदेश महासचिव संजय लाल राणा, जिला सचेतक महावीर राणा, पूर्व कोषाध्यक्ष उमेश राणा, रामगढ के पूर्व जिला अध्यक्ष त्रिवेणी राणा, विनोद राणा, अनिल राणा, संजय राणा, कौलेश्वर शर्मा, परमेश्वर राणा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास के नेतृत्व में मनुस्मृति का किया गया दहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के अंतर्गत बादम पंचायत के बाबूपारा अंबेडकर चौक में मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास के नेतृत्व में मनुस्मृति का दहन किया गया। आज के दिन में ही बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर ने महार तालाब के सामने मनुस्मृति दहन किया था, उन्होंने कहा था की मनुस्मृति में शूद्र अति शूद्रों का शिक्षा संपत्ति और शास्त्र छीन लिया और इस देश को गुलाम होने में मजबूती प्रदान किया, मनुस्मृति के कारण ही देश विदेशी आक्रांताओं का गुलाम बना रहा और यहां के मूल निवासी जिनकी संख्या 90% है शोषित बने रहे, बाहर से आए विदेशियों ने मूल निवासियों पर अत्याचार और शोषण की लंबी पारी खेलते रहे और आज ही वंचितों के ऊपर जातिगत भेदभाव होता आ रहा है, इसे समाप्त करने के लिए डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने, भारतीय संविधान का

निर्माण किया, वर्ण व्यवस्था को समाप्त कर क्षमता मूलक समाज बनाने का प्रयास किया। इस मनुस्मृति दहन के अवसर पर पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक के राष्ट्रीय प्रचारक मूल निवासी दीपक दास, एमकेकेएम के प्रदेश संगठन सचिव रंजन दास, भीम आर्मी के प्रखंड मीडिया प्रभारी ऋतिक दास, प्रोफेसर ऋतुराज दास, गिरजा भुइया, दूधनाथ दास, जागेश्वर दास, सुनील दास,राजेश पासवान, सनी कुमार दास, पप्पू दास, सूरज दास, रघुनाथ दास और तमाम मूल निवासी उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी ने अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती को सुशासन दिवस के रूप में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह विशेष आयोजन हजारीबाग के झींझरिया पुल स्थित हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कोडरमा के पूर्व सांसद एवं भाजपा झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय शामिल हुए। उनके मार्गदर्शन और वाजपेयी जी के विचारों की प्रेरणा से कार्यक्रम को एक विशेष आयाम मिला। इस आयोजन की अध्यक्षता भाजपा हजारीबाग के जिला अध्यक्ष

विवेकानंद सिंह ने की वही धन्यवाद ज्ञापन झारखंड प्रदेश के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव ने की। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अमरदीप यादव अध्यक्ष, भाजपा झारखंड प्रदेश ओबीसी मोर्चा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव,अनिल मिश्रा और सुदेश चंद्रवंशी, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौड़, भुनेश्वर पटेल मुख्य रूप से शामिल रहें। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम सबसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया जिसके बाद जिला अध्यक्ष के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत व अभिनंदन किया गया इसके बाद कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ मंच पर आसीन सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपना-अपना वक्तव्य रखते हुए अटल बिहारी वाजपेई जी को याद किया। कोडरमा के पूर्व सांसद एवं भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय ने अपने संबोधन में अटल बिहारी वाजपेयी जी को एक अद्वितीय नेता, महान कवि और सुशासन के प्रणेता के रूप में याद किया। उन्होंने कहा अटल जी का जीवन राष्ट्रभक्ति और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक था। उन्होंने न केवल राजनीति में बल्कि देश के हर वर्ग के जीवन में सुधार लाने का कार्य किया। उनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व ने भारत को एक मजबूत और स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। सुशासन की उनकी परिकल्पना ने हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर प्रदान करने की नींव रखी। रविंद्र राय ने वाजपेयी जी की ओजस्वी वाणी और उनके विचारों को आज की राजनीति में प्रासंगिक बताते हुए कहा आज के युग में अटल जी के आदर्शों को अपनाकर हम देश में समता, समानता और सशक्तिकरण की भावना को मजबूत कर सकते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि राजनीति केवल सत्ता पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जनसेवा का सबसे बड़ा साधन है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा अटल जी का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है।

एक नजर

पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा को लेकर किये जा रहे पुख्ता इंतजाम

रांची : नये साल को लेकर काउंटडाउन शुरू हो चुका है। लोग परिवार के साथ पिकनिक मनाने पर्यटन स्थलों पर पहुंच रहे है। यह देखते हुए जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा के इंतजामात किये जा रहे है। बुधवार को रांची जिले में पड़ने वाले लोकप्रिय पर्यटन स्थल दशम फॉल में खतरे के निशान को चिन्हित करते हुए मार्किंग की गयी। डेंजर स्पॉट को रस्सी से घेरा गया। वहां पर चेतावनी वाले पोस्टर लगाये गये और डेंजर स्पॉट को रस्सी से घेरा गया। बता दें कि गुरुवार को हुंडरू और जोन्हा फॉल में खतरे के निशान चिह्नित किये जायेंगे। कहा गया कि आम लोगों की सहूलियत के लिए पर्यटन विभाग प्रयास कर रहा है।

आज और कल कोहरा और धुंध का साया, 28-29 को बारिश की संभावना

रांची : झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 26 और 27 दिसंबर को सुबह हल्के दर्जे का धुंध और कोहरा छाया रहेगा। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहा। राज्य के कई ईलाकों में कोहरा भी छाया रहा। न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना जताई गई ह। पिछले 24 घंटे में उच्चतम तापमान पलामू में 27.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान देवघर में 10.01 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 28 और 29 को बारिश की संभावना मौसम विभाग के अनुसार, 28 और 29 दिसंबर को बारिश की संभावना जताई गई है। 28 को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, गुमला और सिमडेगा में बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं 29 दिसंबर को गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम में बारिश की संभावना जताई गई है।

वेद प्रकाश हत्याकांड : सत्यम पाठक को रिमांड पर देने से कोर्ट का इनकार

रांची: रांची सिविल कोर्ट ने निवर्तमान दिवंगत पार्षद वेद प्रकाश सिंह की हत्या के आरोपी सत्यम पाठक को पुलिस रिमांड पर देने से इनकार कर दिया है। यह जानकारी सत्यम पाठक के अधिवक्ता गौरव प्रियदर्शी और अधिवक्ता पीयूष पांडेय ने लगातार डॉट इन को दी। अधिवक्ता गौरव प्रियदर्शी और पीयूष पांडेय के मुताबिक, रांची पुलिस ने सत्यम पाठक को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उसे रांची सिविल कोर्ट के उखट की कोर्ट में पेश किया। इस दौरान पुलिस ने सत्यम पाठक से पूछताछ करने के लिए 10 दिनों की रिमांड मांगी। लेकिन कोर्ट ने रिमांड देने से इनकार कर दिया। बता दें कि जुलाई महीने में धुर्वा में वेद प्रकाश को शाम में गोली मार दी गयी थी।

पुलिस महानिदेशक के करीबी से दो लाख रुपये की ठगी

रांची: झारखंड पुलिस के डीजी मुरारी लाल मीणा की आवाज में उनके करीबी से ही साइबर अपराधियों ने दो लाख रुपये की ठगी कर ली है। मुरारी लाल मीणा वर्तमान में डीजी रेल के पद पर पदस्थापित हैं और वो इस साल 31 दिसंबर को सेवानिवृत होने वाले हैं। खबर लिखे जाने तक इस मामले में प्राथमिकी तो दर्ज नहीं हुई थी, लेकिन झारखंड पुलिस की साइबर सेल पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जिस खाते में रुपये ट्रांसफर किए गए हैं, उस खाता के खाताधारक तक पहुंचने के लिए पुलिस प्रयासरत है।

सक्रिय राजनीति में लौटेंगे रघुवर दास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने मंगलवार देर रात इस्तीफा दे दिया है। मिजोरम के राज्यपाल हरिबाबू गरडिया को ओडिशा का नया राज्यपाल बनाया गया है। रघुवर दास झारखंड की राजनीति में सक्रिय हो सकते हैं और उनकी बहू पूर्णिमा साहू जमशेदपुर पूर्वी सीट छोड़ सकती हैं। राजनीति की गलियारों में इस बात की भी चर्चा तेज हो चली है कि उन्हें भाजपा संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। रघुवर दास के इस्तीफे ने झारखंड की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। माना जा रहा है कि अब रघुवर दास एक झारखंड की पॉलिटिक्स में एक्टिव हो सकते हैं। रघुवर दास भाजपा के वरिष्ठ नेता होने के साथ झारखंड के पहले गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री पद संभाला। इसके अलावा, वे जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रह चुके हैं। उनकी सक्रियता और प्रशासनिक कार्यशैली ने उन्हें झारखंड की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि रघुवर दास को बीजेपी केंद्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। रघुवर दास की गिनती केंद्रीय मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी करीबी नेताओं में होती है। वो बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

2023 में अक्टूबर में राज्यपाल बनाए गए थे रघुवर दास

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को पार्टी ने सक्रिय राजनीति से अलग करते हुए उन्हें पड़ोसी राज्य उड़ीसा का राज्यपाल नियुक्त किया था। पिछले साल अक्टूबर में राज्यपाल बने थे। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा थी कि रघुवर दास को राजनीतिक झारखंड की राजनीति से दूर रखा गया है ताकि विधानसभा चुनाव में बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी चुनाव लड़ सके। विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। परिणाम के बाद संगठन को तंदुरुस्त करने के लिहाज से सांगठनिक कार्यक्रम तय किए गए हैं। फरवरी 2025 तक प्रदेश भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद यह संभावना जताई जा रही है की रघुवर दास फिर से भाजपा में शामिल होकर प्रदेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा कर पेसा कानून जल्द लागू करना जरूरी : बंधु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखण्ड सरकार द्वारा पेसा कानून की नियमावली को मंजूरी देने के बाद अब इस बात की नितांत आवश्यकता है कि सभी आवश्यक वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा कर पेसा कानून को जमीनी स्तर पर जल्द-से-जल्द लागू किया जाये। बंधु तिर्की ने कहा कि पेसा कानून लागू होने से झारखण्ड की दशा और दिशा में सकारात्मक बदलाव आयेगा और अब ग्रामीणों विशेषकर जनजातीय समुदाय और मूलवासियों के लिये यह बहुत जरूरी है कि सरकार द्वारा स्वीकृत पेसा नियमावली के अनुरूप पेसा कानून का सीधा फायदा झारखण्ड के लोगों को मिले। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे न केवल ग्रामीणों की विकास संबंधी जरूरतें पूरी होगी बल्कि जमीन के साथ ही उपलब्ध संसाधनों की लूट भी रोकी जा सकेगी। साथ ही इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण होने की भी पूरी संभावना है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया कि नयी सरकार के गठन के बाद झारखण्ड में विशेष रूप से आदिवासियों एवं मूलवासियों को पेसा कानून लागू होने के सम्बन्ध में सरकार से बहुत अधिक भरोसा है। झारखण्ड की जनता की लम्बे समय से पेसा कानून को लागू करने की मांग बहुप्रतीक्षित है।

खादी मेले में उमड़ी भीड़, ठंड के बावजूद पहुंचे 18 हजार लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खाद्य एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खाद एवं सरस महोत्सव 2024 25 का आकाश बड़े ही धूमधाम से किया गया महोत्सव में आज करीब करीब 18000 लोगों ने शिरकत की राजधानी रांची के मोराबादी मैदान में खड़ी मेले के छठे दिन भी खूब भीड़ दिखी हल्की गुनगुनी धूप में आज मेले परिसर में सुबह से ही बच्चों की उपस्थिति नजर आने लगी थी मेले में आज खादी बोर्ड एवं पलाश जैसल पीस के संयुक्त तत्वाधान में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया क्रिसमस गैदरिंग में केक काटकर बच्चों के बीच वितरण किया गया तथा इस अवसर पर सार्थक एनजीओ की तरफ से दिव्यांग बच्चों ने भी हिस्सा लिया क्रिसमस कैरोल गाकर बच्चों ने खूब मस्ती की, तथा खादी बोर्ड की तरफ से क्रिसमस गिफ्ट भेंट किए गए। बच्चों को ई-रिक्शा से मेला परिसर में घुमाया गया। क्रिसमस गैदरिंग के अवसर पर मेला परिसर में घूम रहे सांता क्लास के साथ बच्चे सेल्फी लेकर बहुत ही प्रसन्न दिखे। सांता क्लास द्वारा बच्चों को चॉकलेट भी दिया गया। मेला परिसर में बच्चों के लिए विभिन्न आकृतियों के विशाल झूले बच्चों को आकर्षित कर रहे हैं छोटे बच्चों के लिए भी छोटे झूले की व्यवस्था है। मेला परिसर में बुजुर्गों के लिए मेला घूमने के लिए निशुल्क ई -रिक्शा की व्यवस्था की गई है। महोत्सव परिसर में छोटे शिष्यों को स्तनपान कराने हेतु बेबी फीडिंग रूम की व्यवस्था होने से माताओं को बहुत सुविधा हुई। अभिभावक राहुल कुमार ने बताया कि बेबी फीडिंग रूम की व्यवस्था देखकर बहुत ही अच्छा लगा। माटी कला बोर्ड के स्टाल में मिट्टी से बने बर्तन मिट्टी के मुकातों की खूबसूरत रेंज है। लाह चूड़ी के स्टाल में लाह से बने चूड़ियों की कलेक्शन महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है' महोत्सव परिसर में लाह चूड़ी बनाने का जीवंत प्रदर्शन भी हो रहा है।

अजय कुमार सिंह व नितिन कुलकर्णी को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रमोशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार ने प्रधान सचिव रैंक के दो पदाधिकारियों को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति प्रदान की है। इनमें स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को एक जनवरी 2025 या पदभार ग्रहण की तिथि से भारतीय प्रशासनिक सेवा के स्थिर वेतनमान लेबल-17, पे-मैट्रिक्स-2,25,000 में प्रोन्नति दी गयी है। अजय कुमार सिंह के पद को उत्क्रमित करते हुए उन्हें अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग के पद पर बनाये रखा गया है। इनके अलावा राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को भी एक जनवरी 2025 की तिथि से अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रमोशन दिया गया है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

सत्येंद्र सिंह को अपर मुख्य सचिव में प्रोफार्मा प्रोन्नति

राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व भारत सरकार के अधीन प्रतिनियुक्त सत्येद्र सिंह को भी अपर मुख्य सचिव रैंक में लेबल 17 पे-मैट्रिक्स- 2,25,000 में स्थानापन्न रूप से यथा रूप प्रोफार्मा प्रोन्नित दी है। बता दें कि नितिन मदन कुलकर्णी इनसे कनीय पदाधिकारी हैं जिन्हें भी अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोशन दिया गया है।

दो आइएएस को सचिव रैंक में प्रमोशन

झारखंड सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो पदाधिकारियों को सचिव रैंक में प्रमोशन दिया है। प्रभारी सचिव, श्रम,नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग रांची के पद पर पदस्थापित मुकेश कुमार को 1 जनवरी 2025 की तिथि से भारतीय प्रशासनिक सेवा के लेबल-14, पे-मैट्रिक्स-144200-218200 में प्रोन्नति दी है। प्रभारी सचिव स्कूली, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग उमा शंकर सिंह को भी सचिव रैंक लेबल 14 में प्रमोशन दिया गया है। यह प्रमोशन इस शर्त पर दिया गया है कि दोनों पदाधिकारी अगले दो वर्षों में आयोजित होने वाले एमसीटी फेज-4 का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेंगे। दोनों पदाधिकारी उत्क्रमित पद पर उन्हीं विभागों में पदस्थापित रहेंगे। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है।

मंत्री चमरा लिंडा ने स्कूली जूतों की गुणवत्ता पर उठाया सवाल

रांची : झारखंड के एसटी, एससी और ओबीसी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा एक्शन मोड में हैं। उन्होंने गुमला जिले में स्कूली बच्चों को दिए गए जूतों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। मंत्री ने इस संदर्भ में गुमला के जिला कल्याण पदाधिकारी को शो-कॉज नोटिस जारी करते हुए जूता आपूर्तिकर्ता को ब्लैक लिस्ट करने और उसका भुगतान रोकने का आदेश दिया। चमरा लिंडा ने अपने बयान में कहा कि बच्चों को लेदर की जगह रेक्सीन के जूते दिए गए हैं, जो गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतरते। उन्होंने आदिवासी कल्याण आयुक्त से पूछा कि बच्चों को रेक्सीन के जूते क्यों दिए जा रहे हैं, जबकि यह सामग्री बहुत जल्दी फट जाती है।

बेटी के खातिर सांता क्लॉस बने माही

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बुधवार को क्रिसमस के मौके में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर बड़ी तेजी से वायरल हो रही है। जिसे पोस्ट किया है,साक्षी सिंह धोनी ने तस्वीर में साक्षी, जीवा और सांता क्लॉस है। आपको जानकर हैरानी होगी की तस्वीर में दिख रहे सफेद लंबी दाढ़ी और लाल ड्रेस में सांता क्लॉस कोई और नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी है।इस तस्वीर में कैप्टेन कूल अपने दोस्तों के साथ क्रिसमस मनाते हुए नजर आरहे है। दरअसल, पोस्ट में कैप्टेन कूल को सांता क्लॉस के रूप में देख कर फैंस भी काफी हैरान है। महेंद्र सिंह धोनी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने बाहर गए हुए है।

हृदय से कोमल लेकिन विचारों के प्रति दृढ़ थे श्रद्धेय अटल : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष की शुरूआत हुई। भाजपा ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अटल जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में प्रदेश में मनाया। राज्य के सभी बूथों पर पार्टी कार्यकताओं ने श्रद्धेय अटल जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने किया। इसके पूर्व विधानसभा परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश के नेताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। आज प्रदेश के सभी जिलों में अटल जी के संबंध में गोष्ठी आयोजित की गई जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। रांची महानगर भाजपा द्वारा अटल वेंडर मार्केट,रांची में आयोजित विचार गोष्ठी को प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने संबोधित किया। श्री मरांडी ने कहा कि अटल जी जैसा महान व्यक्तित्व विरले होते हैं। आज अटल जी भले ही शरीर से हमलोगो के बीच नहीं हैं लेकिन उनकी वाणी,उनकी कविताएं ,उनके विचार आज भी देश दुनिया के लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता अटल जी से प्रेरित होकर समाज जीवन में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे। उन्होंने कहा कि वे बड़े मन के नेता थे।उनका हृदय कोमल था,लेकिन मां भारती की सेवा में वे विचारों के प्रति दृढ़ थे,अटल थे। कहा कि संगठन में कार्यकताओं को कार्य करने की स्वतंत्रता के वे आग्रही थे,अनावश्यक दबाव के पक्षधर नहीं थे। कहा कि एक शिक्षक के पुत्र के रूप में जीवन यात्रा प्रारंभ करने वाले अटल जी ने अपने संघर्ष और परिश्रम से महान व्यक्तित्व को गढ़ा। कहा कि अटल जी ने कभी सत्ता केलिए विचारों से समझौता नहीं किया। पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत की राजनीति को नई दिशा दी। देश को आगे बढ़ाने और कांग्रेस पार्टी की देश विरोधी नीतियों से मुक्ति दिलाने केलिए उन्होंने गठबंधन की राजनीति को मजबूती प्रदान की। लेकिन सत्ता लोलुपता उन्हें छू नहीं सकी।

संक्षिप्त खबरें

आशुतोष और इंदु की भोजपुरी एलबम 'दीवानी' यूट्यूब पर रिलीज

रांची: झारखंड के उभरते लोक गायक आशुतोष द्विवेदी और भोजपुरी की सुप्रसिद्ध गायिका इंदु सोनाली का एक सुमधुर भोजपुरी लोक गीत दीवानी एलबम यूट्यूब पर बुधवार को रिलीज की गई। भोजपुरी में इस एलबम को यूपी, बिहार और झारखंड के दर्शक पसंद कर रहे हैं। इसमें आशुतोष द्विवेदी और इंदु सोनाली ने भोजपुरी गीतों की प्राचीन और साफ-सुथरी संस्कृति को अपने स्वर से परिभाषित किया है। इस एलबम की पूरी शूटिंग झारखंड की राजधानी रांची में हुई है। इस भोजपुरी गीत एलबम में अभिनेता आशुतोष द्विवेदी और अभिनेत्री शालिनी सिंह यादव, प्रोड्यूसर संगीता रानी, लिरिक्स संतोष साहिल, म्यूजिक हर्ष उपाध्याय, मिस मास्टर हम रिकॉर्ड्स, वीडियो डायरेक्ट मनोज वरुण, कैमरामैन रवि कुमार साहू, एडिटर जैजर सिंह, डीआई रोहित सिंह, मैकअप नैना सिंह और पब्लिसिटी डिजाइनर अंकित एफ एक्स हैं।

राज्यपाल ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित की

रांची: झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर राजभवन के दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। अटल जी के आदर्श सदैव सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। वहीं दूसरी और राज्यपाल ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा है कि महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक 'भारत रत्न' पं. मदनमोहन मालवीय की जयंती पर शत- शत नमन।

झारखंड में होमगार्ड बहाली के लिए 100 अंकों की होगी परीक्षा, 30 अंक लाना अनिवार्य

रांची : झारखंड में होमगार्ड बहाली को लेकर गृह विभाग ने नियमावली-2014 का गजट प्रकाशित कर दिया है। इसके तहत तकनीकि योग्य अभ्यर्थियों के लिए 100 अंकों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें पास होने के लिए न्यूनतम 30 अंक जरूरी होंगे। शहरी क्षेत्रों में सरकारी सेवकों का नामांकन कुल रिक्तियों का प्रतिशत तक ही हो सकेगा। इसके लिए अभ्यर्थी को अपने कार्यालय प्रधान से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जमा करना होगा। शहरी गृह रक्षक के रूप में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को उस जिले या शहर का निवासी होना चाहिए या वहां कार्यरत होना चाहिए। डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, ,सरकारी पदाधिकारी और बैंक अधिकारियों के कार्यस्थल को सामान्य निवास माना जाएगा। ग्रामीण गृह रक्षक पद के लिए अभ्यर्थी को उसी प्रखंड और गांव का निवासी होना अनिवार्य है। शैक्षणिक योग्यता सातवीं पास रखी गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेलों में पुरस्कृत अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता कर्नाटक रवाना

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बेलगाम के लिए रवाना हुए। रवाना होने के पहले पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमारे लिए यह गौरव का पल है कि 1924 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर आसीन हुए। आज हम सभी उनके शताब्दी समारोह में सम्मिलित होने जा रहे हैं, जो एक ऐतिहासिक क्षण होगा। गांधी ने जो सत्य-अहिंसा का संदेश दिया है, उसे कांग्रेस नेताओं को आत्मसात करना है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि देश तभी ताकत हासिल कर सकता है और खुद विकसित कर सकता है जब सभी समुदायों के लोग आपसी सद्भावना के साथ रहें।

रांची में हथियार के साथ एक गिरफ्तार

रांची: सदर थाना पुलिस ने हथियार के एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम अभिषेक कुमार शर्मा है। वह बूटी मोड़ के आंनद बिहार गली नंबर पांच का रहने वाला है। इसके पास से देशी पिस्टल और एक कारतूस बरामद किया गया है। डीएसपी संजीव बेसरा ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर बूटी बस्ती के वाक्सपोल फैक्टरी के पास से एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपित ने कहा कि वह इस हथियार और कारतूस को बिहार के औरंगाबाद से लाया है। इससे छिनैती की घटना को अंजाम देने की फिराक में था। इसके खिलाफ पूर्व में दो मामले दर्ज हैं।

एक नजर

खुलेआम पड़ा है चोरी का लोहा व कॉपर केबल

धनबाद : तेतुलमारी थाना क्षेत्र के मोदीडीह खास सिजुआ स्थित ओ बी डंप के नीचे लोहा तस्करों द्वारा खुलेआम बीसीसीएल का चोरी का भारी मात्रा में कॉपर केबल, व लोहा रखा हुआ है। लोहा तस्करों की मनोबल से ऐसा प्रतीत होता है कि तस्करों को पुलिस प्रशासन का लेश मात्र भी भाय नहीं है तभी तो खुलेआम इस तरह के कार्य कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो कुछ दिनों से लोहा तस्करों ने यहां गोदाम खोल रखा है जहां बीसीसीएल के विभिन्न कोलियारियों से चोरी किए गए कॉपर केबल,व लोहा एकत्रित किया जाता है इसके बाद रात में बड़े वाहनों में चोरी के माल को लोड कर बाहर भेजा जा रहा है।

धनबाद में पिस्टल के दम पर एसबीआई की सीएसपी में लूट

धनबाद : अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। इतना ही नहीं दहशत फैलाने के मकसद से फायरिंग भी की गई और फिर फरार हो गए। अपराधी ग्राहक बनकर एसबीआई की पोखरिया लिंक सीएसपी पहुंचे थे।यह घटना पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के मोहलीडीह पंचायत के पियरसोला की है। पांडुआ गांव के रहने वाले बादल कुमार सीएसपी संचालक हैं। सीएसपी संचालक बादल ने बताया कि दो लोग ग्राहक बनकर सीएसपी पहुंचे। उन्होंने पूछा पैसा है। शक होने पर हमने जवाब दिया नहीं है। उसने कहा कि बीस हजार रुपए निकालने हैं, जिसके बाद वह सीधे मेरे पास पहुंचे और बंदूक सटाकर 70 हजार रुपए, लैपटॉप और मोबाइल लूट लिया। उन्होंने कहा कि एक नकाबपोश था और दूसरा व्यक्ति बिना नकाब का था ।

आंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं : गिरि

बोकारो : सेक्टर 12 ई स्थित डा. भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा को पानी से धोकर व पुष्प अर्पित कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य सभा में बाबा साहेब का आपत्तिजनक टिप्पणी करने का विरोध किया गया। नेतृत्व इंडियन एसोसिएशन आफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने किया। श्री गिरि के नेतृत्व में बिरसा बासा स्थित बिरसा- अंबेडकर के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर गृह मंत्री श्री शाह का विरोध करते हुए युवाओं को जागरूक किया गया। मौके पर अधिवक्ता श्री गिरी ने कहा की बाबा साहेब का अपमान पूरे देश का अपमान है। इससे भारत के सभी वर्ग आहत हुए है। गृह मंत्री को नफरत की राजनीति छोड़ कर सिर्फ देश के विकास पर फोकस करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह के घृणित सोच को देश में देख लिया। आंख में जो पट्टी बंधी हुई थी वह सबके सामने खुल गया। राज्यसभा में बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की बेइज्जती का घोर निंदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में जो लोग संविधान को बदलने बात करेगा, ऐसे सोच भी रखता हो, तो देश के लोग उसे सबक सिखाएगी। जय भीम एक नारा नहीं है, लोकतंत्र में एक प्रतीक के साथ स्वाभिमान भी है। अर्जक संघ यमुना राम ने कहा की गृह मंत्री होने के नाते अमित शाह को ऐसा विचार व्यक्त नहीं करना चाहिए। अमित शाह के रवैया से पूरा समाज मामाहर्त है। बाबा साहेब ने पूरा जीवन ऊंच-नीच, भेदभाव और छूआछूत के उन्मूलन जैसे कार्यों के लिए समर्पित किया है। संविधान निमार्ता का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस दौरान लोहरी रजक, यमुना प्रसाद, सेठ राम, किट्टू कुमार, अमर, भगत, बुधन मुंडा, सोपो बिरुली, दीपक पड़ेया आदि मौजूद थे।

बोकारो में भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती मनायी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा बोकारो जिला द्वारा सांसद कार्यालय, सेक्टर -1 में पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 वीं जन्म जयंती के अवसर पर सुशासन दिवस के रूप में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जयदेव राय एवं संचालन जिला महामंत्री अनिल स्वर्णकार ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ। मुख्य अतिथि गणेश मिश्रा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अटल के विचार, देश के लिए समर्पण भाव से हम सभी कार्यकर्ता को सिखने की जरूरत है। सशक्त विपक्ष में होने के वावजूद उनका राष्ट्रवाद का भाव को देखकर वे विरोधियों के बीच भी लोकप्रिय थे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जी जैसा नेता देश में ना पहले कभी हुआ है और न कभी होगा। जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि झारखंड अटल का सदैव ऋणी रहेगा । हमारे अलग राज्य की सपना अटल ने पुरा किया। दशकों तक अलग राज्य के लिए आंदोलन हुआ लेकिन अटल इरादा रखने वाले अटल ने झारखंड को अस्तित्व में लाया। हमारे लिए उनका राजनीतिक जीवन दर्शन सदैव हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश मुकेश राय,परिंदा सिंह, कुमार अमित, रोहित लाल सिंह ,लछमन नायक, अम्बिका ख़्वाश, विनय सिंह ,ब्रज दुबे, अभिषेक कुमार ध्रुव ,भानू प्रताप सिंह, प्रदीप सिंह, विककी राय, अमर स्वर्णकार, अविनाश सिंह ,हरिपद गोप, जयशंकर, धर्मेंद्र महता, झारखंड महता, सुभाष महतो ,अनिल स्वर्णकार, सुनीता देवी ,प्रिटी गुप्ता ,सीमा सिंह,विशाल गौतम और सेकोड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे ।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की जयंती मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झरिया में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का 100 वाँ जयंती पर धनबाद विधायक राज सिन्हा, झारखंड आयडल स्वेता किन्नर, जन जागृति फाउंडेशन के सचिव संजीव कुमार, पंकज डें', समाजसेवी शशि सिंह, राजेश गोस्वामी,हीरालाल चौहान के साथ कई को जन जागृति फाउंडेशन धनबाद के अध्यक्ष रामा शीश चौहान के नेतृत्व में सम्मानित किया गया और वंचित समाज की महिलाओ, लड़कियों को रोजगार, शिक्षा,और स्वास्थ के क्षेत्र मे आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर आर्थिक और एक स्वस्थ और अधिक सूचित जीवन शैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में 450 स्कूल बैग का वितरण भी शामिल था, जिसमें महिला छात्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त, मधुनिया हाई स्कूल में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्ति

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिमा दास, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित सम्मानित आजादी दिलाएंगे कहमारी फाउंडेशन के लोग पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी के आदर्श पर चल कर ही वंचित समाज के साथ साथ देश को आगे बढ़ाने मे सहयोग कर सकते है। चौहान ने विधायक से अपने विधानसभा मे अटल जी के नाम पर एक सामुदायिक भवन का निर्माण करे क ताकि वंचित समाज के लोगों को लाभ मिले क्कार्यक्रम को सफल बनाने मे, हेमराज चौहान, झरीलाल चौहान, किशोर चौहान, शंकर वर्मन, शंकर प्रसाद, निर्मला पासवान, नीलम सहनी, अनीता वर्मन, अंजली महतो, रेखा देवी, बेबी देवी व मंच का संचालन रेहान ने किया।

मजदूरों की समस्याओं के निदान के लिए दिन रात तैयार हूं : शत्रुघ्न महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : गुरुवार बीसीसीएल महेशपुर कोलियरी मजदूरों ने सिनीडीह सेक्शन पर अभिनंदन सह सम्मान समारोह का आयोजन कर विधायक शत्रुघ्न महतो को लड्डू से तोला। मजदूरों को संबोधित करते हुए विधायक श्री महतो ने कहा कि मजदूरों की समस्या निदान के लिए दिन रात सेवा किये है। जिसका नतीजा है कि मजदूर लोगो ने विधायक बना दिया।उनके अटूट विश्वास को टूटने नही दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि लोकल सेल चालू नही होने के कारण असंगठित मजदूरों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हुई है। मजदूरों को अधिक से अधिक कोयला उत्पादन करने का आग्रह किया। इस मौके पर प्रबंधक नारायण हांसदा, लक्ष्मण महतो, दिनेश महतो,रमेश विश्वकर्मा, अर्जुन सिंह, सुनील हाड़ी, संजय गोप, कन्हाई महतो, गोपाल बाउरी, रामजी प्रसाद, सुजीत ग्याली,डब्लू तिवारी, सोमनाथ घोष, धीरज गुप्ता, अजय दास, देवव्रत कुमार, राहुल राय, धीरज कुमार सिंह, शिव शंकर भर, जितेंद्र कुमार दुबे, लाला बाउरी, अंकुर बाउरी,उमेश कर्मकार सहित अन्य लोग मौजूद थे। अभिनंदन सह सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरचंद बाउरी व संचालन नेपाल रवानी ने किया।

ईएसएल स्टील ने सीएसआर के माध्यम से परियोजना स्थलों में किया निवेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड के बिजनेस पार्टनर वेसुवियस ने चार स्मार्ट बायो टॉयलेट, एक शुद्ध पेयजल मशीन का उद्घाटन करके और एक स्वच्छता जागरूकता सत्र आयोजित करके ईएसएल की परियोजना स्थलों में निवेश किया। यह प्रमुख पहल, मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता सत्र, जो ईएसएल की सीएसआर परियोजना स्थलों में एक नियमित गतिविधि है, का उद्देश्य स्कूली बच्चों, विशेष रूप से लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में शिक्षित करना और एक स्वस्थ और अधिक सूचित जीवन शैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में 450 स्कूल बैग का वितरण भी शामिल था, जिसमें महिला छात्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त, मधुनिया हाई स्कूल में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्ति

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिमा दास, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे; मधुनिया पंचायत के मुखिया प्रदीप कुमार, ईएसएल के रिफ्रैक्टरी प्रमुख सुमन त्रिवेदी, ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा और वीआईएल के बिजनेस हेड अरविंद कुमार सिंह। विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसके बाद शॉल और गुलदस्ते भेंट करके पारंपरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

अन्य उपस्थितगण

वेसुवियस इंडिया लिमिटेड के प्रमुख अधिकारी, जिनमें वीआईएल के बिक्री प्रमुख अतनु मुखर्जी, वीआईएल के वरिष्ठ प्रबंधक जलाराम आया, वेसुवियस इंडिया लिमिटेड के सीएसआर विभाग से राजश्री दास, वेदांता ईएसएल की सीएसआर टीम से शारदेंदु त्रिपाठी, स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेश झा, शिक्षक और छात्र शामिल थे, इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

अलकुशा में शहीद निर्मल महतो की जंयती मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास प्रखण्ड निर्मल महतो स्मारक समिति,कि और से शहीद निर्मल महतो चौक आलकुशा में निर्मल महतो की 74 वीं जन्म जयंती के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों व समाजिक संगठनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। अध्यक्षता ज्योति लाल महतो व संचालन मुखिया रोहित रजक ने किया। वही ज्योति लाल महतो ने कहा कि 16 जनवरी 2025 को शहीद निर्मल महतो की आदमकद मुर्ति स्थापित होगे। जिसमें चिंतनशील, बुद्धिजीवी, महिला, पुरुष, समाजसेवी सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने की अपील किये। वहीं पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार ने शहीद महतो की चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पण के उपरांत कहा कि झारखण्ड राज्य निर्माण के लिए अतुलनीय योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकतो। उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए. स्मारक समिति ने शहीद निर्मल महतो की मुर्ति स्थापित करने की निर्णय का स्वागत किये। मौके पर हरेन्द्र दास, जेपी महतो, मिथिलेश कुमार महतो, लखिन्द्र महतो, मनोज महतो,भीम रजक, रुपेश महतो, झुना कुमारी, मंजु कुमारी, गीता कुमारी, लाल मोहन महतो,बन्धु दास, मेराज साईं, बाबुलाल महतो, पटल महतो, दीप नारायण महतो, छोटेलाल महतो, इस्लाम अंसारी, आदि शामिल थे।

भारत विकास परिषद दक्षिण शाखा ने कंबल वितरण कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत विकास परिषद, बोकारो दक्षिण शाखा ने अति ठंड के मदेनजर समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए एक विशेष कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड के कारण हो रही कठिनाइयों को कम करना और समाज में सहयोग और सेवा भावना को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया, जिसमें शाखा के सदस्यों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में दिनांक 24 दिसंबर रात्रि 8 बजे सदर अस्पताल, कैंप 2 में आयोजित किया गया। इस दौरान गरीब भर्ती मरीजों के बीच कम्बल वितरित किए गए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में 25 दिसंबर 2024 को भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मशती के अवसर पर बोकारो रेलवे स्टेशन के समीप कुर्मिडीह बस्ती में मध्याह्न 12 बजे जरूरतमंदों को चिन्हित कर कम्बल वितरित किए गए। समाज कल्याणार्थ इस मानवीय कार्य में शाखा के संगठन सचिव प्रदीप नारायण, कोषाध्यक्ष अनुप कुमार, रमन सिन्हा, ललित वर्मा, संजीव शर्मा, शशि भूषण कुमार, राजेश सहाय, रचना वर्मा, कुंजला नारायण, ओम प्रकाश बर्नाबल, संजय सिंह, विनय सिंह, एस पी सिंह, मधुशंकर पांडे, ललन दीक्षित, वी वी दास की विशेष सक्रिय सहभागिता रही। इनके प्रयासों से जरूरतमंदों को समय पर सहायता प्रदान की गई और उनकी ठंड से राहत सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम के दौरान शाखा के सदस्यों ने 100 से अधिक कम्बल वितरित किए। इस वितरण के लिए पहले उन क्षेत्रों और व्यक्तियों की पहचान की गई, जो अत्यधिक ठंड के चलते सबसे अधिक प्रभावित हो रहे थे। जरूरतमंदों में वृद्धजन, असहाय महिलाएं, और अशक्त मरीज शामिल थे। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य रमन सिन्हा ने कहा, भारत विकास परिषद का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समानता की भावना को बढ़ावा देना है। ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कोषाध्यक्ष अनुप कुमार ने कहा, हम अपने सदस्यों और समाज के सभी शुभचिंतकों का धन्यवाद करते हैं, जिनकी सहायता और समर्थन से यह कार्यक्रम सफल हुआ।

संक्षिप्त खबरें

लोयाबाद में गरीबों के बीच कंबल वितरण

धनबाद : लोयाबाद थाना प्रभारी ने लोयाबाद एकड़ा और सेंद्रा में गरीब और बेसहारा लोगों को 40 कम्बल वितरित किए। उन्होंने कहा कि सर्दी बढ़ने के कारण जरूरतमंदों के लिए यह पहल की गई है।
थाना प्रभारी ने बताया कि ऐसे बहुत से जरूरतमंद हैं, जिनके पास ठंड से बचने के लिए उचित साधन नहीं हैं। उन्होंने चिन्हित जरूरतमंदों को प्राथमिकता देकर कम्बल प्रदान किए। यह वितरण कार्यक्रम मंगलवार को फिर से जारी रहेगा, जिसमें और भी लोगों को कम्बल बांटे जाएंगे। उन्होंने समाज के सक्षम वर्ग से अपील की कि वे आगे आकर गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें। इस पहल को समाज के कई वर्गों से सराहना मिली है।

अटल जयंती पर हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

धनबाद : बुधवार को संकल्प एजुकेशन अंगार पथरा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई । मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अग्रगामी बुद्धिजीवी मंच के सचिव भारत भूषण सिंहा एवं भाजपा सांसद प्रतिनिधि चंद्रभान प्रसाद ने अटल जी के जीवनी पर प्रकाश डालकर बच्चों को उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने अटल जी के विशेषताओं के बारे में बच्चों को बताया। मौके पर हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें धनबाद जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । मौके पर रितिका राज ,अरिजीत कुमार, सत्यम कुमार ,लाडली कुमारी ,सुरभि कुमारी ,युग आर्या, स्नेहा कुमारी, मानवी कुमारी ,आदित्यानंद, प्रियांशु कुमार ,अभय कुमार ,विवेक कुमार ,वैष्णवी कुमारी ,आदित्य शर्मा ,राजवीर सिंह ,अजय कुमार ,सुमित कुमार महतो ,यश कुमार महतो आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेंद्र कुमार यादव ,मनोरमा देवी, नेहा श्री, नेतृत्व रंजन आदि का सराहनीय योगदान रहा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 29 दिसंबर 2024 दिन रविवार को पुरस्कृत किया जाएगा।

ऋषिकेश मेमोरियल में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धनबाद : पेमिया ऋषिकेश भेलाटांड़ में क्रिसमस सेलिब्रेशन, बच्चे झुमे पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल पब्लिक स्कूल बांस कपुरिया भेलाटांड़ में क्रिसमस के पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चे खुब मस्ती की। इस दौरान बच्चो ने दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार, पर्यावरण, शिक्षा आदि विषयों पर एक्ट के माध्यम से कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथि व अभिभावको का दिल जित लिया। विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने स्व ऋषिकेश महतो के प्रतिमा पर श्रद्धांजली अर्पित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। विद्वालय के निदेशक दिनेश कुमार महतो ने कहा कि ये स्कूल इस सत्र में कई तरह की बदलाव करने जा रही है। नए भवन के बनने से विद्यालय में नामांकन का प्रक्रिया आसान कर दिया गया है। साथ ही क्लासरूम को पूर्णता डिजिटल किया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य रूपेश कुमार ने नए सत्र के योजनाओ के बारे विस्तृत रूप से बताया। मौके पर बसंत महतो, आनंद महतो, परितोष महतो, नेहा, काकुली सरकार, पिंकी झा, वैभवी, रमेश दसौंधी, पूनम कुमारी, सुखेंदु माजि, निर्मल मोदक, प्रेम कुमार, शशिकांत आदि मौजूद थे।

जेपी कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूशंस में धूमधाम से मना क्रिसमस

धनबाद : जेपी कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूशंस में मैरी क्रिसमस सेलिब्रेशन बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर नित्यानंद मंडल, मैनेजिंग डायरेक्टर किमी नित्यानंद मंडल, जेपी कॉलेज की प्रिंसिपल शोभना भट्टाचार्य, जेपी कॉलेज ऑफ फामेर्सी की प्रिंसिपल नीलम कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर गोपाल पासवान प्रो. श्याम प्रकाश राय, ले. पुतुल मित्रा,ले. मोनिका महतो, ले. लक्ष्मी कुमारी, ले. वर्षा रानी, ले. मोनिका महतो व आशीष मंडल ने संयुक्त रूप से केक काट कर सभी को मैरी क्रिसमस की बधाई दी। उपस्थित बच्चों ने जिंगल बेल, हैप्पी क्रिसमस गीत में शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी।सेलिब्रेशन में छोटे बच्चे सांता क्लॉस की ड्रेस में बहुत प्यारे लग रहे थे। कॉलेज को क्रिसमस ट्री एवं आकर्षक झालरों से सजाया गया था। जे पी कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन प्रदीप मंडल ने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व कॉलेज के कर्मचारियों को मैरी क्रिसमस की बधाई दी कॉलेज के प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल ने बताया की जेपी कॉलेज ऑफ इंस्टिट्यूशन प्रबंधन कॉलेज प्रांगण में विद्यार्थियों,शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ सभी त्योहार आयोजित करता है। इसी संदर्भ में जेपी कॉलेज ऑफ इंस्टिट्यूशन के विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने क्रिसमस बहुत ही उमंग से, उल्लास पूर्वक सेलिब्रेट किया है और पूरे कॉलेज में खुशी का माहौल है। क्रिसमस प्रेम,शांति और भाईचारे का संदेश देता है साथ ही सहयोग की भावनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।सभी को मैं मैरी क्रिसमस एवं शीघ्र आने वाले नववर्ष 2025 में खुशहाली व सफलता की ऊंचाइयों को छूने की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

एक नजर

रांची इलाज कराने ले जा रहे यात्री की ट्रेन में मौत

मुरी/सिल्ली : बुधवार के दिन गोड्डा रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15620) से इलाज हेतु यात्रा कर रहे बांका (बिहार) निवासी 16 वर्षीय नवयुवक अजय कुमार की मौत ट्रेन में ही हो गई। मृतक के पिता सरजू कापरी ने बताया कि मेरा पुत्र कैंसर रोग से पीड़ित था और उसका इलाज अब्दुल रज्जाक कैंसर अस्पताल रांची में कराने के लिए ले जा रहे थे। परंतु बोकारो से ट्रेन खुलने के बाद वह असहनीय दर्द और बेचैनी से कराहने लगा तब इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल को दिया गया। ट्रेन के मुरी स्टेशन पहुंचते ही रेलवे डॉक्टर के द्वारा जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया गया। तत्पश्चात राजकीय रेल थाना मुरी में कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंप दिया गया।

खराब चापानल की वजह से ग्रामीण परेशान

साहिबगंज/कोटालपोखर: बरहरवा प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर स्थित धोबी टोला में चापानल के खराब होने की वजह से आसपास से ग्रामीण को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। खराब चापानल एवं पानी का निकास न होने की वजह से गंदगी जैसे समस्या से ग्रामीण को आए दिन दिक्कत होती रहती है एक तरफ बढ़ती गर्मी की वजह से पानी का अभाव होना चिंता का विषय बना हुआ है ग्रामीण द्वारा बहुत प्रयास करने के बाद भी पानी के संबंधित समस्या का कोई विकल्प नहीं हो पा रहा है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। धोबी टोला स्थित चापानल से पूरे गांव सहित आसपास के लोगों को पानी मिलता रहा है लेकिन अचानक से बार-बार चापानल का खराब हो जाना बहुत ही दुख की बात है ग्रामीणों द्वारा कई बार चापानल को ठीक कराया जा चुका है, लेकिन लंबे समय से चापानल स्थिति खराब होने से ग्रामीणों में निराशा देखने को मिल रहा है। लोग इस चापानल पर निर्भर होकर अपना जीवन व्यवस्थित कर रहे थे उनके लिए बहुत बड़ी समस्या है ग्रामीणों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द परिस्थिति पर काबू पा कर समस्या से निजात हासिल किया जा सके।

गुमानी प्रीमियर लीग को लेकर हुई बैठक

बरहरवा: प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड स्थित पंचायत भवन सभागार में जीपीएल कोऑर्डिनेशन कमिटी की बैठक हुई। जिसके अध्यक्षता जीपीएल चेयरमैन अफीफ अमसल ने की। इस दौरान जीपीएल के 7वें सीजन की तैयारियों को लेकर अहम चर्चा हुई। इस बाबत चेयरमैन अमसल ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जीपीएल का आयोजन भव्य और धूमधाम से किया जाएगा। और यह सीजन 11 जनवरी से उद्घाटन समारोह और पहला मैच के साथ शुरू होगी और 26 जनवरी को फाइनल मैच और समापन समारोह के साथ समाप्त होगी। इसको लेकर आवश्यक तैयारी करने का दिशा निर्देश समिति के सदस्यों को दिया गया है। जिसको लेकर सभी विभागों के प्रमुखों की भी घोषणा की गई। मीडिया एवं ब्रॉडकास्ट टीम के लिए फरोग अहसान, कमेंट्री पैनल के लिए आफताब आलम, स्कोरबोर्ड के लिए अजहर अंसारी, पिच एवं फील्ड मैनेजमेंट के लिए मो. इफ्तेखार, इन प्ले मैनेजमेंट के लिए जुबैर व शाकिर, फूड एवं बेभरेज के लिए इमदादुल हक, पार्टिसिपेट टीम मैनेजमेंट के लिए शाहबाज आलम और नबीद अंजुम उर्फ सद्दाम, ग्राउंडसमैन के लिए राकिमूल, सीनियर ग्राउंडसमैन के लिए हाबिल व रहमान का चयन व घोषणा की गई।

साहिबगंज-मनिहारी अंतर्राज्यीय फेरी सेवा शुरू, डीडीसी ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : गंगा के रास्ते साहेबगंज से मनिहारी जाने वाले लोगों के लिए साहेबगंज मनिहारी अंतर्राज्यीय फेरी सेवा बुधवार से शुरू हो गई है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की गई है। संचालन की व्यवस्था कन्हैया लॉजिस्टिक को दी गई है। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने ओझा टोली घाट एवं गरम घाट में प्रशासनिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर व फीता काट कर परिचालन की शुरूआत की। इस मौके पर डीडीसी ने कहा कि यात्री जहाज व मालवाहक जहाज का परिचालन होगा। मालवाहक जहाज के माध्यम से गाड़ियों के परिवहन के लिए अलग-अलग गाड़ियों के लिए अलग-अलग दर निर्धारित किया गया है। जबकि यात्री जहाज के माध्यम से चलने वाले यात्रियों के लिए साहेबगंज से मनिहारी व मनिहारी से साहेबगंज आने जाने के लिए 51 रुपए निर्धारित किए गया है। वहीं फेरी सेवा के माध्यम से मनिहारी जाने वाले यात्रियों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एक तो अब वे लोग सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे और भाड़ा भी उन्हें मनमाना नहीं देना पड़ेगा। करीब 6 माह तक यात्री सेवा बाधित रहा था। इस दौरान अवैध तरीके से नाव का परिचालन किया जा रहा था। जहां यात्रियों द्वारा कहा गया कि 200 सौ रुपए उन लोगों से भाड़ा वसूल की जाती थी। कई लोग तो स्टीमर की सुविधा नहीं देखकर नाव के माध्यम से गंगा में इस पार से उस पार नहीं करते थे और वापस लौट जाया करते थे, लेकिन अब सभी लोग सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे। इस मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए-सह- जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी एवं अन्य उपस्थित थे।

पटमदा और बोड़ाम में शहीद निर्मल महतो को दी गयी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड में विभिन्न राजनीतिक, समाजिक और झारखंड आंदोलनकारी संघ ने वीर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पटमदा के कटीन स्थित निर्मल महतो की प्रतिमा पर झारखंड आंदोलनकारी दुर्योधन महतो के नेतृत्व में आंदोलनकारी आनन्द महतो, बंक बिहारी महतो, भुवनेश्वर महतो, हिमांशु महतो, मदन महतो, कृष्ण प्रसाद महतो, सुनील महतो, शंभू महतो, विश्वजीत महतो, तारा पद महतो, लक्ष्मी सागर मांझी, मथन महतो, चैतन महतो सुदर्शन महतो इत्यादि ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वही दूसरी ओर बोड़ाम हाटतोला में आंदोलनकारी मनबोध महतो के नेतृत्व में विश्वजीत प्रमाणिक, शरत महतो, गोपाल महतो, सुनीति, जितुलाल, गोपाल माहली सहित दर्जनों ने माल्यार्पण किया। वही पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने भी समर्थकों के साथ बोड़ाम में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इधर जेएलकेएम ने भी बनडीह मोड़ से चड़कपाथर तक बाइक रैली निकालकर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

सनातन धर्म विज्ञान है, जिसकी सत्यता को लोग पहचान रहे हैं : स्वामी दिव्यानंद गिरि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ में प्रवचन करते हुए स्वामी दिव्यानंद गिरि ने कहा कि इस पूरे ब्रह्मांड में केवल वही सुखी है, जो चित्र को न देखते हुए चित्रकार को देखता है। चित्र तो पसंद है, लेकिन चित्रकार कौन है, उसके ऊपर दृष्टि नहीं जाती। ऐसे ही मनुष्य आदि प्राणियों को बनाने वाले पहाड़-पर्वत नदी, प्रकृति को बनाने वाले जो भगवान हैं उस पर दृष्टि जानी चाहिए। रुक्मिणी जी ने श्रीकृष्ण को तीनों लोकों में सबसे सुंदर कहा है। नित्य परिवर्तनशील संसार जो झूठ है, एक सच जो सत्य सनातन भगवान है, उसका सच कभी परिवर्तनशील नहीं, बाकी सब पेंटिंग ही है। स्वामी ने कहा कि आज हमारे सनातन धर्मियों को गीता पढ़ने और जीवन में उतारने की आवश्यकता है। भगवत गीता पढ़कर सनातन धर्म के अनुयाई पश्चिमी देश हो रहे हैं। वहां के लोग सनातन धर्म को अपना रहे हैं। सनातन धर्म विज्ञान है, जिसकी सत्यता को लोग पहचान रहे हैं, लेकिन जब हमारे लोगों से हम पूछते हैं कि आपने भगवत गीता पढ़ी, पुराण पढ़े, उपनिषद पढ़े, तो वे चुप हो जाते है, यही हमारी संस्कृति है। आज पूरा विश्व भगवत गीता को वेद, पुराण और उपनिषद को अपना रहा है। कार्यक्रम में मुख्य यजमान मनोरमा भगत आशुतोष भगत, पुष्पा तिवारी, सिंधु भगत, कैलाश भगत, अनीता लाल, जददू लाल, संगीता राय, नंद राय, प्रमिला भगत, राजेंद्र भगत, शकुंतला जायसवाल, महेंद्र जायसवाल, सिंपल मलिक ने भागवत पूजन और व्यास गद्दी पूजन किया। कथा में खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा भी शामिल हुए और व्यास पीठ के समीप जाकर स्वामी जी का आशीर्वाद ग्रहण किया। कथा स्थल में फूलां की होली खेली गई और सैकड़ों भक्तों नें भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

यीशू के जन्म पर रात में मनी खुशियां, सुबह प्रार्थना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले में बुधवार को ईसाई धर्मावलंबियों ने क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया। गिरिजाघरों में प्रभु यीशु के आगमन पर मंगलवार देर रात में प्रार्थना सभा हुई और बालक यीशु के आगमन की खुशियां मनाई गई। स्टेशन रोड स्थित शांति की महारानी गिरिजाघर में चरनी सजाई गई। क्रिसमस त्योहार को लेकर मंगलवार की शाम से ही चर्चों में पुण्य रात की आराधना होने लगी थी। बुधवार सुबह तक यह सिलसिला चला। सामूहिक प्रार्थना के बाद ईसाई धर्मावलंबियों ने एक दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। स्टेशन रोड स्थित आरसी चर्च के पल्ली पुरोहित अरविंद मुंडा ने बुधवार को बताया कि रात 10 बजे से चर्च आराधना हुई। पादरी प्रभु रंजन मसीह ने बताया कि यूनियन चर्च में शाम में आराधना शुरू हो गयी थी। प्रचारक सुनील तिर्की ने बताया कि मंगलवार शाम छह बजे से सीएनआई चर्च में विशेष आराधना हुई। 25 दिसंबर को सीएनआई चर्च में सुबह सात बजे, आरसी चर्च में सुबह आठ बजे और यूनियन चर्च में सुबह नौ बजे से विशेष आराधना हुई। यूनियन चर्च के पादरी प्रभु रंजन मसीह ने अपने संदेश में कहा कि बालक यीशु के जन्म की घटना मानवीय नहीं ईश्वरीय है। प्रभु यीशु मसीह का जन्म पूरे विश्व के मनुष्य के पापों के उद्धार और मानव जीवन के कल्याण के लिए हुआ है। पादरी प्रभु रंजन ने कहा कि प्रभु यीशु प्रेम के पुजारी थे। उन्होंने दुनिया भर में प्रेम और शांति का संदेश दिया। उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम हम सभी की जिम्मेदारी है। क्रिसमस मनाने का मतलब है कि प्रभु यीशु के संदेश को समाज में फैलाने का काम सभी करें और सभी उनके बताए हुए मार्ग पर स्वयं चल कर शांति और प्रेम को जीवन में उतारें। प्रभु यीशु का कहना था कि किसी से ईर्ष्या, द्वेष, झूठ और फरेब नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम में पास आओ विश्वासियों, जय जय करते आओ गीत गाया गया। इधर, मेदिनीनगर के विभिन्न चर्च में सुबह के समय प्रार्थना के बाद दिन भर दूसरे धर्म के लोगों का आना जाना लगा रहा। कैंडल जलाकर समृद्धि की कामना की गयी।

आजसू कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आजसू जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे के अध्यक्षता में भारत रत्न भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती धूमधाम से मनाई गई। अटल बिहारी वाजपेई भारत के सभी समाज के नेता थे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेई भारत ही नहीं पूरे विश्व में सम्मानित नेताओं में उनका नाम सर्वश्रेष्ठ है। साथ ही साथ आज झारखंड के लाल निर्मल महतो की भी जयंती मनाई गई निर्मल महतो ने झारखंड के सभी समाज युवाओं को एक मंच पर लाकर अलग-अलग झारखंड राज्य बनाने का सपना देखा था और उन सपनों को यहां की युवाओं ने पूरा किया शहीद निर्मल महतो आज के संपूर्ण झारखंड के सभी युवाओं के दिल में राज करने वाले नेता हैं। मौके पर जिला उपाध्यक्ष मणिकांत मिश्रा, नगर अध्यक्ष रामप्रवेश यादव, गोविंद पासवान, विभाग शाह, वकील मंडल, शशिकांत दुबे, रुदल यादव, मोहम्मद कलीम, विक्रम केसरी, राजू देसाई, शशिधर, सूरज मंडल आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में पंडित मदन मोहन मालवीय व अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी : बुधवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लालमाटी में पंडित मदन मोहन मालवीय और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उपाध्याय एवं सभी आचार्य एवं दीदी ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। सामूहिक वंदना के पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सभी आचार्य दीदी दोनों महापुरुषों के विषय में भैया बहनों को बताया। इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा द्वितीय से पंचम तक के भैया बहनों के बीच प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई, पंडित मदन मोहन मालवीय और महान गणितज्ञ निवास रामानुजन के जीवन से संबंधित प्रश्नों को पूछा गया। इस कार्यक्रम में कक्षा द्वितीय खंड अ में प्रथम स्थान भैया कृष कुमार, द्वितीय स्थान भैया अभिनव कुमार, एवं तृतीय स्थान भैया आयुष यादव ने प्राप्त किया। कक्षा द्वितीय खंड ब में प्रथम स्थान भैया अभिषेक कुमार, द्वितीय स्थान भैया शिवा रजक एवं तृतीय स्थान भैया राजा राम ने प्राप्त किया। कक्षा तृतीय खंड अ में प्रथम स्थान बहन पल्लवी तिवारी, द्वितीय स्थान भैया कुणाल कुमार एवं तृतीय स्थान भैया अंश कुमार ने प्राप्त किया। कक्षा तृतीय खंड ब में प्रथम स्थान भैया सिद्धार्थ कुमार द्वितीय स्थान बहन आदिति कुमारी एवं तृतीय स्थान बहन सरिता कुमारी ने प्राप्त किया। कक्षा चतुर्थ में प्रथम स्थान भैया आयुष कुमार द्वितीय स्थान भैया पीयूष कुमार एवं तृतीय स्थान भैया अंश मिश्रा ने प्राप्त किया। कक्षा पंचम में प्रथम स्थान बहन आरूषी कुमारी द्वितीय स्थान भैया अमन कुमार पासवान,तृतीय स्थान बहन भाग्यश्री कुमारी ने प्राप्त किया। सभी विजेता भैया बहन को विद्यालय के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। अंत में वंदे मातरम के गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उपाध्याय, उत्तम मंडल, राजकिशोर दुबे, उज्ज्वल साहा, मिथिलेश यादव, अनीता सिंह, वर्षा कुमारी, आकांक्षा भारती उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की मनाई जयंती

बरहरवा: प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा तथा कोटालपोखर मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का 100वीं जयंती राष्ट्रीय सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार कोटालपोखर मंडल के मयूरकोला बूथ संख्या 151 मे भाजपा मंडल महामंत्री अनुप लाल रजक के नेतृत्व में तथा कोटालपोखर शांति चौक स्थित बुथ संख्या 158 में मंडल अध्यक्ष बाप्पी निर्मल प्रसाद एवं बरहरवा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता व भाजपा जिला मंत्री ललिता देवी के नेतृत्व में बरहरवा नगर क्षेत्र एवं बरहरवा मंडल के विभिन्न स्थानों पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वी जयंती धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान भाजपा एवं भाजयुमो एवं महिला मोर्चा के द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन एवं वंदन करते हुए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रणव सिंह, मंडल महामंत्री शिवरतन रजवाड़, आकाश भंडारी, मिथुन साहा, महादेव रजक, पंकज रजक, माणिक रजक, रतन रजक, विष्णु रजक, नीरन साहा, कृष्णा ठाकुर, जितेंद्र साहा, सहित अन्य उपस्थित थे।

चैनपुर में क्रिसमस की धूम, सैकड़ों धर्मविश्वासियों ने मिस्सा पूजा में लिया भाग

चैनपुर: चैनपुर के संत जॉन कैथोलिक चर्च, संत मेरिया चर्च कटही, संत पॉल चर्च टोंगो सहित क्षेत्र के सभी नौ पल्लियों के गिरजाघर में मंगलवार की रात्रि पवित्र मिस्सा पूजा का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों धर्मविश्वासी मिस्सा पूजा में भाग लिए। मिस्सा पूजा देर रात 10:00 बजे से प्रारंभ हुई जो अर्धरात्रि तक चली। वहीं प्रभु यीशु के आगमन को लेकर पुनः एक बार बुधवार की सुबह मिस्सा पूजा आयोजित की गई। मुख्य अधिष्ठाता डीन फादर जेप्रियानुस किंडो सहयोगी फा. राजेंद्र तिर्की की अगुवाई में पवित्र मिस्सा पूजा विधि विधान के साथ कराई गई। पवित्र मिस्सा पूजा से पूर्व चरनी में आशीष की गई जिसके उपरांत मिस्सा पूजा का आयोजन हुआ। आधी रात तक प्रभु यीशु के आगमन को लेकर आराधना की गई। वहीं प्रभु यीशु के जन्म लेते ही एक दूसरे को शुभकामनाएं दी गई। युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। पुरोहितों ने पूरे क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं दी साथ ही प्रेम व सद्भावना का संदेश भी दिया। मौके पर टोंगो के पल्ली पुरोहित फा. फिल्मोन एक्का, फा. राजेंद्र तिर्की, फा. तेज कुमार बाखला, फा. अजित एक्का, फा. पवन लकड़ा, फा. अदिप, फा कुलदीप लिंडा, पल्ली पुरोहित संत मारिया चर्च फा. सुरेश टोप्पो, फा. जेवियर, फा. रोहित, फा. शैलेष, सी. रोजकिरण कुजुर, सहित कई पुरोहित व धर्मबहने व भारी संख्या में खीस्तीय विस्वासी उपस्थित थे। वही सुरक्षा के मध्यनजर चैनपुर थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी दल बल के साथ चर्च परिसर में उपस्थित रहे।

अटल बिहारी बाजपेई का 100वां जन्मदिन मनाया गया

अनगड़ा : भारतीय जनता पार्टी अंगड़ा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार महतो के नेतृत्व में अटल बिहारी बाजपेई का 100 वा जन्म दिन के अवसर पर गोंदली पोखर में जन्म दिन मनाया गया। मौके पर पूर्व जिलध्यक्ष सुरेंद्र रांची जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू, सुनील महतो, अनुराधा मुंडा, रामनाथ महतो, धनीराम महतो, जागेश्वर महतो, अजय कुमार महतो, अजय कुमार सिंह, गुप्ता जी, संतोष महतो जी, दुर्गा महतो, सुरेश महतो जी, रामसाय मुन्डा, साहेब राम महतो, विष्णु महतो, हिमांशु शेखर चौधरी, विशेश्वर चौधरी, सोनाराम महतो और भारतीय जनता पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित थे।

14वां ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप 26 से 29 दिसंबर तक ओडिशा में

रांची : 14वां ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप 26 से 29 दिसंबर तक उड़ीसा में आयोजित होने जा रही है। इसमें झारखंड उत्कल कराटे से 60 बच्चे सम्मलित होने जा रहे हैं। उत्कल कराटे के चीफ एग्जामिनर सेन्सी महादेव गोप संगरक्षण में सभी बच्चे जा रहे हैं। आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा के प्राचार्य नरेन्द्र नाथ महतो ने सभी बच्चों को जीत की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए खड़गदा बस स्टैंड से रवाना किये।

दलमा आंचलिक सुरक्षा समिति ने मनाया शहीद मलिंद्रा और सागर का शहादत दिवस

पटमदा: बोड़ाम प्रखंड में नक्सली गोलियों के शिकार हुए अमर शहीद मलिंद्रा सिंह और सागर महतो का 16 वा शहादत दिवस जिला प्रशासन ओर ग्रामीणों के समन्वय और सहयोग से मनाया गया। इस दौरान दलमा आंचलिक सुरक्षा समिति के अध्यक्ष जलन मांडी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहीदों का शहादत दिवस मनाया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पटमदा डीएसपी वचनदेव कुजूर, विशिष्ठ अतिथि विधायक मंगल कालिंदी, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, मुखिया अजब सिंह, बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार, रामकृष्ण महतो, अधर सिंह, पदलोचन सिंह, हीरा मल्लिक, जगदीश सिंह, शरत सिंह,चेतन, सीताराम, घासीराम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वही दूसरी ओर असित सिंह पातर के नेतृत्व में फुटबॉल मैदान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि देते हुए वयस्कों के बीच कंबल वितरण और स्कूली बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरण किया गया।

सरिया में मनाया गया तुलसी पूजन दिवस श्रद्धालुओं ने की मां तुलसी की पूजा आरती

सरिया (गिरिडीह) : सरिया प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को तुलसी पूजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिंदू धर्मावलंबियों के घर तुलसी महारानी की विधिवत पूजा आरती की गई। तुलसी पौधे का इस जीवन में न सिर्फ धार्मिक बल्कि सामाजिक और पारिवारिक प्रभाव भी पड़ता है। औषधि गुणों के साथ हिंदू धर्मावलंबियों में तुलसी का विशेष महत्व है। मान्यता है कि पूजनीय तुलसी माता की जो व्यक्ति सुबह-शाम पूजन करते हैं या उनके समक्ष दीपक जलाते हैं जीवन में उन्हें कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। तुलसी पौधे में धन की देवी माता लक्ष्मी का निवास है। जो व्यक्ति सच्चे मन से तुलसी महारानी की पूजा करते हैं माता लक्ष्मी उनके तथा उनके परिजनों पर अपनी कृपा बरसाती है।

मजबूत होते भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंध

सुनील कुमार महला

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने निस्संदेह कुवैत व भारत के संबंधों को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है।उनकी यह यात्रा निश्चित ही खाड़ी क्षेत्र में एक जिम्मेदार साझेदार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी। सच तो यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री का कुवैत दौरा भारत और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते संबंधों की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह दौरा कूटनीति, व्यापार और समुदाय संवाद की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है जो भारत और कुवैत के द्विपक्षीय रिश्तों को जहां एक ओर मजबूती प्रदान करेगा वहीं दूसरी ओर यह दोनों देशों के बीच भविष्य में सहयोग की रूपरेखा भी तय करेगा।

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक कुवैत यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है।चार दशक से अधिक समय में इस खाड़ी देश(कुवैत) की यात्रा करने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्ष 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद यह यात्रा 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली कुवैत यात्रा थी। भारत और कुवैत के संबंध हमेशा से ही मैत्रीपूर्ण रहे हैं और वर्ष 1961 में जब कुवैत अंग्रेजी शासन से आजाद हुआ, तब भारत उसके साथ संबंध बनाने वाले शुरूआती देशों में शामिल था। कहना गलत नहीं होगा कि लंबे समय बाद भारत के प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा से भारत का पश्चिमी एशियाई जुड़ाव और अधिक सुनिश्चित तथा मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबेर अल- सबा की बातचीत से यह उजागर हुआ है कि भारत और कुवैत कूटनीतिक और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर और तैयार हैं।

इस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री मोदी को कुवैत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया जाना दोनों देशों के पारस्परिक सम्मान का सूचक है। वास्तव में यह कदम दोनों देशों के रिश्तों की गहराई और महत्व को दशार्ता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, परस्पर सौहार्द और सहयोग की भावना इनके बीच गहरी रणनीतिक साझीदारी का रास्ता खोलते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुवैत यात्रा आर्थिक संबंधों के साथ ही सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। वास्तव में, अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने ऐसे अनेक लोगों से मुलाकात की जिन्होंने भारत-कुवैत संबंधों को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें अब्दुल्ला अल-बारून भी शामिल हैं, जिन्होंने एक अनुवादक के रूप में भारतीय महाकाव्यों 'रामायण' एवं 'महाभारत' का अरबीभाषियों के लिए अनुवाद किया है। सच तो यह है कि भारत के प्रधानमंत्री की हालिया कुवैत यात्रा ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक नए युग की शुरूआत की है। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए समझौते और रणनीतिक सहमतियां पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिहाज से भी अहम हैं। महत्वपूर्ण है कि कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत के बीच रक्षा, खेल, संस्कृति और सौर क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को निश्चित ही और अधिक मजबूती और प्रगाढ़ता प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि कुवैत भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है और आज भी है। आंकड़े बताते हैं कि कुवैत, भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को तीन प्रतिशत तक पूरा करता है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि इससे यह आपूर्ति सुरक्षित होने के साथ ही खाड़ी क्षेत्र में भारत की समग्र ऊर्जा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही साथ, कुवैत के साथ रक्षा सहयोग भारत की 'ऐक्ट बेस्ट नीति' को भी निश्चित ही मजबूती प्रदान करेगा। आज कुवैत में बहुत से भारतीय निवास करते हैं और वहां की सामाजिक संरचना में भारतीयों का स्थान प्रवासियों के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीयों ने कुवैत को इंजीनियरिंग व शिक्षा, मेडिकल समेत अनेक क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण और अहम् योगदान दिया है। कुवैत भी बरसों-बरसों से भारत का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा सप्लायर रहा है, जबकि अनेक भारतीय विशेषज्ञ और भारतीय श्रमशक्ति कुवैत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी बीच, कुछ समय पहले ही कुवैत नेशनल रेडियो द्वारा साप्ताहिक हिंदी रेडियो कार्यक्रम की शुरूआत किया जाना निश्चित रूप से यह दशार्ता है कि कुवैत के लिए प्रवासी भारतीय कितने महत्वपूर्ण और अहम् हैं। इतना ही नहीं, गत जून में कुवैत की एक इमारत में आग लगने से हुई भारतीयों की मौतों के बाद कुवैत ने जिस तरह का सहयोग दिया, वह भी दोनों देशों के मजबूत संबंधों को ही दशार्ता है।

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रवासियों को बेहतर वाणिज्यिक सेवाओं और श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा का सकारात्मक व ठोस आश्वासन दिया है, जो विदेशों में अपने नागरिकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। निश्चित ही इससे कुवैत में प्रवासी भारतीयों के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि पीएम मोदी की इस ऐतिहासिक दो दिवसीय कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत ने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने पर सहमति जताई है और रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को नियमित बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह और भी अधिक महत्वपूर्ण है कि ऊर्जा सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया है कि वे अपने-अपने देशों की कंपनियों को तेल और गैस के अन्वेषण तथा उत्पादन, रिफाइनिंग, इंजीनियरिंग सेवाओं, और 'पेट्रोकेमिकल' उद्योगों में सहयोग बढ़ाने के लिए समर्थन प्रदान करेंगे।

अंत में, यही कहूंगा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने निस्संदेह कुवैत व भारत के संबंधों को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है।उनकी यह यात्रा निश्चित ही खाड़ी क्षेत्र में एक जिम्मेदार साझेदार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी। सच तो यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री का कुवैत दौरा भारत और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते संबंधों की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह दौरा कूटनीति, व्यापार और समुदाय संवाद की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है जो भारत और कुवैत के द्विपक्षीय रिश्तों को जहां एक ओर मजबूती प्रदान करेगा वहीं दूसरी ओर यह दोनों देशों के बीच भविष्य में सहयोग की रूपरेखा भी तय करेगा।

संपादकीय

प्रत्यर्पण पर सवाल

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को एक कूटनीतिक संदेश भेज कर अब्दुस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। भारत और बांग्लादेश के बीच 2013 में सीमाओं पर उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए प्रत्यर्पण संधि हुई थी। दोनों देशों ने वांछित भगोड़ों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को और अधिक सहज बनाने के उद्देश्य से 2016 में संधि को संशोधित किया। लेकिन दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि लागू होने का यह अर्थ नहीं है कि भारत शेख हसीना को अभियोजन का सामना करने के लिए बांग्लादेश की सरकार को सौंप देगा। इस संधि में से प्रावधान हैं, जिसके आधार पर भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को ठुकरा सकता है। संधि का अनुच्छेद 8 में यह प्रावधान है कि यदि आरोप भले ही राजनीतिक प्रकृति का है, लेकिन न्याय के हित में सद्भावना पूर्ण नहीं लगाया गया है अथवा यदि इसमें सैन्य अपराध शामिल हैं, जिन्हें सामान्य अपराधी कानून संहिता के तहत अपराध नहीं माना जाता है तो इस स्थिति में प्रत्यर्पण की मांग को अस्वीकार किया जा सकता है। भारत को इस आधार पर शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को अस्वीकार कर देना चाहिए। वास्तव में बांग्लादेश का वर्तमान सत्ता तंत्र स्वयं में वैध नहीं है। वहां अगस्त की शुरूआत में छात्रों को मोहरा बनाकर इस्लामी कट्टरपंथियों ने शेख हसीना की सरकार को अवैध तरीके से बेदखल कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका, पश्चिमी देश और वहां की सेना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कहने के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस एक उदारवादी और लोकतांत्रिक व्यक्ति हैं, लेकिन वास्तविक अर्थों में वह एक कठपुतली हैं जो इस्लामी कट्टरपंथियों के इशारे पर नाच रहे हैं। आज के आधुनिक युग में लोकतंत्र के प्रतिष्ठित मूल्य समानता, धर्मनिरपेक्षता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि में धार्मिक कट्टता का कोई स्थान नहीं है। जिन कट्टरपंथी तत्वों से बांग्लादेश की वर्तमान सत्ता निर्मित हुई है उसे हतोत्साहित किया जाना चाहिए। बांग्लादेश की धार्मिक अल्पसंख्यक विरोधी रु झान ने आखिर में अमेरिका की भी चिंता बढ़ा दी है। वहां के सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने यूनुस से हिन्दुओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा को तुरंत रोकने का आग्रह किया है। ये सभी ऐसे कारण हैं जो हसीना के प्रत्यर्पण को ठुकराने के पर्याप्त आधार उपलब्ध कराते हैं।

चिंतन-मनन

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

श्याम बेनेगल का जाना नये सिनेमा का अंत

ललित गर्ग

बालीवुड में समानांतर सिनेमा के जनक, 'मंथन' से लेकर 'वेलडन अब्बा' तक जिनके फिल्मी सफर को एक युग कहा जा सकता है, बेहद कलात्मक, बेहद संजीदा, बेहद संवेदनशील, ऐसे बेमिसाल फिल्मकार श्याम बेनेगल का 90 वर्ष की उम्र में जाना अत्यंत दुखद ही नहीं है, एक सार्थक भारतीय सिनेमा एवं गौरवशाली टेलीविजन युग का अंत है। दादा साहब फाल्के के अलावा सात राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल ने हिंदी सिनेमा को नसीरूद्दीन शाह, ओमपुरी, स्मिता पाटिल, अमरीश पुरी, अनंत नगा जैसे प्रख्यात कलाकार दिए। उनकी फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरू हुआ, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई प्रदान की। पिता के कैमरे से 12 साल की उम्र में पहली फिल्म बनाने वाले बेनेगल ने उस समय अहसास कराया कि भारतीय सिनेमा में एक विराट प्रतिभा मोर्चा संभाल चुकी है, जिसके काम की गूंज उनकी जीवन में ही नहीं, बल्कि भविष्य में लम्बे समय तक देश और दुनिया को सुनाई देगी। जब-जब हमने बहुत ठहरकर, बहुत संजीदगी के साथ उनके काम को देखा तो अनायास ही हमें महसूस हुआ कि वे अपने आप में कितना कुछ समेटे हुए थे, अद्भुत, यादगार एवं विलक्षण। सिनेमा दर्शकों का ऐसे महान फिल्मकार की फिल्मों से अनभिज्ञ रहना इस संसार में रहते हुए भी सूर्य, चन्द्रमा एवं तारों को न देखने जैसा है।

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद में हुआ। हैदराबाद की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकोनोमिक्स में एमए करने के बाद बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका असली नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। श्याम बेनेगल की शादी नीरा बेनेगल से हुई थी और उनकी एक बेटी पिया बेनेगल है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों के लिए भी काम किया है। श्याम ने बचपन में ही अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'घर बैठा गंगा' बनाई, जो गुजराती में थी। बेनेगल को भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं। जिनमें जीवन के कठोर यथार्थ को बेनेगल ने सिनेमा-शिल्प में, महीन अर्थवत्ता के साथ नाटकीयता के धनीभूत आशयों में अभिव्यक्ति दी, प्रस्तुति दी है। उनकी फिल्मों में एक ऐसी सार्वजनीनता है, जो धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, देशी-विदेशी सभी को बहुत भीतर तक स्पर्श करती रही है।

श्याम बेनेगल की आखिरी फिल्म 'मुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशन' थी, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। इस फिल्म ने भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश में भी सुर्खियां बटोरीं। यह फिल्म बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान पर आधारित थी, जो बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी थे। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म ने बांग्लादेश में 2024 में तख्तापलट करवा दिया था और शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। यह फिल्म दिखाती है कि मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरूआत कैसे हुई थी, उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। यह फिल्म जहां एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को प्रस्तुति दी, वहीं दो राष्ट्रों के आपसी संबंधों को भी गहराई से उजागर किया। इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म का एलान करते हुए बेनेगल ने बताया था कि शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन को पर्दे पर उतारना उनके लिए एक कठिन काम रहा है। उन्होंने कहा था, यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत ही भावनात्मक फिल्म है। मुजीब के किरदार को बेबाकी से पेश किया है, वे भारत के बहुत अच्छे दोस्त रहे। उनकी यह फिल्म ही नहीं, बल्कि हर फिल्म ने एक इतिहास निर्मित किया। क्योंकि यह उनकी ही प्रतिभा थी कि वे लगातार काम करने की रणनीतियों में बदलाव लाते रहे और फिल्म-निर्माण को एक विराट फलक तक ले जाते रहे। भारतीय सिनेमा के लगभग सौ साला इतिहास में बेनेगल एक बड़े वटवृक्ष की भाँति दिखाई देते हैं। भारतीय सिनेमा को विश्व में नई और अद्वितीय पहचान दिलाने में बेनेगल का अविस्मरणीय योगदान था। बेनेगल की पहली चार फीचर फिल्मों- अंकुर (1973), निशांत (1975), मंथन (1976) और भूमिका (1977)- ने उन्हें उस दौर की नई लहर फिल्म आंदोलन का अग्रणी बना दिया। बेनेगल की मुस्लिम महिला पर आधारित फिल्में मम्मो (1994), सरदारी बेगम (1996) और जुबैदा (2001) सभी ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। 1959 में, उन्होंने मुंबई स्थित विज्ञापन एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग में कॉपीराइटर के रूप में काम करना शुरू किया, जहाँ वे धीरे-धीरे क्रिएटिव हेड बन गए। 1963 में एक अन्य विज्ञापन एजेंसी के साथ कुछ समय तक काम किया। इन वर्षों के दौरान, उन्होंने 900 से अधिक प्रायोजित वृत्तचित्र और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया। 1966 और 1973 के बीच बेनेगल ने पुणे स्थित भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाया और दो बार संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके शुरूआती वृत्तचित्रों में से एक 'ए चाइल्ड ऑफ द स्ट्रीट्स' (1967) ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। कुल मिलाकर, उन्होंने 70 से अधिक वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाई हैं।

बेनेगल ने 1992 में धर्मवीर भारती के एक उपन्यास पर आधारित सूरज का सातवां घोड़ा फिल्म बनाई, जिसने 1993 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। 1996 में उन्होंने फातिमा मीर की ह्यद अप्रेंटिसशिप ऑफ ए महात्माह्न पर आधारित पुस्तक द मेकिंग ऑफ द महात्मा पर आधारित एक और फिल्म बनाई। उनके जीवनी सामग्री की ओर इस मोड़ के परिणामस्वरूप नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगॉटन हीरो, उनकी 2005 में अंग्रेजी भाषा की फिल्म बनी। उन्होंने समर (1999) में बनी फिल्म में भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना की, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बेनेगल की फिल्म मंडी (1983), राजनीति और वेश्यावृत्ति के बारे में एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी थी, जिसमें शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने अभिनय किया था। बाद में, 1960 के दशक की शुरूआत में गोवा में पुर्तगालियों के अंतिम दिनों पर आधारित अपनी कहानी पर काम करते हुए, श्याम ने त्रिकाल (1985) में मानवीय रिश्तों की खोज की। इन फिल्मों की सफलता के बाद, बेनेगल को स्टार शशि कपूर का समर्थन मिला, जिनके लिए उन्होंने जुनून (1978) और कलयुग (1981) बनाई। पहली फिल्म 1857 के भारतीय विद्रोह के अशांत काल के बीच की एक अंतरजातीय प्रेम कहानी थी, जबकि दूसरी महाभारत पर आधारित

थी और यह बड़ी हिट नहीं थी, हालांकि दोनों ने क्रमशः 1980 और 1982 में फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीते। हजारों अविस्मरणीय किरदार और जिंदगी की असंख्य सच्चाइयों को खोलती उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की एक अमूल्य धरोहर है।

एक समय ऐसा आया जब बेनेगल की फिल्मों को उचित रिलीज नहीं मिली। इसके चलते हुए उन्होंने टीवी की ओर रुख किया जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए यात्रा (1986) जैसे धारावाहिकों का निर्देशन किया और भारतीय टेलीविजन पर किए गए सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक, जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित 53-एपिसोड का टेलीविजन धारावाहिक 'भारत एक खोज' (1988) का निर्देशन किया। इसी तरह टीवी सीरीयल 'संविधान','कहता है जोकर' एवं 'कथा सागर' का निर्देशन भी किया। इससे उन्हें एक अतिरिक्त लाभ हुआ, क्योंकि वे 1980 के दशक के अंत में धन की कमी के कारण नया सिनेमा आंदोलन के पतन से बचने में कामयाब रहे, जिसके साथ कई नव-यथार्थवादी फिल्म का निमार्ता खो गया। बेनेगल ने अगले दो दशकों तक फिल्में बनाना जारी रखा।

श्याम बेनेगल की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमाँचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार है, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। बेनेगल का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। भारतीय सिनेमा दिग्दर्शन के इस विशिष्ट हस्ताक्षर श्याम बेनेगल के निधन से निश्चित ही एक सर्जनशील कलासाधक एवं सच्चाई को रूपहले पर्दे पर उतारने वाले सफल एवं सार्थक फिल्मकार का अंत हो गया।

'वीर बाल दिवस' शहादत की स्मृति

हेमेन्द्र क्षीरसागर

गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को यह घोषणा की थी कि, 26 दिसंबर को श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति और सम्मान में राष्ट्रीय 'वीर बाल दिवस' मनाया जाएगा। उल्लेखनीय रहे मुगल शासनकाल के दौरान पंजाब में सिखों के 10 वें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह के चार बेटे थे। गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। धार्मिक उत्पीड़न से लोगों की रक्षा करने के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई थी। श्री गुरु गोबिंद सिंह चार बेटेः अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह, सभी खालसा का हिस्सा थे। उन चारों को 19 वर्ष की आयु से पहले मुगल सेना द्वारा मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह के छोटे बच्चों ने हिंदु धर्म और अपने आस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। बलिदान हिंदु धर्म के लिए सदा-सर्वदा स्मरणीय रहेगा।

स्तुत्य, यह उनके शौर्य, साहस और बलिदान की गाथा को याद करने का भी ह्यवीर बाल दिवसह्न यह जानने का भी अवसर है। कि कैसे उनकी निर्मम शहीदी हुई और धर्म रक्षा, त्याग, समर्पण कैसा रहा? साहिबजादे जोरावर सिंह (9) और फतेह सिंह (7) सिख धर्म के सबसे सम्मानित शहीदों में से हैं। सम्राट औरंगजेब के आदेश पर मुगल सैनिकों द्वारा आनंदपुर साहिब को घेर लिया गया। इस घटना में श्री गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें यातना और मारने की पेशकश की गई थी। इस पेशकश को उन दोनों ने ठुकरा दिया जिस कारण उन्हें मौत की सजा दी गई और उन्हें जिंदा ईंटों की दीवार में चुनवा दिया गया। बाबा अजीत सिंह (17 वर्ष) और बाबा जुझार सिंह (13 साल) साका चमकौर साहिब में लड़ते, हंसते शहीद हुए थे। इन शहीदों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मृत्यु को प्राथमिकता दी। शहीदी से ही धर्म, आस्था का यशोगान है।

प्रादुर्भाव, श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी के सबसे छोटे पुत्र, साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी का जन्म आनंदपुर साहिब में हुआ था। चमकौर की लड़ाई के दिन, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह और उनकी दादी को मोरिंडा के अधिकारियों जानी खान और मनी खान रंगहर ने हिरासत में ले लिया। अगले दिन उन्हें सरहिंद भेज दिया गया जहाँ उन्हें किले के ठंडे बुर्ज (ठंडा बुर्ज) में रखा गया। फिर बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को फौजदार नवाब वजीर खान के सामने पेश किया गया। फिर उसने उन्हें मौत की धमकी दी, लेकिन वे बेखौफ रहे। अंत में मौत की सजा सुनाई गई।

वीरगति, उन्हें दीवार में जिंदा चुनवा देने का आदेश दिया गया। जैसे ही उनके कोमल शरीर के चारों ओर की चिनाई छाती की ऊंचाई तक पहुंची, वह ढह गई। साहिबजादों को रात के लिए फिर से ठंडे टॉवर में भेज दिया गया। 26 दिसंबर 1705 को बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवाकर शहीद कर दिया गया। सरहिंद के पुराने शहर के पास स्थित इस भाग्यशाली घटना स्थल को अब फतेहगढ़ साहिब नाम दिया गया है, जहाँ अब पावन चार सिख तीर्थस्थल हैं। अलौकिक शहीदी, धर्म, न्याय, देश और मानव कल्याण, प्रेरणास्पद और अनुकरणीय है। शत-शत नमन! (पत्रकार व लेखक)

10 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण

राजनाथ सिंह-सीएम योगी रहे मौजूद, सीएम योगी बोलेः अटल जी ने रखी सुशासन की नींव

लखनऊ । पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा का अनावरण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। बुधवार दोपहर करीब 12.40 बजे नेताओं ने प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री और विधायक मौजूद रहे। प्रतिमा अनावरण के दौरान अटल बिहारी अमर रहे के नारे भी लगाए गए। यह प्रतिमा लखनऊ के कुड़िया घाट पर स्थापित की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रतिमा अनावरण के बाद ग्रुप फोटो भी कराई। मौके पर 'खिचड़ी' भोज का भी आयोजन हुआ। नगर निगम की तरफ से कुड़ियाघाट पर बनाई गई अटल जी की प्रतिमा का बुधवार सुबह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया।प्रतिमा बनाने वाले अमर पाल सिंह का भी सम्मान किया गया। स्थानीय विधायक डॉ नीरज बोरा ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि अटल जी की पहली रचना इसी घाट पर संपन्न हुई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी को अटल संकल्प की शपथ दिलाई कि अन्न, जल और वायु हम जहां से प्राप्त करते हैं। उस मातृभूमि को अपनी मां के समान मानेंगे। हम खुद से ऊपर मातृभूमि को रखेंगे। कार्यक्रम के बाद सहभोज भी हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के लिए सुरक्षा का भाव आवश्यक है। यह जनसहभागिता के बिना संभव नहीं हो सकता। सुरक्षा का भाव घर के अंदर से पैदा करना होगा। यदि व्यक्ति घर के अंदर सुरक्षित है तो सामुदायिक रूप से सुरक्षा का भाव स्वतस्फूर्ति भाव के साथ पैदा होता हुआ दिखाई देगा। अपराध-अपराधियों, भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के लिए सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। अटल जी व पीएम मोदी से प्रेरणा प्राप्त करते हुए सरकार ने सुरक्षा के मुद्दे पर पहले दिन से जीरो टॉलरेंस की जो नीति रखी है, इसके परिणाम सबके सामने हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में शिरकत की। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री समेत जनप्रतिनिधियों ने लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। सीएम ने महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती व क्रिसमस की बधाई दी। छात्रा स्नेहा तिवारी ने कविता सुनाई। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। सीएम ने कहा कि अटल जी ने अपने शासनकाल में सुशासन की नींव को मजबूती दी। अटल जी की पंक्तियां 'आदमी को चाहिए कि वह जूझे, परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े'..., 'एक पांव धरती पर रखकर ही वामन भगवान ने आकाश-पाताल को जीता था, धरती ही धारण करती है, कोई उस पर भार न बने, मिथ्या-अभिमान से न तने...' यह पंक्तियां हमें प्रेरणा प्रदान करती हैं। सीएम ने कहा कि भावी भारत के विकास व विकसित भारत के निर्माण के लिए जो नींव श्रद्धेय अटल जी ने रखी थी, पीएम मोदी के नेतृत्व में उस पर नए भारत का निर्माण हो रहा है। यह 2047 में विकसित भारत के रूप में 140 करोड़ की आकांक्षाओं की पूर्ति का भारत बनेगा। सीएम ने कहा कि आज की तिथि अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज से ही दिन बड़े होने लगेंगे यानी ऊर्जा के लिए भगवान सूर्य के दर्शन अधिक समय तक होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में अटल जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष है, इसलिए सुशासन सप्ताह के अवसर पर हर जनपद में बच्चों के लिए सुशासन पर आधारित (काव्य पाठ, निबंध व भाषण) प्रतियोगिताएं हुईं। सीएम ने कहा कि सचिवालय प्रशासन व उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश भर में सुशासन से संबंधित स्मारिका व पत्रिका का प्रकाशन व संकलन करे। राज्य स्तर पर अच्छे आलेख को संकलित करते हुए विभिन्न लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाए। सीएम योगी ने बताया कि सुशासन सप्ताह के आयोजन में शासन के विभिन्न विभागों ने भागीदारी की। इस दौरान लोकशिकायतों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर रहा। यहां 2.59 लाख से अधिक लोकशिकायतों का निस्तारण किया गया। मुख्यालय, मंडल व तहसील स्तर पर भी 16,223 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 9 लाख छह हजार 800 से अधिक सर्विस डिलीवरी के आवेदन निस्तारित किए गए। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, सुरेंद्र मैथानी, ओपी श्रीवास्तव, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, लालजी प्रसाद निर्मल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया आदि की मौजूदगी रही। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने सुशासन सप्ताह (19 से 25 दिसंबर) के अंतर्गत हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में स्नेहा तिवारी प्रथम, शांभवी शुक्ला ने द्वितीय व विदुषी मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त डायरी

जानबूझकर गंभीर चोट पहुचाने वाले गुनाहगार को तीन साल की सख्त सजा, 52 हजार रुपये का जुमार्ना भी हुआ

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के राठ में 12 जुलाई 2017 में अभियुक्तों ने एक राय होकर असलहों से लैस होकर पीड़ित को बुरी तरह मारपीट कर खतरनाक चोट पहुंचाने के साथ ही गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में राठ के इकठौर निवासी राजकुमार उर्फ राजू पुत्र जगत सिंह, जीतेन्द्र पुत्र मुकेश ,नारेन्द्र पुत्र परमलाल लोधी, जगत सिंह पुत्र फकीरा,रामकुमार उर्फ माते पुत्र जगत सिंह के खिलाफ अ०सं०- 375/2017 धाराझ 308/34,504,506 आईपीसी के तहत दर्ज मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की जिला, सत्र अदालत ने अभियुक्त जगत सिंह पुत्र फकीरा को गुनाहगार मानते हुये तीन साल की सख्त सजा के साथ ही बारह हजार रुपये का हुआ जुमार्ना, जबकि बाकी चार अभियुक्त राजकुमार उर्फ राजू पुत्र जगत सिंह, जीतेन्द्र पुत्र मुकेश,नारेन्द्र पुत्र परमलाल लोधी सहित रामकुमार उर्फ माते पुत्र जगत सिंह को तीन साल की सदाचारण की परिवीक्षा के साथ ही दस-दस हजार रुपये का किया गया जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई इन्द्र पाल सिंह ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट पेश की, वही मामले की जोरदार पैरवी डीजीसी राजेश कुमार शुक्ला ने की।

डीजीसीः राजेश कुमार शुक्ला

रोटरी द्वारा क्रिसमस एवं अटल जयंती पर हाइजीन किट वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। क्रिसमस और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर एवं रेडक्रॉस सोसाइटी कुशीनगर द्वारा कसया नगर के सबया में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता करते हुए हाइजीन किट दिया गया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली की देखरेख में लोगों को हाइजीन किट में सैनेट्री पैड, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, तेल, टूथपेस्ट, टूथब्रश, और टंग क्लीनर जैसी सामग्री व बुजुर्ग महिलाओं को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन संजय सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की। क्लब सचिव अजय सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। ईद अवसर पर उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, निदेशक अमित श्रीवास्तव, सार्जेन्ट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, मीडिया प्रभारी अरुण वर्मा, अरूण कुमार मौर्य, अमरेंद्र नारायण सिंह, सरवरे आलम (छोटे), सत्येन्द्र राय, शिवजी जायसवाल, आदिल खान एवं रेड्क्रॉस के योगेश शर्मा, रोहित चौबे उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित थे पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी: विजय दूबे

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद में पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में अटल प्रदर्शनी का शुभारम्भ सांसद विजय कुमार दूबे ने करते हुए कहा कि सँविधान एवं लोकतंत्र की गरिमा तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका समर्पण सदैव अटल रहा है। वह अपनी वाकपटुता, राजनीतिक कौशल और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए जाने जाने वाले वाजपेयी की विरासत लाखों भारतीयों को प्रेरित करती है। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल जी को उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है। इस अवसर पर सदर विधायक मनीष जायसवाल, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय, हाटा विधायक मोहन वर्मा, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड और तमकुही राज विधायक डॉ असीम राय, जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य सहित दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लखनऊ में क्रिसमस सेलिब्रेशन, सांता क्लॉज के साथ सेल्फी

लखनऊ। शहर क्रिसमस के रंग में रंग चुका है। राजधानी के विभिन्न चर्च, मॉल, रेस्टोरेंट और होटल्स में क्रिसमस सेलिब्रेशन शुरू हो चुका है। यहां लोग अपने परिवार और दोस्तों संग पहुंच कर क्रिसमस पार्टियों का आनंद ले रहे हैं। राजधानी के सबसे बड़े हजरतगंज रोड स्थित कैथेड्रल चर्च में 24 दिसंबर मध्य रात्रि से लोग प्रभु यीशु के दर्शन को पहुंच रहे है। चर्च कैंपस में लोगों की भारी भीड़। चर्च को विशेष रूप से सजाया गया है। दीवारों पर मैरी क्रिसमस के पोस्टर्स लगाए गए हैं। प्रभु यीशु की तस्वीर के साथ उनके परिवार की झांकी का दृश्य आकर्षक है। चर्च में आने वाले बच्चे बुजुर्ग महिलाएं सभी बेहद उत्साहित हैं। जगह-जगह सेल्फी स्पॉट पर लोग सेल्फी ले रहे हैं। श्रद्धालु मोमबत्तियां लेकर चर्च में प्रार्थना कर रहे हैं। पुलिस ने हजरतगंज की तरफ आने वाले वाहनों को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। हजारों की संख्या में लोग पैदल ही यहां पहुंच रहे हैं। कैथेड्रल चर्च को आकर्षक रंगबिरंगी लाइट्स से सजाया गया। रात में यह बहुत ही खूबसूरत लग रहा है। कैथेड्रल चर्च को आकर्षक लाइट्स से सजाया गया। लोग लाइट एंड साउंड शो का आनंद ले रहे हैं। कैथेड्रल चर्च में सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवानों को सांता सांता क्लॉज की ड्रेस में तैयार बच्चे ने हैप्पी क्रिसमस विश किया। हजरतगंज में कैथेड्रल चर्च के बाहर मेला लगा है। यहां फूल और मोमबत्ती के स्टॉल पर लोग खरीदारी कर रहे हैं। कैथेड्रल चर्च में पहुंचे लोग क्रिसमस सेलिब्रेशन को यादगार बनाने के लिए सेल्फी ले रहे हैं। यहां युवतियां सेल्फी लेते नजर आईं।

आल इंडिया साइंस टीचर्स एसोसिएशन का दो दिवसीय सम्मेलन 28 से

न्यूज स्पीक्स

कसया, कुशीनगर। आल इंडिया साइंस टीचर्स एसोसिएशन (एआईएसटीए) का 52 वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन सह विज्ञान संगोष्ठी 28 दिसम्बर दिन शनिवार समय 11:30 बजे उद्घाटन सत्र व 29 दिसम्बर दिन रविवार समय सुबह 10 बजे राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित है। उक्त जानकारी संगठन के कोषाध्यक्ष/आयोजन समिति के मुख्तार सिंह ने देते हुए बताया कि सम्मेलन के मुख्यअतिथि निदेशक एनसीआरटी नई दिल्ली, भिक्षु ज्ञानेश्वर, बीपीजी के प्रबंध सचिव वीरेंद्र सिंह आहलूवालिया, स्टेट फोरेंसिक लेबोरेट्री राजस्थान के निदेशक राजेश सिंह, डीडीयूगोविवि के प्रो. अजय सिंह, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, पूर्व निदेशक जीएसआई यूपी डॉ बी सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। जबकि पूर्व कुलपति एलएनएमयू दरभंगा, बिहार अध्यक्षता करेंगे।

महिला सशक्तिकरण को लेकर किया जागरूक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुशीनगर द्वारा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व राष्ट्रीय महिला आयोग के आदेशानुसार तथा जिला जज सुशील कुमार शशि के निर्देशन में कसया ब्लाक सभागार में विधान से समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अपर जिला जज/सचिव शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी व ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर रविकुमार रंजन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों के तहत प्रदान किये

अधिकारों और उपाय, ब्लॉक स्तर पर महिलाओं को विभिन्न अपराधों के मामलों में निवारण हेतु स्थानीय सक्षम अधिकारियों से सम्पर्क करने के सम्बन्ध में जागरूक करना है, महिलाओं को उनकी शिकायतों के निवारण के लिये उपलब्ध विभिन्न चैनलों यानी एनसीडब्ल्यू, नालसा, पुलिस, कार्यपालिका, न्यायपालिका और गैर सरकारी संगठनों से सम्पर्क करने और उनका उपयोग करने की प्रक्रिया समझाना, ब्लॉक स्तर पर महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता सुनिश्चित करना ताकि वे अन्याय को पहचान सकें और अपने अधिकारों का लाभ उठा सकें, कौशल विकास, वित्तीय स्वतंत्रता, सशक्तिकरण पर चर्चा की गई। इस दौरान रिसोंस पर्सन ओमप्रकाश पाण्डेय (अधिवक्ता) व सुमन सिंह अधिवक्ता ने जानकारी दी। इस कार्यक्रम में 60 महिलाओं को एक बैग, बैग में एक पैड और रिनाल्ड की पेन तथा लंच पैकेट भी दिया गया।

अपहरण के बाद बच्ची की हत्या

वाराणसी । 8 साल की बच्ची की अपहरण के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह मासूम का अर्धनग्न शव घर से 200 मीटर दूर स्कूल की बाउंड्री के अंदर मिला। हाथ-पैर तोड़कर लाश को प्लास्टिक की बोरी में भरा गया था। शरीर पर चोट के निशान थे, हाथ-पैर बंधे हुए थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मासूम के परिजनों ने शव की शिनाख्त की। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। कहा- कार्रवाई तक बच्ची की लाश यहां से नहीं उठने देंगे। पुलिस अफसरों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। जिसके बाद परिजन शव के पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए। घटना रामनगर के सुजाबाद चौकी क्षेत्र के एक गांव की है। बच्ची मंगलवार शाम को घर से सामान लेने दुकान गई थी। रात तक नहीं लौटी। पिता ने बताया- मंगलवार शाम 7 बजे बच्ची दुकान से क्वाइल लाने के लिए गई थी। 8 बजे तक नहीं लौटी तो मां उसे ढूंढते हुए दुकान पर पहुंची।

दुकानदार ने बताया कि वह सामान लेकर तुरंत चली गई। 9 बजे तक बच्ची का पता नहीं चला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। रातभर तलाशते रहे, लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चला। सुबह परिजन फिर परिजन थाने पर गए। तभी पुलिस को किसी ने फोन किया, बताया कि बोरी में बच्ची का शव मिला है। पुलिस के साथ परिजन मौके पर पहुंचे तो शव उनकी बच्ची का ही निकला। परिजनों का आरोप है कि रात में ही अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। अगर पुलिस समय पर एक्टिव हो जाती तो बच्ची की जान बच सकती थी। बच्ची के पिता एक पैर से दिव्यांग हैं। इलाकाई लोगों ने कहा- यहां की पुलिस बहुत लापरवाह है। हमने शिकायत की तो पुलिस ने तुरंत जांच-पड़ताल क्यों नहीं की। मासूम

अटल जी की नीतियों से देश विकास पथ पर : रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शती बुधवार को कसया नगर स्थित भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल के आवास पर मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्व. बाजपेयी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर याद किया। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि अटल जी एक राजनेता ही नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के सफल राजनेता, विचारक और कालजयी कवि थे। वह इतने लोकप्रिय थे कि सभी दल उनकी प्रशंसा करते नहीं थकते थे। अटल जी की नीतियों से देश विकसित पथ पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने ने विदेश नीति और कुटिनीतिक में देश को वैश्विक पहचान दिलाई। अपने शासनकाल में सुशासन की नींव को मजबूती दी। विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदंबा सिंह, प्रेमचंद मिश्र ने उनके जीवन से जुड़े संस्मरण सुनिए। भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष चंद्र प्रभा पांडेय, फूलवंती चौहान, सुगंधा, रमायन कुशवाहा, अधिवक्ता दिनेश सिंह, अमर चंद जायसवाल, डा.टी एन राव, विपुल दूबे, शंभू प्रसाद गुप्ता, अजय शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, राजेश सिंह,नंदू वर्मा, अमित पांडेय, अमिय गुप्ता, विक्की जायसवाल, विपुल, संजय शुक्ला, शैलेंद्र प्रताप सिंह, आद्या पांडेय, मंकेश राय, सुनील पांडेय, रजनीश त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

टीबी मुक्त पंचायत बनाने में प्रधान निभाएं अपनी भूमिकाः आशुतोष मिश्र

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय ब्लाक सभागार में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी तथा अधीक्षक डॉ मकर्कण्डेय चतुर्वेदी के निर्देश पर टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिये प्रधानों संग एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुआ। वरिष्ठ क्षयरोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक आशुतोष मिश्र ने कहा कि टीबी मुक्त पंचायत बनाने में प्रधानगण की भूमिका महत्वपूर्ण है। आप सभी के सहयोग से हम प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत 2025 को साकार करने में सहयोग कर सकते है। टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिये प्रति एक हजार की आबादी पर 30 टीबी के सम्भावित लक्षणों वाले व्यक्तियों की जाँच कराना है उसमें कोई रोगी न निकले या यदि उस गांव में एक रोगी हो तो उसे उपचार कर ठीक करना तथा उसे निक्षय पोषण योजना का लाभ दिलाना। उस मरीज को निक्षय मित्र के द्वारा पोषण की पोटली उपलब्ध कराना एवं उस रोगी के समस्त जांचों को कराकर पूर्ण कर लेने पर वह गाँव

टीबी मुक्त पंचायत की श्रेणी में आ जायेगा जो ग्राम पंचायत टीबी मुक्त घोषित होगा उन्हें जिलाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया जायेगा। एसटीएस शाहीद अंसारी ने कहा कि टीबी के रोगियों को जाँच उपचार निःशुल्क किया जाता है। नवम्बर माह से प्रतिमाह एक हजार रुपये उनके खाते में निक्षय पोषण योजना के रूप में दिया जा रहा है। एडीओ पंचायत नीरज चतुर्वेदी ने प्रधानगणो से अपील किया कि आप सभी निक्षय मित्र बनकर अपने गांव के टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें प्रोटीनयुक्त पौष्टिक आहार दें ताकि रोगी दवा के साथ इसे खाकर शीघ्र स्वस्थ हो जाये। इस दौरान प्रधान विजय बहादुर राय, संजीव सिंह, राजेश शर्मा, संजय, शैलेश, मोहनलाल गुप्ता, अकबर अंसारी, रामनगीना, रमाशंकर, प्रभुनाथ, रीता देवी, दुर्गावती देवी, गीता, सरोज, मंजू देवी, सुभावती देवी, दुर्गावती देवी, रंजना, सितारा देवी, ब्लाक कर्मी उदयभान पांडेय, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

अडानी ने खरीदी एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी, 400 करोड़ में हुई डील

कंपनी देश की दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों को देती हैं सेवाएं

नई दिल्ली। बीते कुछ महीनों में भारत के उद्योगपति गौतम अडानी अमेरिकी के लगाए गए आरोपों के चलते विवादों में रहे, लेकिन इस बीच उनका फोकस पूरी तरह कारोबार के विस्तार पर था। अब साल के आखिर में अडानी ग्रुप ने एक बड़ी डील की है। इसके तहत अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी खरीदी है। गौतम अडानी ने जिस एयर वर्क्स कंपनी की अधिग्रहण किया है, वह भारत की प्रमुख प्राइवेट एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस कंपनी है। यह अधिग्रहण अडानी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने किया है और इसके साथ ही कंपनी की एंट्री विमान मैंटिनेंस, रखरखाव और ओवरहाल इंडस्ट्री में हो गई है। अडानी ग्रुप के मुताबिक ये पूरी डील 400 करोड़ में हुई है। इस 400 करोड़ रुपए की डील के जरिए अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स में 85.8 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है और एग्रीमेंट साइन किए हैं। इस संबंध में अडानी ग्रुप की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसमें कहा है कि एडीएसटीएल ने देश की सबसे बड़ी प्राइवेट एमआरओ कंपनी एयर वर्क्स में मैजोरिटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए डील की है। एयर वर्क्स इंडिया की स्थापना साल 1951 में की गई थी और ये देश की दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों को सेवाएं देती है। इसकी कस्टमर लिस्ट में इंडिगो और विस्तारा जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा लुफ्थांसा, टर्किश एयरलाइंस समेत एतिहाद जैसी इंटरनेशनल एयरलाइंस भी इससे सर्विसेज लेती हैं। इसके साथ ही एयर वर्क्स इंडियन नेवी और एयरफोर्स के विमानों की भी देखरेख करती है।

कभी दुनिया के टॉप-3 अमीरों में शामिल गौतम अडानी की 10 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं और उनका कारोबार घर की रसोई से लेकर एयरपोर्ट्स तक फैला हुआ है। अडानी की नेटवर्थ ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक, 75 अरब डॉलर है और इस आंकड़े के साथ दुनिया के टॉप अरबपतियों की लिस्ट में वे 19वें पायदान पर हैं। बीते 24 घंटे में उनकी संपत्ति में 249 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

रिलायंस के जरिए भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही चीन की ई-कॉमर्स कंपनी शीन

मुंबई ।

एप आधारित चीनी ई-कॉमर्स कंपनी शीन अब रिलायंस रिटेल में साझेदारी के जरिये भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अजियो पर शीन ने अपने कपड़ों के ताजा कलेक्शन की टेस्टिंग और कैटलॉगिंग भी शुरू कर दी है।

रिलायंस इस ब्रांड को अपने अन्य प्लेटफॉर्म तक भी ले जाएगी। इससे भारतीय बाजार में रिलायंस की फास्ट-फैशन सेगमेंट में टाटा समूह के जुडियो और फ्लिपकार्ट के मित्रा के साथ प्रति स्पर्धा और बढ़ेगी। वहीं उपभोक्ताओं को अधिक वैरायटी मिलेगी। सरकार ने साल 2020 में भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ही शीन सहित 50 चीनी एप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

शीन की हालांकि भारतीय डेटा तक पहुंच नहीं रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि शीन का संचालन देश के एक स्वदेशी रिटेल प्लेटफॉर्म पर होगा। शीन उसक समय भारतीय बाजार में दोबारा प्रवेश कर रहा है, जब उसके राजस्व में कमी देखी गई है। इस साल की पहली छमाही शीन का राजस्व गत वर्ष के 40 फीसदी से घटकर 23 फीसीदी रह गया है। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक भारत में गत वित्त वर्ष में फास्ट फैशन सेगमेंट में 40 फीसदी बढ़त हुई है। ये कुल रिटेल सेगमेंट की 6 फीसदी ग्रोथ से 5 गुना है। 2031 तक यह बाजार 4.5 लाख करोड़ का होगा। शीन ने गत वर्ष 3.83 लाख करोड़ के कपड़े बेचे एप बेस्ड ई-कॉमर्स कंपनी शीन की 170 से अधिक देशों में मौजूदगी है। 5.3 करोड़ यूजर्स हैं।

कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम क्रय करने का है अच्छा अवसर

मुंबई ।

ग्राहक के पास कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम अमेजन डील्स की मदद से खरीदने का अच्छा अवसर हैं। इनमें से कुछ प्यूरीफायर ऐसे हैं जो रियल टाइम कलर इंडिकेशन को दिखाते हैं और फिल्टर को चेंज करने का मैसेज भी आपको इनमें दिखने लगता है अगर वह खराब हो जाता है या फिर इसमें कोई कमी होती है।

इस पर 7 साल की वारंटी तो मिल ही रही है इसके साथ यह एक ऐसा प्यूरीफायर है जिसमें आपको सबसे लंबा और ज्यादा दिनों तक चलने वाला फिल्टर मिलता है। यह स्पेशल टू हेपा फिल्टर वाला एयर प्यूरीफायर है जिसमें 99.99 प्रतिशत वायरस और छोटे-छोटे पॉल्यूटेंट आसानी से कैद कर लिए जाते हैं। यह एक ऐसी कंपनी का एयर प्यूरीफायर है जिसके बारे में आपको ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि डेसन एयर प्यूरीफायर न केवल अपने नाम के लिए जाना जाता है बल्कि इससे साफ होकर निकलने वाली हवा अन्य प्यूरीफायर के मुकाबले ज्यादा साफ मानी जाती है। रिमोट कंट्रोल की मदद से आप इस एयर प्यूरीफायर को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ब्रैंड की ओर से इस पर 2 साल की वारंटी भी दी जा रही है। 3 इन1 फिल्टर से लैस यह एयर प्यूरीफायर घर और ऑफिस दोनों के लिए बेस्ट बताया गया है।

इसमें प्री फिल्टर, एच13 का हेपा फिल्टर और एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टर भी मिल जाएगा। 99.99 प्रतिशत पॉल्यूटेंट्स, अलर्जेंस, पेट्स हेयर को बड़ी ही आसानी से ये एयर प्यूरीफायर दूर कर सकता है। इसमें स्मोक, डस्ट और पोलेंस को दूर करने की भी खासियत है। यह एयर प्यूरीफायर 22 स्क्वायर मीटर तक की कवरेज करके इतनी दूरी तक की हवा को साफ रख सकता है। व्हाइट कलर की बॉडी वाला यह एयर प्यूरीफायर्स फार होम अलर्जी के लिए बेस्ट बताया गया है। इसको आप बेडरूम में इस्तेमाल करने के लिए जरूर खरीद सकते हैं। इस एयर प्यूरीफायर में आपको टेक्नोलॉजी का ब्लेंड भी देखने को मिलता है। यह कमरे की गंदी बदबू को दूर करने के लिए इसमें लगे हुए ओडोर एलिमेनेटर्स की मदद से बदबूदार हवा को भी दूर भगा देता है।

यह एयर प्यूरीफायर 99.97 प्रतिशत डस्ट और स्मोक मोल्ड पोलेन को भी दूर करता है। 480 स्क्वायर फीट तक की कवरेज एरिया में हवा को साफ करने में सक्षम माने जाने वाले इस एयर प्यूरीफायर 360 डिग्री का रोटेशन मिलता है। यह 99.97 प्रतिशत डस्ट पार्टिकल्स को दूर कर सकता है।

मस्क की संपत्ति 474 अरब डॉलर पर पहुंची

लास वेगास ।

टेस्ल के प्रमुख एलन मस्क की संपत्ति 474 अरब डॉलर तक पहुंच गयी है। मंगलवार को मस्क की कंपनी के शेयर बढ़ने से उनपर एक प्रकार से डॉलर की बारिश हुई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार उनकी संपत्ति एक ही दिन में 22 अरब डॉलर उछल कर 474 अरब डॉलर पर पहुंच गई। अब मस्क 500 अरब डॉलर के आंकड़े से केवल 26 अरब डॉलर दूर हैं। जिस प्रकार से उनकी कंपनी के शेयर ऊपर जा रहे हैं उससे तय है कि मस्क साल 2024 में ही 500 अरब डॉलर के मुकाम तक पहुंच जाएंगे। मंगलवार 24 दिसंबर को टेस्ला के शेयरों में आए 7.35 फीसदी उछाल से उनके शेयर में जबरदसत उछाल है। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की जीवन भर की कमाई के लगभग बराबर कमाई मस्क ने केवल साल 2024 में ही कर ली है। इस साल अब तक मस्क के नेटवर्थ में 245 अरब डॉलर की तेजी रही है। जबकि बेजोस का कुल नेटवर्थ 248 अरब डॉलर ही है। इस साल बेजोस ने भी 70.70 अरब डॉलर अपने नेटवर्थ में जोड़ चुके हैं। इस साल कमाई के मामले में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग दूसरे नंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ इस साल अबतक 86.8 अरब डॉलर बढ़कर 215 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। टॉप-10 अरबपतियों में बर्नार्ड अर्नाल्ट ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें इस साल सबसे अधिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इस साल 31.8 अरब डॉलर गंवाए हैं और वह सूची में

सबसे नीचे हैं। वहीं गौतम अडानी और मुकेश अंबानी को नुकसान हुआ है। दोनों 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर तो हुए ही हैं, साथ ही दुनिया के टॉप-15 अरबपतियों में भी इन्हें जगह नहीं मिली है।

एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े : ट्राई डेटा

इन्दौर ।

भारती एयरटेल (एयरटेल) ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एयरटेल ने इस क्षेत्र में 214,381 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े, जिससे इसके कुल सब्सक्राइबर की संख्या 16,408,516 हो गई है। जहां मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में एयरटेल अधिकतम सब्सक्राइबर जोड़ने वाला प्रमुख ऑपरेटर बना, वहीं इसके बाद सरकार द्वारा संचालित बीएसएनएल ने 32,303 सब्सक्राइबर जोड़े। अन्य निजी ऑपरेटरों जैसे वोडाफोन-आइडिया और रिलायंस जियो ने इसी अवधि में क्रमशः 347,436 और 721,481 वायरलेस सब्सक्राइबर गंवाए। पूरे देश में एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में सभी टेलीकॉम सर्कल में कुल 19,28,263 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े। इसके साथ ही, इसके कुल वायरलेस सब्सक्राइबर की संख्या 31 अक्टूबर 2024 तक 385,410,746 हो गई। यह वृद्धि एयरटेल की ग्राहक अधिग्रहण और बाजार विस्तार में निरंतर बढ़त को दर्शाती है। ट्राई रिपोर्ट के अनुसार एयरटेल के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में 99.42 प्रतिशत के उच्चतम विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) को भी दर्शाती है, जबकि इसके कुल वीएलआर प्रतिशत 99.48 प्रतिशत रहा, जो टेलीकॉम उद्योग में सबसे अधिक है। ये आँकड़े एयरटेल के उत्कृष्ट नेटवर्क और विश्वसनीयता को प्रमाणित करते हैं, जिससे यह एक विश्वसनीय टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ करता है। टेलीकॉम उद्योग में अक्टूबर 2024 के अंत तक वायरलेस सब्सक्राइबर की कुल संख्या में गिरावट देखी गई, जो सितंबर 2024 के अंत में 1153.72 मिलियन से घटकर 1150.42 मिलियन हो गई।

एयरटेल का बाजार हिस्सा 33.50 प्रतिशत रहा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी एयरटेल द्वारा ग्राहकों को आकर्षित और उन्हें अपने नेटवर्क पर बनाए रखने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

क्रिसमस पर बुधवार को बंद रहा शेयर बाजार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को क्रिसमस के कारण बंद रहा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कोई कारोबार नहीं होगा। वहीं, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और नेशनल कमोडिटी एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) में भी छुट्टी रही। आज बाजार में इस साल की आखिरी छुट्टी है। इससे पहले 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती की छुट्टी के चलते बाजार बंद था। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। 24 दिसंबर को सेंसेक्स 67 अंक की गिरावट के साथ 78,472 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 25 अंक गिरा, ये 23,727 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, बीएसई स्मॉलकैप 205 अंक की तेजी के साथ 55,023 के स्तर पर बंद हुआ था।

31 दिसंबर को खुलेगा इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ, 14,835 का करना होगा निवेश

मुंबई। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) 31 दिसंबर को खलेगा। निवेशक इसके लिए 2 जनवरी तक बिडिंग (बोली) लगा सकते हैं। 7 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। क्रिसमस के चलते आज शेयर बाजार बंद है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी टोटल 260.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 184.90 करोड़ रुपए के 86,00,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, इंडो फार्म इक्विपमेंट के मौजूदा निवेशक 75.25 करोड़ रुपए के 35,00,000 शेयर बेच रहे हैं। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने आईपीओ का प्राइस बैंड 204-215 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 69 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 215 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय किया जाता है तो इसके लिए 14,835 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 897 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,92,855 इन्वेस्ट करने होंगे।

ई-कॉमर्स में उभर रही चुनौतियों से निपटने नए ऐप लॉन्च

नई दिल्ली । उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने और भ्रामक ऑनलाइन प्रथाओं से निपटने के लिए नए ऐप लॉन्च किए। ये ऐप डिजिटल उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में उभर रही चुनौतियों से निपटेंगे। ये नए उपाय सरकार की उपभोक्ता सशक्तिकरण और डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं। इन ऐप के माध्यम से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की क्षमता काफी बढ़ जाएगी और उसे डार्क पैटर्न्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर ग्राहकों की रक्षा करने में सहायता मिलेगी। जागो ग्राहक जागो ऐप उपभोक्ता की ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सभी यूआरएल के बारे में आवश्यक ई-कॉमर्स जानकारी प्रदान करता है और उन्हें सचेत करता है कि कोई यूआरएल असुरक्षित हो सकता है और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं, जागृति ऐप यूजर्स को उन यूआरएल की रिपोर्ट करने में मदद करता है, जहां उन्हें उन एक या अधिक डार्क पैटर्न की उपस्थिति का संदेह है, जिन्हें अवैध घोषित किया गया है। जागो ग्राहक जागो ऐप उपभोक्ताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे संभावित असुरक्षित वेबसाइटों की पहचान कर सकते हैं। यह ऐप ऑनलाइन खरीदारी के जोखिमों के प्रति सतर्क करता है, उपभोक्ताओं को जागरूकता बढ़ाने और सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। जागो ग्राहक जागो ऐप किसी उपभोक्ता की ऑनलाइन एक्टिविटीज के दौरान के सभी यूआरएल यानी लिंक के बारे में ई-कॉमर्स से जुड़ी जानकारी देता है और अगर कोई यूआरएल असुरक्षित लगे तो उपभोक्ता को चेतावनी जारी करता है। वहीं, जागृति ऐप से यूजर को यह सहूलित मिलेगी कि अगर उसे लगे कि किसी यूआरएल के साथ कोई अवैध डार्क पैटर्न होने का शक है तो वह इसकी रिपोर्ट इस ऐप के जरिए दे सकेगा। ऐसी रिपोर्ट को सीसीपीए शिकायत के रूप में दर्ज करेगा और कार्रवाई करेगा।

बजट 2025 में कस्टम ड्यूटी छूट खत्म करने पर विचार कर रहा वित्त मंत्रालय!

(एजेंसी)

वित्त मंत्रालय बजट 2025 में कई आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी छूट खत्म करने पर विचार कर रहा है। यह कदम 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उठाया जा रहा है। जिन सामानों पर यह छूट खत्म हो सकती है, उनमें इंसुलिन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बल्क ड्रग्स, लैब में बने डायमंड के लिए कच्चा माल, ऑप्टिकल फाइबर बनाने के लिए प्लास्टिक, एलईडी और एलसीडी टीवी के पैनल पार्ट्स और कोयला खनन व बिजली उत्पादन के उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, सरकार जीवन रक्षक दवाओं, टेलीकॉम ऑप्टिकल फाइबर के लिए जरूरी केमिकल और नवीकरणीय ऊर्जा व परिवहन क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले सामानों की भी समीक्षा कर रही है। अभी इन सामानों पर 0-5त्न की रियायती दर से कस्टम ड्यूटी लगती है। यह छूट सितंबर 2025 तक वैध है। सरकार इन छूटों को हटाने से पहले यह देख रही है कि देश में इन सामानों का उत्पादन और निवेश क्षमता कितनी है। इस पर उद्योगों से सुझाव भी मांगे गए हैं, ताकि फैसला लिया जा सके कि यह छूट जारी रखनी चाहिए या खत्म करनी चाहिए। यह फैसला आयात पर निर्भरता कम करने और देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इससे पहले के बजट में स्टील और तांबे की उत्पादन लागत घटाने के लिए कुछ कच्चे माल पर शुल्क हटाया गया था। मेडिकल डिवाइस बनाने के लिए भी कुछ सामानों पर कस्टम ड्यूटी कम की गई थी। अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों और बदलते वैश्विक माहौल का भी इस समीक्षा पर असर पड़ रहा है। सरकार का यह कदम न केवल घरेलू उत्पादन को मजबूत करेगा, बल्कि जरूरी क्षेत्रों को सुरक्षा भी देगा।

आकाश के स्पार्कल को जोमैटो और जेरोधा से मिली सहायता

(एजेंसी)

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के प्रमोटर आकाश चौधरी को अपने नए वेंचर स्पार्कल एडवेंचर के लिए जोमैटो के दीपिंदर गोयल और जेरोधा के नितिन कामथ से सहायता मिली है। एक रिपोर्ट के अनुसार कामथ का रेनमैटर फंड, जो फिनटेक और सस्टेनबिलिटी पर अपने फोकस के लिए जाना जाता है, गोयल के साथ 4 मिलियन डॉलर के सीड फंडिंग राउंड में भाग ले रहा है। एडिशनल मार्की निवेशकों के भी इस राउंड में शामिल होने की उम्मीद है। आकाश ने इस साल अक्टूबर में मेरिटनेशन डॉट कॉम के संस्थापकों पवन चौहान और रितेश हेमराजानी के साथ साझेदारी में स्पार्कल लॉन्च किया। मेरिटनेशन, एक एडटेक प्लेटफॉर्म है, जिसे चौधरी के फैमिली बिजनेस, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने साल 2020 में अधिग्रहित किया था। यह इस सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। यह वेंचर 2021 में एईएसएल की बायजू को 950 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक बिक्री के बाद है, जो भारत के सबसे बड़े एडटेक सौदों में से एक है। चौधरी के पास एईएसएल में 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। स्पार्कल का लक्ष्य 6 से 12वीं कक्षा के छात्रों को ऑनलाइन ट्यूशन देना है, जिसमें इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) और कैम्ब्रिज पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विस्तार करने की योजना

अब अपनी तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाकर आगे विस्तार करने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने कहा, प्लेटफॉर्म को शुरू में 2025 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन तय समय से पहले उत्पाद तैयार होने के कारण, समयसीमा को तेजी से आगे बढ़ाया गया। सीड फंडिंग से स्पार्कल के रोलआउट में तेजी आने की उम्मीद है।

कंपनियां करें कॉलिंग-एमएसएस पर फोकस, सस्ते रिचार्ज का मिलेगा ऑप्शन

ट्राई ने जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को दिया आदेश

नई दिल्ली।

जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल यूजर्स को जल्द ही सस्ते रिचार्ज का ऑप्शन मिल सकता है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने सभी टेलीकॉम ऑपरेटर्स से कंज्यूमर्स के लिए कॉलिंग और एमएसएस फोकस प्लान्स लॉन्च करने के लिए कहा है, जिसमें वैलिडिटी भी मिलती हो। टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पोर्टफोलियो पर नजर डालें तो इसमें सभी प्लान्स डेटा पर फोकस्ड मिलते हैं यानी इसमें कॉलिंग, एसएमएस और डेटा तीनों मिलता है। ऐसे में कई यूजर्स जिन्हें डेटा नहीं चाहिए होता है, उन्हें भी डेटा के लिए भुगतान करना पड़ता है। इस तरह का प्लान ना होने की वजह से जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के यूजर्स को अपना सिम एक्टिव रखने के लिए हर महीने करीब 200 रुपए खर्च करने होते हैं। वहीं कुछ ऐसे यूजर्स भी हैं, जिन्हें लॉन्ग टर्म प्लान्स चाहिए होता है। आपको ऐसा लॉन्ग टर्म प्लान नहीं मिलेगा, जो सिर्फ कॉलिंग और एसएमएस पर फोकस्ड करता हो।

ट्राई ने 23 दिसंबर को जारी अपने आदेश में कहा कि टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को ऐसे एसटीवी जारी करने होंगे, जो सिर्फ वॉयस कॉलिंग और एसएमएस की सुविधा के साथ आते हों, जिससे कंज्यूमर्स सिर्फ उस सर्विस के लिए ही भुगतान करें, जो वह यूज करते हैं। इसका टेलीकॉम कंपनियों के कारोबार पर बड़ा असर पड़ेगा। ट्राई ने पहले भी इस पर कंपनियों से सुझाव मांगा था, जिसमें टेलीकॉम कंपनियों ने इसका विरोध किया था। कंपनियों का कहना था कि इस तरह के किसी नए प्लान की जरूरत नहीं है। कंज्यूमर्स के लिए ऐसे प्लान्स पहले से ही मौजूद हैं। बता दें कि टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ साल पहले ही लाइफटाइम फ्री इनकमिंग की सुविधा खत्म कर दी है। इसके बाद ग्राहकों को अपना सिम कार्ड एक्टिव रखने के लिए हर महीने मिनिमम रिचार्ज करना होता है। वहीं इस साल जुलाई में टेलीकॉम कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में भी वृद्धि की है। इसकी वजह से कंज्यूमर्स को करीब 200 रुपए हर महीने सिर्फ सिम एक्टिव रखने के लिए खर्च करने होते हैं। वहीं सभी प्लान्स में डेटा दिया जाता है। ऐसे में जिन यूजर्स को डेटा की जरूरत नहीं होती है, उन्हें भी इस सर्विस के लिए भुगतान करना पड़ता है। वहीं बीएसएनएल में 30 दिनों का प्लान 147 रुपए का आता है, जिसमें यूजर्स को कॉलिंग और एसएमएस के साथ 10जीबी डेटा मिलता है। ऐसे यूजर्स जिन्हें इस डेटा की जरूरत नहीं है, उन्हें भी इसके लिए भुगतान करना होता है।

एफएमसीजी उद्योग पर महंगाई का असर जारी : रिपोर्ट

नई दिल्ली:

मुद्रास्फीति के दबाव के बीच बढ़ती मंदी से इस साल अगस्त-अक्टूबर में दैनिक उपभोग की वस्तुओं के (एफएमसीजी) उद्योग की मात्रा वृद्धि सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई है। शोध एवं अंतर्दृष्टि कंपनी कांतार ने अपनी नवीनतम 'एफएमसीजी पल्स' रिपोर्ट में कहा, इसके अलावा मई-जुलाई की अवधि में एफएमसीजी मात्रा की वृद्धि भी क्रमिक रूप से कम 4.5 प्रतिशत रही। रपोर्ट के अनुसार, ''हम आखिरी तिमाही में हैं और अक्टूबर को समाप्त तिमाही तक एफएमसीजी की वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही, पिछले वर्ष समान अवधि में वृद्धि 6.4 प्रतिशत रही थी। हालांकि मई-जुलाई की तिमाही की तुलना में इसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई जब वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही थी। मुद्रास्फीति के बारे में रिपोर्ट में कहा गया, 2022 की अगस्त-अक्टूबर अवधि में पहली बार प्रति परिवार औसत तिमाही खर्च 6,000 रुपए को पार कर गया था और तब से दो साल बाद खर्च में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2024 में इस तिमाही में यह 6,761 रुपए रहा। ग्रामीण बाजार के बारे में कांतार ने कहा, यह भी चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ ''कमजोर प्रदर्शन'' कर रहा है, जो अगस्त-अक्टूबर की अवधि में शहरी बाजार की 4.5 प्रतिशत की वृद्धि से भी कम है।

ट्रायम्फ ने किया स्पीड ट्विन 900 का अपडेटेड वर्जन भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। ट्रायम्फ मोटरसाइकिल इंडिया ने अपनी पॉपुलर मॉडर्न क्लासिक बाइक, स्पीड ट्विन 900, का अपडेटेड वर्जन भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। यह बाइक 8.89 लाख एक्स-शोरूम की कीमत पर उपलब्ध होगी, जो पिछले मॉडल की तुलना में 40 हजार ज्यादा है। बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक कंट्रोल जैसे स्मार्ट फीचर्स जोड़े गए हैं। इसके अलावा डिजाइन में छोटे लेकिन आकर्षक बदलाव किए हैं। इंजन में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किए गए हैं। 2025 स्पीड ट्विन 900 को तीन नए डुअल-टोन कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। इस बाइक में वही 900 सीसी का पावरफुल इंजन मिलता है, जो पहले से ही परफॉर्मेंस के लिए मशहूर है। इसका क्लासिक लुक और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का मेल इसे खास बनाता है।

एनडीए में टूट की बात किस हद तक सही?

नीतीश कुमार की अगली योजना जान लीजिए

पटना। बिहार में महाराष्ट्र वाला खेल होने वाला है! बाबा साहेब को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की बातों से नाराज हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार! दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चिट्ठी को लेकर नीतीश संजीदा हैं! विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के साथ उतरने वाले हैं नीतीश कुमार!... ऐसी न जानें कितनी बातें पिछले 48-72 घंटे के दौरान बुन दी गईं। इन सभी में विस्मयादि बोधक चिह्न का उपयोग किया गया है। क्यों? क्योंकि, बिहार की जातीय और राजनीतिक हालातों के कारण नीतीश कुमार को लेकर भारतीय जनता पार्टी के अंदर कोई संशय नहीं है और इस तरफ से भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन छोड़ने का दशमलव एक प्रतिशत भी विचार नहीं है। प्रमाण सोमवार सुबह 10 बजे सामने लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद प्रगति यात्रा पर निकलेंगे। हां, नीतीश कुमार अब स्वस्थ हैं और यात्रा पर जा रहे हैं।क्यों मचा बवाल, किसके कारण उठा सवाल?

दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव में नेतृत्व को लेकर जैसे ही कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है और जब समय आएगा तो मीडिया को बता दिया जाएगा, तो बिहार में राजनीतिक अटकलबाजी का दौर शुरू हो गया। शाह ने यह नहीं कहा था कि नीतीश के नेतृत्व पर सवाल है या महाराष्ट्र की तरह कोई बदलाव होगा। लेकिन, मीडिया के एक बड़े हिस्से (अमर उजाला नहीं) ने इसे इसी तरह प्रोजेक्ट किया कि नीतीश कुमार अब भाजपा की मजबूरी नहीं रहे। इसके बाद शाह के आंबेडकर को लेकर दिए बयान को राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने मुद्दा बना लिया। आम आदमी पार्टी ने नीतीश कुमार को चिट्ठी लिख दी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान को प्रोजेक्ट किए जाने की बात तक कही जाने लगी। भाजपा के नेताओं और यहां तक कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी कह दिया कि अभी नेतृत्व पर फैसला नहीं हुआ है। बस, इन बातों को आधार बनाकर यह कहा जाने लगा कि अब नीतीश कुमार एनडीए छोड़ने की तैयारी में हैं। बिहार में खेला होने वाला है। इसी बीच, 20 दिसंबर को पहले से प्रस्तावित सीएम नीतीश कुमार के दो बड़े कार्यक्रम बीमार होने के कारण टले तो इन बातों को और हवा दी गई। लेकिन, वह बातें हवा-हवाई ही थीं। जैसे शाह ने उसी कार्यक्रम में कहा था कि एनडीए में कोई टूट नहीं है, उसी तरह की बातें सीएम नीतीश कुमार सोमवार को सुबह प्रगति यात्रा पर निकलते हुए कहेंगे।आंखें नहीं, नीतीश धूप सेंकने निकल रहे थे

पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नीतीश कुमार की यात्रा को लेकर आंख सेंकने वाली बात कही थी।

बाद में यात्रा का नाम सार्वजनिक करते हुए प्रगति यात्रा बताया गया और कहा गया कि मुख्यमंत्री इस बीच महिला संवाद कर सकते हैं, लेकिन यह पक्का नहीं है। राजद अध्यक्ष की बातें अमर्यादित थीं और उसका हर जगह विरोध हुआ। मुख्यमंत्री दरअसल, पिछले कई दिनों से दिन में दो बार धूप सेंक रहे थे।

सुबह नौ बजे के करीब और दोपहर दो बजे के करीब वह घंटा-डेढ़ घंटे के लिए सीएम आवास में धूप सेंक रहे थे।

20 दिसंबर को वह नहीं निकले और डॉक्टरों ने उन्हें यात्रा के मद्देनजर भी आराम की सलाह दी थी। अब मुख्यमंत्री स्वस्थ हैं और सोमवार सुबह 10 बजे सीएम आवास से प्रगति यात्रा पर निकलेंगे।

23 से 28 दिसंबर तक सीएम नीतीश की प्रगति यात्रा

23 दिसंबर- पश्चिम चंपारण बेतिया

24 दिसंबर - पूर्वी चंपारण

25 दिसंबर - क्रिसमस (अवकाश)

26 दिसंबर- शिवहर / सीतामढ़ी

27 दिसंबर- मुजफ्फरपुर28 दिसंबर - वैशाली

संक्षिप्त डायरी

पटना में छात्र की लाश मिली, बीपीएससी परीक्षा की तैयारी करता था

पटना। में फिर से एक छात्र की लाश मिली है। वह पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के हनुमान नगर के ङ-128 इलाके में रहकर बीपीएससी परीक्षा की तैयारी करता था। कमरे में उसकी लाश मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।पुलिस का कहना है कि सोनू कुमार ने आत्महत्या की है। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एक किए हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत छात्र की पहचान पालीगंज के परयाचक निवासी सुदामा यादव के पुत्र सोनू कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर पता चला कि सोनू पटना में रहकर बीपीएससी की तैयारी कर रहा था। परीक्षा के दबाव में आने के कारण उसने आत्महत्या कर दी। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। एक दिन पहले दीघा इलाके में एक डॉक्टर की लाश मिली थी। दीघा थाना की ओर से बताया गया था कि IGIMS के रेडियोलॉजिस्ट डिपार्मेंट में पीजी सेकेंड ईयर का छात्र आर्यन कुमार ने खुदकुशी कर ली है। वह किराया का घर लेकर पटना में रहता था। उसके माता पिता सुपौल गए थे। वह घर में अकेला था। आत्महत्या के कारणों का पुलिस पता लगा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। एफएसएल की टीम मौके पर जांच के बुलाया गया है। घरवालों को सूचना दे दी गई है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

सनकी पति ने पत्नी का गुस्सा दो मासूम बेटियों पर उतारा

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक सनकी पति ने अपनी पत्नी से हुए झगड़े का गुस्सा अपनी दो अबोध बेटियों पर उतार दिया। उसने धारदार हथियार से दोनों बच्चियों का गला रेतकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद, जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने थानाध्यक्ष और एक दारोगा पर भी चाकू से हमला किया, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। इस बीच घायल बच्चियों को गंभीर हालत में इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।जानकारी के मुताबिक, घटना देव-मदनपुर रोड स्थित पुलिस कैंप के पास की है। बताया जा रहा है कि आरोपी छोटू सिंह (25) अपनी पत्नी माधुरी कुमारी से पिछले दस दिनों से मारपीट कर रहा था। रविवार रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद छोटू ने अपने ससुर को फोन कर कहा कि घर आकर वह अपनी बेटी को ले जाए। ससुर के समझाने के बाद मामला शांत हो गया, लेकिन सोमवार की सुबह फिर से दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।छोटू ने इस बार धारदार हथियार उठाया और पत्नी को मारने की कोशिश की। बचने के लिए पत्नी ने दौड़कर घर से बाहर भागने की कोशिश की। लेकिन छोटू ने अपनी मासूम बेटियों पर गुस्सा उतारते हुए दोनों का गला रेत दिया, जिससे दोनों बेटियां अर्पिता कुमारी (7) और आराध्या कुमारी (3) खून से लथपथ हो गईं। घटना की जानकारी समाजसेवी ज्ञानदत पांडेय ने पुलिस को दी, जिसके बाद मदनपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार और उनकी टीम तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस की तत्परता से कई जानें बच गईं, क्योंकि आरोपी छोटू सिंह ने फिर से भागने की कोशिश की थी। पुलिस को भनक लगी कि छोटू पास के एक घर में छिपा हुआ है। जब पुलिस ने उसे पकड़ा तो उसने भागते हुए पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में मदनपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार और सब इंस्पेक्टर पप्पू कुमार घायल हो गए, दोनों के हाथों में गहरे जख्म आए हैं।

बाल सुधार गृह के बाथरूम की खिड़की के रास्ते फरार हुए आठ बाल अपराधी

रोहतास। जिले के सासाराम स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार की रात उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां से आठ बाल अपराधी फरार हो गए। इन सभी को दुष्कर्म, हत्या और चोरी जैसे संगीन मामलों में रखा गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर दी और छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी फरार बालकों को सकुशल बरामद कर लिया।गिनती के दौरान कम मिले आठ बाल अपराधी जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात लगभग आठ बजे बाल सुधार गृह में बच्चों की गिनती के दौरान आठ बाल अपराधी गायब पाए गए। बाल सुधार गृह के अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद आसपास के थानों की पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। देर रात तक छापामारी के बाद सभी फरार बालकों को दरिगांव थाना क्षेत्र के सिकरिया और मलांव गांव के पास से बरामद किया गया।रोहतास पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। मामले की जांच की जा रही है और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग प्रेमिका संग नेपाल भाग रहे युवक को एसएसबी ने बॉर्डर पर पकड़ा

मधुबनी। मधुबनी में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) के जवानों ने नेपाल जा रहे एक युवक और नाबालिग लड़की को पकड़ लिया। युवक को सीमा चौकी पर सघन जांच के दौरान रोका गया। उसने लड़की के साथ नेपाल में शादी करने की योजना बनाई थी। यह मामला हरलाखी थाना क्षेत्र का है और लड़की की उम्र 15 वर्ष पाई गई। जानकारी के मुताबिक, एसएसबी की 48वीं वाहिनी के आसूचना विभाग को सूचना मिली थी कि एक युवक नाबालिग लड़की को नेपाल ले जाकर शादी करने की फिराक में है। इस पर 48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी के निदेशानुसार बहाय सीमा चौकी पिपरौन के जवानों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।जानकारी के अनुसार, 24 दिसंबर 2024 को दोपहर करीब 12:15 बजे, एक लड़का और लड़की सीमा पार करते हुए नजर आए। जवानों ने उन्हें रोककर पूछताछ की। लड़के ने अपना नाम अभिषेक कुमार (24) बताया, जो दरभंगा जिले के हनुमानगंज (मिश्रटोला) का रहने वाला है। लड़की ने भी अपना पता दरभंगा जिला बताया।लड़की निकली नाबालिग जब उनसे पहचान पत्र दिखाने को कहा गया तो लड़की के पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। शक होने पर एसएसबी ने गहन पूछताछ की और लड़की के घर संपर्क कर उसका आधार कार्ड मंगवाया। दस्तावेजों की जांच में लड़की की उम्र 15 वर्ष पाई गई। नेपाल में शादी की योजना पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि दोनों घर से भागकर नेपाल जा रहे थे, जहां वे शादी करना चाहते थे। लड़की के नाबालिग होने के चलते यह स्पष्ट था कि युवक कानून का उल्लंघन कर रहा था।

दिनदहाड़े युवक की हत्या, खेत देखने गया था, अपराधियों ने मारी पांच गोली

मधेपुरा। के पुरैनी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह अपराधियों ने युवक की गोली मार हत्या कर दी। जमीन विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान पुरैनी थाना क्षेत्र के मकदमपुर पंचायत के छब्बूबासा वार्ड नौ निवासी मंदिश्वरी यादव के बेटे विकास यादव (35) के रूप में हुई। मृतक के भाई शंभू यादव ने बताया कि विकास यादव बुधवार की सुबह सात बजे घर करीब एक किलोमीटर दूर गेहूं खेत देखने के लिए गया था। इसी दौरान अपराधियों ने उसको गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। घायल विकास को बाइक पर बैठा कर पुरैनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुरैनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। बड़े भाई शंभू यादव ने बताया कि गांव के ही विजय यादव से सात कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार की सुबह विकास अपने खेत में लगी गेहूं की फसल को देखने गया था। इसी दौरान अपराधियों ने उसे खदेड़ कर गोली मार दी। विकास को पांच गोली मारी गई है। सात कट्ठा जमीन के लिए उतारा मौत के घाट

बताया कि लगभग दो साल पूर्व विकास यादव मकदमपुर के उदय यादव से सात कट्ठा जमीन खरीदा था। उस जमीन को पहले से विजय यादव बटाईदार के रूप में जोत रहे थे। जमीन खरीदने के बाद भी विकास यादव को विजय यादव जमीन नहीं दे रहा था। जिसके कारण छह महीना पूर्व विवाद भी हुआ था। उन्होंने बताया कि दूसरे पक्ष के लोग कई दिनों से विकास पर नजर रख रहे थे।

बुधवार की सुबह जब विकास खेत देखने गया तो बदमाशों ने गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। पुरैनी थानाध्यक्ष राघव शरण ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है।

20 साल के लड़के ने बच्चे के प्राइवेट पार्ट में घुसाया सरिया

बेतिया। में हैवानियत हुई है। एक 20 साल के लड़के ने मासूम बच्चे को न सिर्फ बेरहमी से पीटा बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया। बच्चे की हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने पटना में रहकर इलाज करवाया। अब जब बच्चे की हालत को डॉक्टरों ने खतरे से बाहर बताया तो परिजनों ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। घटना जिले के मैनाटाड़ प्रखंड क्षेत्र के एक गांव की है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित के पिता के आवेदन पर आरोपी अनारूल मियां के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया और मंगलवार की रात गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अनारूल मियां को न्यायिक हिरासत में बेतिया भेज दिया गया है।चॉकलेट खिलाने के बहाने ले गया था एफआईआर में बताया गया है कि मेरे नाबालिग बच्चे को अनारूल मियां चॉकलेट खिलाने के बहाने दुकान में ले गया और मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान अनारूल मियां ने उसके निजी अंग में लोहे का छड़ घुसा दिया। इससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई। गंभीर हालत में उसे पटना रेफर कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि आरोपी दर्जी का काम करता है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई करे।

सरकारी राशि गबन करने के आरोपी पूर्व प्रधानाध्यापक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दरभंगा। जिला के गोराबोराम प्रखंड क्षेत्र के अधलाइजर गांव के मध्य विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक रामभरोस प्रसाद को स्कूल के सरकारी का 5 लाख 91 हजार रुपये की गबन के मामले घनश्यामपुर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है यह मामला 2022 का बताया जाता है। प्रधानाध्यापक पर आरोप है कि विद्यालय विकास मद और बच्चों के पोशाक और छात्रवृति के पैसों का गबन पाया गया था। आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ स्कूल के एक शिक्षक संजय पासवान ने गबन की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले एक बार आरोपी प्रधानाध्यापक जेल जा चुके हैं। जेल जमानत मिलने के बाद वह फिर से स्कूल में पढ़ा रहे थे। जानकारी के अनुसार आरोपी प्रधानाध्यापक रामभरोस प्रसाद पर 2022 में स्कूल के विकास छात्रवृति और पोशाक योजना की राशि विरतण में पांच लाख 91 हजार रुपये गबन करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच करवाई थी। जांच के बाद विद्यालय के ही एक शिक्षक संजय पासवान के आवेदन उक्त प्रधानाध्यापक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

कर्मचारी को सैलून के पास दिनदहाड़े मारी गोली

सीवान। के असाओं थाना क्षेत्र के कोहोली गांव में दिनदहाड़े एक रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मचारी पर जानलेवा हमला हुआ। अज्ञात अपराधियों ने गोली चलाकर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घायल को तत्काल इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक, कोहोली गांव निवासी शंभु सिंह बीसीसीएल से रिटायर्ड कर्मचारी हैं। वह अपने घर से कुछ दूरी पर एक सैलून में दाढ़ी बनवाने के बाद स्कूटी के पास खड़े थे। इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली सीधे नहीं लगी। दीवार से टकराकर गोली उनकी जांघ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना के बाद परिवार में दहशत घायल के परिजन घटना से बेहद डरे और सहमे हुए हैं। उन्होंने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया है। वहीं, शंभु सिंह भी घटना के संबंध में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस ने शुरू की मामले की जांच असाओं थाना प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा।

तेजस्वी के गढ़ पर बीजेपी की नजर

नित्यानंद बोले: यहां हमारे तीन विधायक, इस बार राखोपुर भी जीतेंगे

वैशाली। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली राघोपुर विधानसभा सीट पर इस बार बीजेपी की खास नजर है। यह सीट राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की पारंपरिक सीट रही है और फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का गढ़ है। आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में बीजेपी इस सीट पर जोरदार चुनौती देने की तैयारी कर रही है।राघोपुर बीजेपी के लिए क्यों है अहम? वैशाली जिले में स्थित राघोपुर सीट बिहार की राजनीति में हमेशा से चर्चा का केंद्र रही है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने यहां से बीजेपी उम्मीदवार सतीश राय को 38,174 वोटों से हराकर यह सीट अपने कब्जे में रखी थी। अब बीजेपी इस सीट को 2025 में जीतने के लिए व्यापक रणनीति बना रही है।

बीजेपी के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने हाल ही में हाजीपुर में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैशाली जिले में हमारे तीन विधायक हैं और इस बार हम राघोपुर भी जीतेंगे। कार्यक्रम में क्या हुआ?

कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने भाग लिया। इसमें वैशाली जिले के भाजपा विधायकों, जिला स्तरीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। नित्यानंद राय ने कार्यक्रम में बीजेपी के सुशासन के मॉडल की प्रशंसा करते हुए इसे अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदृष्टि का परिणाम बताया। मंगल पांडे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन का लाभ मिला है। बीजेपी की रणनीति और सुशासन का एजेंडा बीजेपी ने सुशासन दिवस को पूरे बिहार में एक प्रमुख आयोजन के रूप में मनाया। पार्टी ने अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में किए गए सुधारों को सुशासन का हिस्सा बताया। मंगल पांडे ने कहा कि अटल जी के सुशासन के मॉडल ने भारत को विकास के पथ पर अग्रसर किया। उनके नेतृत्व में स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाए गए, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ। राघोपुर पर बीजेपी का फोकस बीजेपी ने राघोपुर सीट को जीतने के लिए पहले से ही अपने कार्यकताओं और रणनीतिकारों को जुटा लिया है। स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं को मजबूत करने के साथ-साथ, पार्टी बड़े नेताओं की सभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों के जरिए जनता तक पहुंचने की योजना बना रही है। तेजस्वी यादव का प्रभाव और आरजेडी की मजबूत पकड़ बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती है। राघोपुर की जनता ने बार-बार यादव परिवार पर विश्वास जताया है। ऐसे में बीजेपी को यहां बड़ी रणनीतिक और जमीनी मेहनत करनी होगी।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकी पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां है, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां है, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुभावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

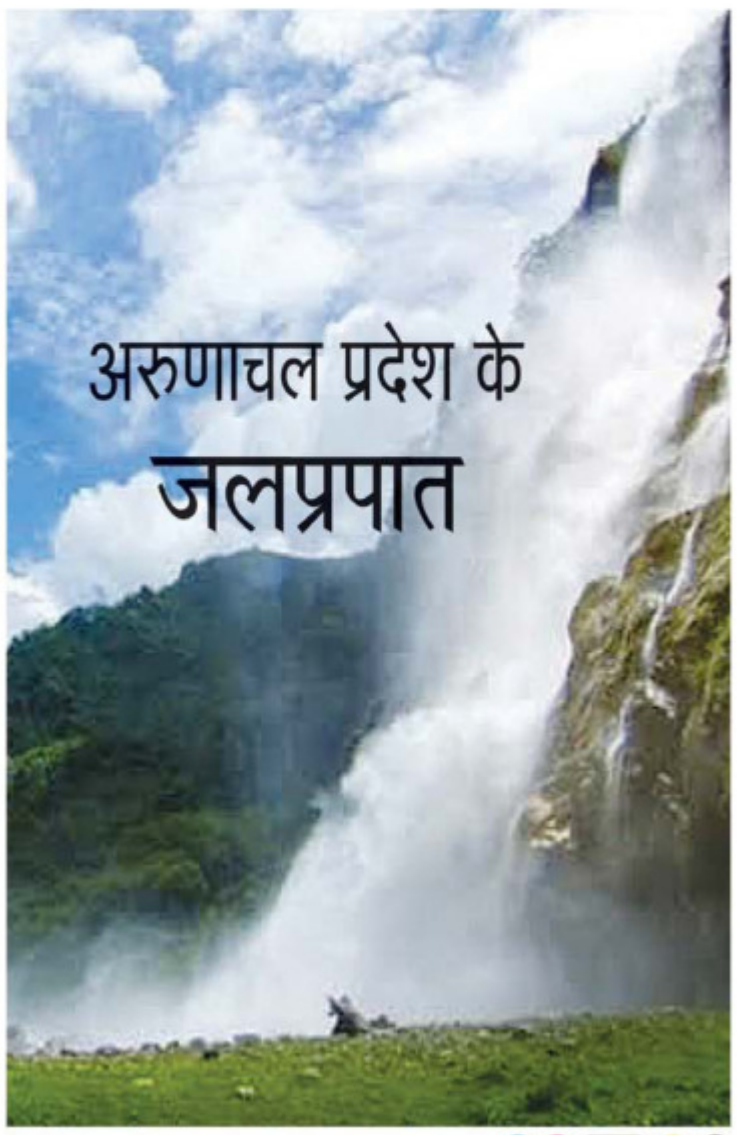

शास्त्री ने बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले की भविष्यवाणी, इस टीम पर लगाया जीत का दाव

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भविष्यवाणी की कि भारत मैच जीतेगा। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि श्रृंखला किस दिशा में जाएगी। श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ दोनों पक्ष आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला बढ़त हासिल करने के इरादे से बहुप्रतीक्षित बॉक्सिंग डे टेस्ट खेलेंगे।

शास्त्री ने एक न्यूज वेबसाइट से बातचीत में कहा, 'जिस तरह से यह श्रृंखला आगे बढ़ रही है, मुझे लगता है कि भारत इस श्रृंखला को जीत लेगा। टीम 1-1 से बराबरी पर है, खासकर जब खेल पर्थ, एडिलेड और ब्रिस्बेन में हो गए हैं, तो

वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से आगे बढ़ना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है।'

शास्त्री ने कहा कि भारत यहां जीतने के लिए आया है, न कि संख्या बढ़ाने के लिए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जीतने के लिए एक टीम के पास अच्छी तरह से सोची-समझी योजना और तरीके होने चाहिए और केवल प्रतिस्पर्धा करने से मदद नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, 'जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बहुत कठिन, निष्पक्ष खेलना और जीतना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए एक तरीका सोचना होगा, न कि केवल प्रतिस्पर्धा करना। आपको ठीक से योजना बनानी होगी, कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है। वे ऑस्ट्रेलिया का सामना कर चुके हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और उत्साहपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी।'

ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग 11 = उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुस्चगने, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

भारतीय टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रित बुमरा (वीसी), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, देवदत्त पडिक्कल, तनुश कोटियन।

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 904 रेटिंग अंकों के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गये हैं। बुमराह ने ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक कुल 21 विकेट लिए हैं और इसके कारण ही वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके दूसरे स्थान पर चल रहे प्रतियोगी से 48 रेटिंग अंक अधिक हैं।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा 856 रेटिंग अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड 852 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पैट कमिंस 822 रेटिंग अंक के साथ चौथे, आर अश्विन 789 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा मैट हैनरी (782) छठे, नाथन लायन (770) सातवें, प्रभात जयसूर्या (768) आठवें, नोमान अली (759) नौवें और रवींद्र जडेजा (755) रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है।

मोहम्मद सिराज एक स्थान के फायदे के साथ 24वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि बल्लेबाजी रैंकिंग में ट्रैविस हेड भारत के यशस्वी जायसवाल को छाड़ते हुए बल्लेबाजी चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भी शीर्ष 10 में शामिल है। स्मिथ ने पिछले मैच में 101 रनों की पारी खेली थी। जबकि 70 और 20 नाबाद रनों की पारी खेलने वाले ऐलेक्स कैरी 11 पायदान की छलांग के साथ 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

शैली में बदलाव के कारण रन नहीं बना पा रहे शुभमन : पोंटिंग

-रक्षात्मक तकनीक को बेहतर बनायें

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अभी तक अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। जिसके बाद से ही उनपर बड़ी पारी खेलने का दबाव है। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये।

पोंटिंग ने कहा, 'मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया।

पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे ऑस्ट्रेलिया में वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ यहां भी खेलना चाहिये।

पिछली यादगार जीत को दोहराने मेलबर्न उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। आज से शुरु होने जा रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम में पिछली बार वर्ष 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में इसी मैदान पर मिली जीत के दोहराने के इरादे से उतरेगी। भारतीय प्रबंधन को इस टेस्ट में जीत दर्ज करने के लिए चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने होंगे।

सीरीज के पिछले तीन मुकाबलों में देखा गया है कि भारतीय टीम शीर्षक्रम बल्लेबाजी को लेकर असमंजस की स्थिति रही। अब तक देखा गया है कि फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज ने इस सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा ने भारत के बल्लेबाजी क्रम को बिगाड़ दिया है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट में दो क्रिकेट दिग्गज रोहित शर्मा ,केएल राहुल के चरित्र, धैर्य और दृढ़ संकल्प की परीक्षा होगी। भारत अभी भी बुमराह के पर्याप्त समर्थन और खराब फॉर्म में चल रहे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से काफी अपेक्षा कर रहा है। बल्लेबाजी क्रम में खिलाड़ियों को बदलने के मामले में भारत के पास अधिक विकल्प नहीं हैं। इसलिए वे उम्मीद करेंगे कि कोई के एल राहुल का साथ दे और उनके साथ घंटों बल्लेबाजी कर सके।

अगर भारतीय टीम यह टेस्ट हारती है तो डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें अन्य मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। साथ ही एक दशक के बाद ऐसा होगा, जब ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ कोई टेस्ट श्रृंखला जीतने के बेहद करीब होगा। वहीं अगर भारत को जीत मिलती है तो वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को रिटेन कर लेंगे।

भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने केएल राहुल को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने का सुझाव

दिया है। यह उन्हें पारी की शुरुआत में नई गेंद से बचायेगा और उन्हें दूसरी नई गेंद के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सकेंगे। हालांकि इस रणनीति के अपने फायदे हैं, लेकिन इससे राहुल की लय को बिगाड़ने का भी जोखिम है, विशेषकर सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी सफलता को देखते हुए।

रोहित का शीर्ष पर स्थान अभी सुरक्षित लगता है, भले ही वह रन नहीं बना रहे हों। अगर राहुल नीचे आते हैं तो मध्यक्रम की गतिशीलता में काफी बदलाव आएगा। देखना होगा कि शुभमन गिल एकादश में अपना स्थान बरकरार रख पाते हैं या ध्रुव जुरेल को मौका मिलेगा।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण को अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मैदान की सतह पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों के अनुकूल है, लेकिन 40 डिग्री सेल्सियस के चिलचिलाती गर्मी के पूर्वानुमान के कारण भारत को दूसरा स्पिनर शामिल करना होगा।

दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया भी शीर्षक्रम की बल्लेबाजी को लेकर परेशान है। ऑस्ट्रेलिया ने जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करने के लिए अपनी सलामी जोड़ी में बदलाव करना पड़ा है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने टीम में सैम कॉन्स्टास को जगह दी है। गेंदबाजी में पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क की जोड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम है। पूरी तरह से फिट और खेलने के लिए तैयार ट्रैविस हेड की वापसी से मध्य क्रम को मजबूती मिली है। स्टार्क और स्कॉट बोलैंड से इस पिच की उछाल पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भारत का दिलचस्प इतिहास रहा है इस जगह हाल के वर्षों में कई यादगार भारतीय जीत देखी हैं, जिसमें प्रतिष्ठित 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान उनकी जीत भी शामिल है। भारत को इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम

भारत : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी/वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया: उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफीका दौरे से बाहर रहेंगे शाहीन अफरीदी

कराची। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी आगामी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले पूरी तरह से तरोताजा होना चाहते हैं। इसी को देखते हुए शाहीन टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफीका दौरे पर नहीं जाना चाहते हैं। शाहीन ने टीम प्रबंधन और चयन समिति से कहा है कि दक्षिण अफीका दौरे के लिए उन्हें शामिल नही किया जाये। अफरीदी फरवरी मार्च में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये पूरी तरह फिट होना चाहते हैं। वहीं पाक टीम को दक्षिण अफीका दौर में दो टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में शाहीन के नहीं होने से उसे परेशानी होगी पर मुख्य चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये उन्हें तरोताजा रखने की कवायद में आराम दिया जा सकता है। शाहीन ने टीम प्रबंधन और बोर्ड को बताया कि उन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग की एक टीम से पेशकश भी मिली है और उन्होंने आश्वस्त किया है कि वह 30 दिसंबर से सात फरवरी तक होने वाली टी20 लीग के दौरान कार्यभार प्रबंधन कर लेंगे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में राहुल बना सकते हैं रिकार्ड

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेाज केएल राहुल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से यहां होने वाले एक चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में अगर शतक लग देते हैं तो एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। राहुल ने अब तक तीन मैचों में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 235 रन बनाए हैं हालांकि इस दौरान वह कोई शतक नहीं लगा पाये। अब भारत को चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न में खेला है और यहां पर केएल राहुल से भी अच्छी पारी की उम्मीद सबको है। वहीं अगर इस टेस्ट मैच में राहुल शतक लगा देते हैं तो वो बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लागने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में अब तक सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल सचिन तेंदुलकर और अंजिक्य रहाणे के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। तेंदुलकर और रहाणे ने भारत के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में दो-दो शतक लगाए थे। और राहुल के नाम भी दो शतक दर्ज हैं। अब मेलबर्न में अगर राहुल शतक लगा देते हैं तो वो भारत की तरफ से बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से जीतने होंगे दोनो मैच

मुम्बई (एजेंसी)। अगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कौन सी चार टीमें पहुंचेंगी। ये अभी तक तय नहीं हुआ है। फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अभी दो टेस्ट मैच होने हैं और भारतीय टीम को अगर सीधे फाइनल में जगह बनानी है तो इन दोनो को ही जीतना होगा।

अभी डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका पहले नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका के 10 मैचों में से 6 जीत, तीन हार और एक ड्रॉ से 76 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 63.33 है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के 15 मैचों में 9 जीत, चार हार और 2 ड्रॉ से 106 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 58.89 है। तीसरे नंबर पर मौजूदा भारत के 17 मैचों में 9 जीत, 6 हार और 2 ड्रॉ से 114 अंक हैं। भारत का अंकों का प्रतिशत 55.88 है। भारतीय टीम को अभी दो मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलने हैं।

उधर श्रीलंकाई टीम पांचवें नंबर पर है पर

उसके भी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं कम हैं। श्रीलंकाई टीम के 45.45 प्रतिशत अंक हैं और वह अधिकतम 53.85 प्रतिशत अंकों तक पहुंच सकती है। 48.21 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है, जो रेस से बाहर हो चुकी है। इंग्लैंड छठे, पाकिस्तान सातवें, बांग्लादेश आठवें और वेस्टइंडीज नौवें स्थान पर है।

भारतीय टीम के लिए ये है फाइनल का समीकरण

भारतीय टीम को आसानी से फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों टेस्ट जीतने होंगे। यदि भारतीय टीम एक भी मुकाबला ड्रॉ कराती है या हारती है तो उसे दूसरे परिणामों पर निर्भर रहना होगा। यदि भारतीय टीम सीरीज को 2-1 से जीतती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की घरेलू सीरीज में कम से कम एक मैच को ड्रॉ करा ले। या फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज हार जाए।

यदि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज 2-2 से ड्रॉ होती है, तो भारत 55.26 प्रतिशत अंकों पर समाप्त होगा। ऐसे में भारतीय टीम तभी फाइनल में पहुंचेगी जब श्रीलंका अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 या 2-0 से जीत हासिल करे। या पाकिस्तानी टीम दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराए।

यदि मेलबर्न और सिडनी टेस्ट ड्रॉ रहते हैं तो भारतीय टीम 53.51 अंकों पर समाप्त करेगी। ऐसे में भारत तभी फाइनल में पहुंचेगा, जब दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान के हाथों दोनों टेस्ट में हार मिले या श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीते या 0-0 से बराबरी करे। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 0-0 से बराबर होने पर ऑस्ट्रेलिया के भारत के समान 53.51 प्रतिशत अंक होंगे लेकिन इस चक्र में अधिक सीरीज जीतने के आधार पर भारत उससे आगे रहेगा। यदि श्रीलंका 2-0 से सीरीज जीतता है, तो वो भारत से आगे हो जाएगा।

सांता सिंह धोनी... पत्नी साक्षी और बेटी संग महान कप्तान ने मनाया क्रिसमस

मुम्बई । भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी सांता क्लॉज बने और पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ क्रिसमस मनाया। इस दौरान धोनी के करीबी साथी भी मौजूद रहे। धोनी ने फुल सांता सूट पहना था। उन्होंने लंबे बूट्स पहनने के अलावा लंबी सफेद दाढ़ी भी लगा रखी थी। दिग्गज क्रिकेटर ने आउटफिट में एक अलग टच देने के लिए पीले रंग का चश्मा भी पहना। साक्षी सिंह धोनी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में, पूर्व क्रिकेटर एक तस्वीर में अपनी पत्नी और बेटी के साथ पोज देते हुए दिखाई दिए, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने जीवा को गले लगाया था। क्रिसमस ट्री को बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। इस पर गहने, सफेद फूल और ऊपर एक स्टार लगाया गया था। इसे पेड़ को खिड़की के पास रखा गया था। क्रिसमस ट्री के बेस पर रंग-बिरंगे कागज में लिपटे कई सारे उपहार रखे गए थे। धोनी ने एक तस्वीर में पेड़ के साथ पोज भी दिया। इस बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन और उनके कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया को भी जश्न मनाते देखा गया। कृति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर धोनी के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। बहिया, जो यूके के एक व्यवसायी हैं, ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पूरी गैंग की एक तस्वीर साझा की, जिसे कृति ने फिर से पोस्ट किया। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि यह जश्न किसके घर पर मनाया गया। बता दें कि 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, धोनी केवल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते हैं। दरअसल, रोहित शर्मा के बाद धोनी पांच आईपीएल खिताब जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। कई बार आईपीएल जीतने वाले कप्तान, जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले कप्तानी छोड़ दी थी, अगली बार आईपीएल 2025 में दिखाई देंगे, जो अगले साल 14 मार्च से शुरू होने वाला है। धोनी आईपीएल 2025 के लिए सीएसके द्वारा रिटायर किए जाने वाले पांच खिलाड़ियों में से एक थे।

जुरेल ने 300 डॉलर का इनाम जीता

मेलबर्न । भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को अब तक इस सीरीज में खेलने का अवसर नहीं मिला है पर उन्हें अच्छी फिल्डिंग के कारण इनाम जरुर मिल गया है। जुरेल को बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले फील्डिंग ड्रिल में नकद पुरस्कार मिला है। जुरेल ने फील्डिंग कौशल को निखारने के लिए आयोजित एक अभ्यास सत्र के दौरान अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसमें टीम प्रबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के लिए 300 डॉलर का नकद पुरस्कार घोषित किया था जिसे जुरेल ने अपने बेहतरीन प्रयासों से जीता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभ्यास ड्रिल की एक क्लिप भी साझा की है। फील्डिंग अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों को तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया। इसमें फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बताया, आज के लक्ष्य में, आप तीन स्टंप देख सकते हैं। बड़े स्टंप पर एक अंक होगा, छोटे स्टंप पर दो अंक होंगे, बीच में गेंद पर चार अंक होंगे। हम आज कोण का उपयोग कर रहे हैं। आप तीन मार्कर देख सकते हैं। प्रत्येक मार्कर से, प्रत्येक छह गेंदें जाएगी। फील्डिंग कोच ने कहा कि ड्रिल आयोजित करने का उद्देश्य खिलाड़ियों को उनके निर्धारित नेट सत्र से पहले ऊर्जावान बनाना था।

पूर्व क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बताया बुमराह का सामना करने का तरीका

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमन कैटिच ने कहा है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी समस्या रहे हैं। बुमराह ने ही तीनों टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनका सामना करने में ट्रैविस हेड सहित अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। कैटिच ने कहा है कि वह इस मामले में अपनी टीम की सहायता कर सकते हैं। कैटिज ने कहा है कि मेजबान टीम के बल्लेबाजों को बुमराह के खिलाफ सफल होने के लिए स्ट्राइक रोटेट करने के साथ ही रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर बनाना होगा। कैटिच ने कहा कि बुमराह शायद ही कभी ढीली गेंद फेंकते हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपना रुख सही रखते हुए एक तय रणनीति से उतरना होगा। कैटिच ने कहा कि, सभी बातें सकारात्मक रुख को लेकर हैं और इसका ध्यान उन्हें रखना होगा। इसके अलावा बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ केवल बाउंड्री लगाने पर ही ध्यान नहीं देना चाहिये। इसका कारण है कि वह बहुत खराब गेंद नहीं फेंकता। इसलिए सबसे अधिक अहम ये है कि स्ट्राइक रोटेट कर आराम से खेला जाये।

'यह अंतिम सूची नहीं है', खेल रत्न पुरस्कार की अंतिम सूची में जोड़ा जाएगा मनु भाकर का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसित लोगों में मनु भाकर का नाम न होने के एक दिन बाद यह विश्वसनीय रूप से पता चला है कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा कुछ दिनों में इस मामले पर निर्णय लिए जाने के बाद इसे अंतिम सूची में जोड़े जाने की संभावना है। कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई, लेकिन देश के शीर्ष खेल पुरस्कार के लिए प्रारंभिक सूची में केवल भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और पेरिस पैरालिंपिक में पैरा हाई जंप स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार का नाम शामिल था जिन्होंने तीन साल पहले टोक्यो में भी रजत पदक जीता था।

भाकर का नाम इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रचने के बाद औपचारिकता माना जा रहा था, पर विचार नहीं किया गया, जिसके कारण आलोचना हुई। खेल मंत्रालय और 12 सदस्यीय पुरस्कार समिति की आलोचना के बाद मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'यह अंतिम सूची नहीं है, इसमें एक प्रक्रिया शामिल है।'

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और महान क्रिकेटर अनिल कुंबले जैसे अन्य लोग शामिल हैं। समिति को उन लोगों पर विचार करने का अधिकार है जो अपना आवेदन दाखिल करते हैं, लेकिन यदि आवश्यक हो, तो यह उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं।

शूटिंग फेडरेशन (एनआरएआई) ने सचिव-खेल, सुजाता चतुर्वेदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि मंत्रालय 'असाधारण आधार' पर खेल रत्न के लिए भाकर पर विचार करे। एक रिपोर्ट में एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने कहा, 'हमें यह भी नहीं पता कि उसने आवेदन किया है या नहीं, लेकिन अगर उसने किया है, तो मुझे नहीं लगता कि समिति के पास उस पर विचार न करने का कोई कारण था। अगर उसने आवेदन नहीं किया है, तो समिति कुछ नहीं कर सकती थी। हमें उम्मीद है कि मंत्रालय हमारे दृष्टिकोण को समझेगा और उसे वह पुरस्कार देगा जिसकी वह पूरी तरह से हकदार है।'

पूरे मामले पर भाकर की प्रतिक्रिया

मनु भाकर ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है। मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं। पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।'

एक नजर

शुभेंदु अधिकारी पर आतंकी हमले का खतरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को लेकर केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश स्थित दो कट्टरपंथी संगठनों, जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश और हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्य अधिकारी को निशाना बना सकते हैं। इन संगठनों के कुछ सदस्य पहले ही भारत की सीमा में प्रवेश कर चुके हैं। खुफिया एजेंसियों ने बताया कि शुभेंदु अधिकारी को सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान निशाना बनाया जा सकता है। अधिकारी हाल ही में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदू धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमलों के खिलाफ मुखर रहे हैं। इस खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने अधिकारी की सुरक्षा बढ़ा दी है। अब उन्हें पूरे भारत में जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इससे पहले, उन्हें केवल पश्चिम बंगाल के बाहर वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलती थी। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, हिज्ब-उत-तहरीर के दो सक्रिय सदस्य हाल ही में बांग्लादेशी पासपोर्ट के साथ छात्र बनकर भारत आए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों में कुछ स्थानीय युवाओं से मुलाकात की। इन बैठकों में धार्मिक मुद्दों पर चर्चा के बाद इन युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों में स्लीपर सेल खोलने के लिए प्रेरित किया गया।

गुजरात के ओखा में जेटी निर्माण के दौरान दुर्घटना, तीन की मौत

द्वारका : गुजरात की देवभूमि द्वारका जनपद के ओखा में बुधवार को जेटी निर्माण में लगी क्रेन टूटने से एक इंजीनियर समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक सुपरवाइजर और एक श्रमिक भी शामिल हैं। द्वारका जिला कलक्टर जीटी पंडया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीन लोगों की मौत की घटना में जांच का आदेश दिए हैं। ओखा मरीन पुलिस तीनों शवों के पोस्टमार्टम के लिए द्वारका सरकारी हॉस्पिटल ले गई है। जिला कलक्टर ने बताया कि द्वारका के ओखा में कोस्टगार्ड की ओर से जेटी बनाने का काम करीब एक साल से किया जा रहा है। जेटी निर्माण कार्य के दौरान आज अचानक क्रेन टूट गया और तीन लोग पानी में गिर गए, जबकि एक व्यक्ति दब गया। घटना की जानकारी मिलते ही जीएमबी कोस्टगार्ड, ओखा मरीन पुलिस, फायर ब्रिगेड और 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की टीम मौके पर पहुंच गई। पानी में गिरे एक व्यक्ति को किसी तरह बचा लिया गया। जबकि दो लोगों के शव बाहर निकाले गए हैं। एक व्यक्ति की मौत दबने से हुई है। मृतकों में जीतेन कराडी (23), अरविंद कुमार (24) और निशांत सिंह शामिल हैं।

कोरबा में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने पर विवाद

कोरबा : जिले में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिक्षक संगठनों ने शासन द्वारा घोषित अवकाश अवधि में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने का विरोध किया है।
उल्लेखनीय है कि कोरबा जिले के विकास खंड करतला में कार्यरत शिक्षकों को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 26 और 27 दिसंबर को पंचायतों में ड्यूटी लगाई गई है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह ड्यूटी लगाना अव्यवहारिक है, क्योंकि शीतकालीन अवकाश में कई शिक्षक छुट्टी बिताने मुख्यालय से बाहर होने के कारण कार्य प्रभावित होंगे। इसके अलावा, शिक्षक संगठनों ने यह भी कहा है कि ऐसे कुछ शिक्षकों की भी ड्यूटी लगाई गई है जो स्वर्गवासी हो चुके हैं और पदोन्नति प्राप्त कर जिले के अन्य विकास खंड में पदस्थापना प्राप्त कर सेवा दे रहे हैं।

भारत में पहली बार विकास दर 8.4 प्रतिशत पर अटल जी के कार्यकाल में पहुंची : राजनाथ

एजेंसी

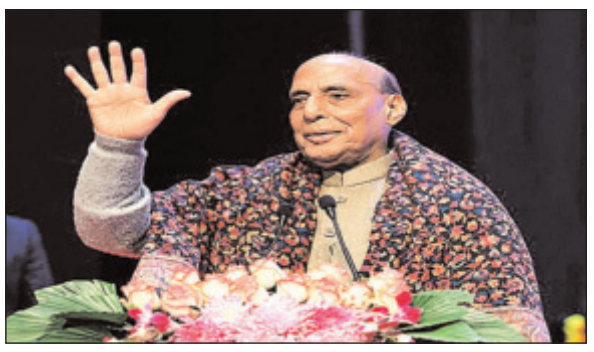

लखनऊ : भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर लोकभवन में सुशासन दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अटल जी के जीवन और कार्यों को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी ने भारत को ऐसा सुशासन दिया, जिसने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी सरकार के दौरान विकास दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंची, जो आजाद भारत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उन्होंने अटल जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी गवर्नेंस की दुनिया भर में प्रशंसा होती थी। सिंह ने सुशासन की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि एक अच्छा शासन वही है जहां हर व्यक्ति की आवश्यकताएं पूरी हों, वह खुद को सुरक्षित महसूस करे और उसके पास अपनी बात कहने का अवसर हो। यही अटल जी का विजन था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। रक्षामंत्री ने अटल जी की ऐतिहासिक योजनाओं को याद करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने भारत को सड़क, टेलीकॉम और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अंत्योदय योजना जैसे अभियानों ने भारत के गांवों और गरीबों के जीवन को बदल दिया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने न केवल शहरों को सड़कों से जोड़ा, बल्कि गांवों को भी पक्की और बेहतर सड़कों से जोड़ा। टेलीकॉम सेक्टर में क्रांति लाकर उन्होंने मोबाइल को हर हाथ तक पहुंचाने का सपना साकार किया। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन के तहत हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 1,500 से अधिक अनावश्यक कानूनों को समाप्त कर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में भारत को 50वें स्थान तक पहुंचाया है। जल्द ही भारत शीर्ष 20 देशों में शामिल होगा। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजना की सफलता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि अब गरीबों को उनके हक का पैसा सीधे उनके खातों में मिलता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि 100 पैसा भेजने पर केवल 14 पैसा लाभार्थियों तक पहुंचता है लेकिन मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि अटल जी और मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा, यही सुशासन है। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने यूपी को भयमुक्त बनाया है।

नकली अंग्रेजी शराब बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

मीरजापुर : मीरजापुर पुलिस ने अवैध और अपमिश्रित अंग्रेजी शराब के निर्माण और बिक्री करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 106 शीशियां नकली अंग्रेजी शराब, हजारों नकली रैपर, ढक्कन और शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देश पर गठित संयुक्त टीम ने विन्ध्याचल क्षेत्र के राजा गोपालपुर के पास बुधवार को दबिश दी। यहां कबाड़ की दुकान में नकली शराब निर्माण की सूचना पर तीन अभियुक्तों मोनू सोनी, छोटू जायसवाल उर्फ दया जायसवाल व मोहन गुप्ता को मौके से गिरफ्तार किया और नकली अंग्रेजी शराब की 106 शीशियां (इम्पिरियल ब्लू, मैक्डावेल, आरएस आदि ब्रांड), नकली ढक्कन 15,375, नकली रैपर 8,600, काग प्रिंटिंग मशीन व एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे नकली शराब तैयार कर उसे असली ब्रांड के रूप में बाजार में बेचते थे। यह नकली शराब खाली शीशियों में भरकर, नकली क्यूआर कोड और लेबल लगाकर तैयार की जाती थी। थाना विन्ध्याचल में अभियुक्तों के खिलाफ धारा 60/72 आबकारी अधिनियम और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अभियुक्तों को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा जा रहा है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष विंध्याचल अमित कुमार, एसओजी प्रभारी राजीव कुमार सिंह और आबकारी निरीक्षक राजेश क्षेत्र-प्रथम की टीम शामिल रही। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार पर बड़ा प्रहार हुआ है।

हरियाणा में रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे शुरू

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार प्रदेश में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को बाहर निकालेगी। इसके लिए राज्य पुलिस तथा सीआईडी विंग ने प्रदेश भर में वेरिफिकेशन अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस की टीमें लगातार झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर इनकी पहचान से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी की तरफ से हालही में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बैठक की गई थी। जिसमें आलाधिकारियों को इस बारे में ब्योरा एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं। हरियाणा में करीब 12 साल पहले रेवाड़ी, नूंह, महेंद्रगढ़ और फरीदाबाद में बांग्लादेश से आए रोहिंग्या मुसलमानों को बसाया गया था। खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट दिया है कि ये रोहिंग्या प्रदेश में अपराध और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

एंड पिक्चर्स पर देखिए 'खिचड़ी 2' का प्रीमियर

एजेंसी

मुंबई : कहते हैं अंत भला तो सब भला। तो आप भी ढेर सारी हंसी, मस्ती और फैमिली टाइम के साथ साल को विदा करने के लिए तैयार हो जाइए। एंड पिक्चर्स लेकर आ रहा है आपके फेवरेट पारेख परिवार की धमाकेदार वापसी। देखिए 'खिचड़ी 2' का प्रीमियर 29 दिसंबर को शाम 5 बजे, और साल को हंसते-हंसते अलविदा कह। पुरानी यादों और नए मजेदार ट्विस्ट का जबर्दस्त कॉम्बो, 'खिचड़ी 2' साल को अलविदा कहने का बेस्ट मौका लेकर आया है। जबर्दस्त कॉमेडी से लेकर दिल को छू लेने वाले लम्हों तक, 'खिचड़ी 2' हर पीढ़ी के दिलों तक पहुंचने वाला यादगार सफर है। इस त्यौहार के मौके पर, एंड पिक्चर्स फिर साबित कर रहा है कि मस्ती, जोश और अपनों के साथ का सही मजा यहीं मिलता है। फिल्म के प्रोड्यूसर जमनादास मजेठिया कहते हैं, खिचड़ी 2 परिवार और उनके मजबूत रिश्तों का जश्न है। खिचड़ी की दुनिया में वापस जाना मेरे लिए बेहद दिलचस्प और जज्बाती सफर रहा, जिसने एक बार फिर ढेर सारी यादें और खुशी के पल ताजा कर दिए। दर्शकों के पसंदीदा किरदारों को नए और अनोखे मोड़ के साथ पेश करना वाकई शानदार अनुभव था। इस बार, पारेख परिवार देश की हिफाजत के लिए एक रोमांचक मिशन पर निकलता है, जो उनकी खास कॉमेडी में एक नया रंग भरता है। हंसी, सरप्राइज और इमोशनल पलों का यह मिलाजुला सफर दिखाता है कि परिवार कैसे हर मुश्किल में एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। हमें पूरा यकीन है कि एंड पिक्चर्स के दर्शक इस फिल्म को देखकर हंसी और खुशियों के साथ साल का खूबसूरत अंत करेंगे।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा से हल्द्वानी जा रही बस खाई में गिरी, तीन की मौत

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड के नैनीताल जिले में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। अल्मोड़ा से हल्द्वानी जा रही उत्तराखंड राज्य सड़क परिवहन निगम की बस भीमताल-रानीबाग मोटर मार्ग पर आमडाली के पास करीब 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा अपराह्न करीब 3 बजे हुआ। बस में 28-29 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश नर्सिंग छात्राएं बताई जा रही हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र और नैनीताल जिले की पुलिस ने इस हादसे में तीन लोगों की मौत और 25 के घायल होने की पुष्टि की है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ टीम ने रस्सियों और स्ट्रेचर की मदद से घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी घायलों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल और अन्य नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस तेज रफ्तार में थी और मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वह सीधे खाई में गिर गई। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। बस रानीबाग से हल्द्वानी की ओर जा रही थी और एक मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस खाई में गिर गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भीमताल के पास बस दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुखद है। मैंने स्थानीय प्रशासन को त्वरित राहत और बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। बाबा केदार से सभी यात्रियों के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।

नौसेना के बेड़े में अगले महीने शामिल होंगे दो स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी 'वाग्शीर'

एजेंसी

नई दिल्ली : हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती पैठ का मुकाबला करने को भारत अपनी समुद्री लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए नौसेना के बेड़े में अगले महीने दो स्वदेशी युद्धपोत और एक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी को शामिल करने के लिए तैयार है। नए युद्धपोतों में सबसे बड़ा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक सूरत और स्टील्थ फ्रिगेट नीलगिरि हैं, जो इसी माह नौसेना को सौंपे जा चुके हैं। इस बीच रूस में निर्मित नया युद्धपोत आईएनएस तुशील भी स्वदेश आएगा। नौसेना के बेड़े में शामिल होने वाली वाग्शीर भारतीय नौसेना की छठी और कलवरी श्रेणी की अंतिम पनडुब्बी है। आईएनएस वाग्शीर का नाम रेत मछली के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर में गहरे समुद्र में रहने वाली एक शिकारी मछली है। पनडुब्बी को सभी ऑपरेशन थियेटर में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह नौसेना टास्क फोर्स के अन्य घटकों के साथ अंतर-संचालन योग्य है। पनडुब्बी वाग्शीर का विस्थापन 1,600 टन होगा, जिनमें सभी घातक प्रहार के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं। सूरत और नीलगिरी को पिछले हफ़्ते मुंबई स्थित मझगांव डॉक्स ने नौसेना को सौंप दिया था। नौसेना को मिला जहाज 'सूरत' 35 हजार करोड़ रुपये की परियोजना 15 बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का चौथा और अंतिम है। इससे पहले पिछले तीन वर्षों में इसी प्रोजेक्ट के तीन जहाजों विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ और इम्फाल को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है। सूरत की डिलीवरी भारतीय नौसेना की स्वदेशी विध्वंसक निर्माण परियोजना का समापन है। इस परियोजना की शुरूआत 2021 में हुई थी। कुल 7,400 टन वजन और 164 मीटर की लंबाई वाला निर्देशित मिसाइल विध्वंसक होने के नाते आईएनएस सूरत शक्तिशाली और बहुमुखी प्लेटफॉर्म है, जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है। इसने अपने समुद्री परीक्षणों के दौरान 30 नॉट्स से अधिक की गति हासिल की है। यह स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय नौसेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत है, जो नौसेना की परिचालन दक्षता को कई गुना बढ़ाएगा। नौसेना को सौंपा गया फ्रिगेट नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 ए स्टील्थ का पहला जहाज है। इस योजना के सात जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से ब्लू वाटर में मुकाबला करने में सक्षम हैं।

संक्षिप्त खबरें

हरियाणा के तीन जिलों में भूकंप के झटके, सोनीपत रहा केंद्र

चंडीगढ़ : हरियाणा में बुधवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बिंदु सोनीपत जिले के गांव कुंडल रहा है। यहां किसी प्रकार के जानि नुकसान का समाचार नहीं है। बुधवार की दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया। हरियाणा के रोहतक, सोनीपत और पानीपत में तेज झटके महसूस किए गए और लोग घरों से बाहर निकल आए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 रही। इसका सेंटर सोनीपत के कुंडल गांव में पांच किलोमीटर गहराई में रहा। रोहतक के सेक्टर-4 समेत अन्य इलाकों में रहने वाले लोगों ने तेज झटकों के बाद एक-दूसरे को अलर्ट किया। कुछ जगहों पर लोग पार्क और खुले स्थानों में जमा हो गए। सोनीपत से मिली जानकारी के अनुसार गांव कुंडल में चौपाल में बैठे लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। झटके महसूस होते ही उन्होंने शोर मचाकर लोगों को घरों के बाहर खुले मैदान में एकत्र कर लिया। पशुओं ने भी भूकंप के झटके महसूस किए और कई पशु चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने पशुओं की रस्सी खोलकर उन्हें भी खुले में छोड़ दिया। करीब आधे घंटे बाद स्थिति सामान्य हुई तो लोग पुनः अपने घरों व कामकाज पर लौटे। औद्योगिक नगरी पानीपत के भी कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण उद्योगों में काम कर रहे कारीगर बाहर निकल आए। पानीपत में कुछ समय के लिए उद्योगों में चल रही मशीनें व अन्य कामकाज बंद कर दिया गया। लोगों को जब यह अहसास हुआ कि अब दोबारा भूकंप के झटके नहीं आएंगे तब वह अपने काम पर लौटे।

रक्षा सचिव ने 'राष्ट्र पर्व' वेबसाइट और मोबाइल ऐप का किया शुभारंभ

नई दिल्ली : अब गणतंत्र दिवस, बीटिंग रिट्रीट समारोह और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों की जानकारी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिये मिलेगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को सुशासन दिवस पर इसके लिए 'राष्ट्र पर्व' वेबसाइट और इसके मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर शुरू की गई इस वेबसाइट से कार्यक्रमों के सीधा प्रसारण, टिकटों की खरीद, बैठने की व्यवस्था और रूट-मैप आदि से संबंधित जानकारी मिलेगी। इस अवसर पर रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने 'राष्ट्र पर्व'वेबसाइट और मोबाइल ऐप विकसित किया है, जिसमें झांकी के प्रस्तावों और कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी होगी। वेबसाइट में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और विभागों को गणतंत्र दिवस ?परेड के लिए अपनी झांकियों को डिजाइन करने और अंतिम रूप देने के लिए झांकी प्रबंधन पोर्टल भी होगा। रक्षा मंत्रालय ने इस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन को राज्यों से परामर्श करके बनाया है, क्योंकि राज्यों ने झांकी के डिजाइन डेटा के प्रबंधन के लिए एक पोर्टल का सुझाव दिया था। उन्होंने बताया कि इसी तरह गणतंत्र दिवस समारोह के दर्शकों ने फीडबैक में सुझाव दिया था कि उनके पास कार्यक्रम, परेड, झांकी आदि की जानकारी हो। इसलिए इन सभी ?सुझावों को शामिल करके राष्ट्र पर्व वेबसाइट विकसित की गई है।

नक्सलवाद से निपटने में सीआरपीएफ ने सराहनीय कार्य किया : अमित शाह

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने नक्सलवाद से निपटने, पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर में शांति एवं स्थिरता बहाल करने में सराहनीय कार्य किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान गृह मंत्री ने बल के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और सीआरपीएफ के परिचालन और प्रशासनिक प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव सहित गृह मंत्रालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।
इस मौके पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आंतरिक सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। अमित शाह ने भाषाई एकता को मजबूत करने के लिए बल के दैनिक कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। शाह ने जवानों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए श्री अन्न के अधिक से अधिक उपयोग पर बल देने के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य के लिए जवानों से प्रकृति परीक्षण अभियान के अन्तर्गत आयुर्वेद के अधिकाधिक उपयोग का भी आह्वान किया। बैठक के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह ने गृह मंत्री को सीआरपीएफ में अनुकम्पा आधारित नियुक्तियों सहित बल के शहीद जवानों के परिवारों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवा में बड़ा बदलाव: 158 चिकित्सक बर्खास्त, नई भर्ती जल्द

देहरादून : उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत विभिन्न अस्पतालों से लंबे समय से अनुपस्थित 158 चिकित्सकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। एक तरफ जहां सरकार अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बना रही है, वहीं दूसरी ओर अनुपस्थित चिकित्सकों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इनमें से कई चिकित्सक कभी नौकरी ज्वाइन ही नहीं किए थे, जबकि अन्य लंबे समय से बिना बताए अनुपस्थित थे। ये सभी चिकित्सक लम्बे समय से अस्पतालों से बिना बताये गायब चल रहे थे। इनमें से 60 चिकित्सकों ने कभी नौकरी ज्वाइन नहीं की, 59 चिकित्सक बिना बताये अनुपस्थित हैं जबकि 39 चिकित्सक परिविक्षा अवधि से ही गयाब हैं। जिनमें अल्मोड़ा जनपद के 12 चिकित्सक, नैनीताल, चम्पावत व उत्तरकाशी के 11-11, ऊधमसिंह नगर 21, देहरादून व बागेश्वर 09, पिथौरागढ़ 05, हरिद्वार 06, रूद्रप्रयाग 07, पौड़ी गढ़वाल 10 तथा टिहरी गढ़वाल व चमोली के 13-13 चिकित्सक शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेशभर के विभिन्न चिकित्सालयों से गयाब चल रहे 20 और चिकित्सकों को भी बर्खास्त किया गया है। लम्बे समय से अनुपस्थित चल रहे इन चिकित्सकों की वहज से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार न मिलने से इन्हें जिला अस्पताल या फिर बड़े शहरों के निजी अस्पतालों की ओर रूख करना पड़ रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**